Web Portal
www.ghatatighatana.com
G.G. News
सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए एक प्रकाशन...

घटती घटना

RNI REG.NO.-CHHHIN/2004/15050
डाक पंजीयन क्रमांक- 013/सरगढ़/2020-2022

अम्बिकापुर, वर्ष 18,अंक -323 बुधवार,28 सितम्बर 2022, पृष्ठ -8 मूल्य 2 रूपये

ज्ञान की बातें

कमल खिलता है तो भंवरे आते ही हैं। गुण है तो प्रशंसक तो आएंगे ही।

- चाणक्य-

संक्षिप्त समाचार

आशा पारेख को मिलेगा दादा साहेब फाल्के अवॉर्ड, केंद्रीय मंत्री ने की घोषणा, ट्वीट कर कही ये बात

मुंबई, 27 सितम्बर 2022। बॉलीवुड की दिग्गज एक्ट्रेस Asha Parekh को साल 2022 में दादा साहब फाल्के अवॉर्ड से नवाजा जाएगा। इस बात की जानकारी केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने दी. दादा साहब फाल्के अवॉर्ड्स का आयोजन 30 सितंबर को किया जायेगा।

केंद्रीय मंत्री ने ट्वीट पर लिखा कि आशा पारेख 95 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुकी हैं। बता दें कि फिल्म इंडस्ट्री में कलाकारों को उनके उल्लेखनीय काम को सम्मानित करने के लिए हर साल दादा साहेब फाल्के अवॉर्ड्स का आयोजन किया जाता है। 79 साल की आशा पारेख को यह सम्मान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू विज्ञान भवन में प्रदान करेंगी।

वैसे तो आशा पारेख ने एक्टिंग से रिटायरमेंट ले लिया है, लेकिन 60 और 70 के दशक में आशा पारेख का नाम उस दौर की बेहतरीन एक्ट्रेस में लिया जाता था। अपने समय में फिल्मी पर्दे पर राज करने वाली आशा पारेख सबसे अधिक भुगतान पाने वाली अभिनेत्री थीं। बता दें कि 1992 में, उन्हें सिनेमा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए भारत सरकार द्वारा पद्म श्री से सम्मानित किया गया था।

बॉम्बे हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस की सुप्रीम कोर्ट में पदोन्नति की सिफारिश

नई दिल्ली , 27 सितम्बर 2022। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने बॉम्बे हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश दीपांकर दत्ता को सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस के रूप में पदोन्नत करने की सिफारिश की है। शीर्ष अदालत की वेबसाइट पर अपलोड किए गए एक बयान में कहा गया है = सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 26 सितंबर, 2022 को हुई अपनी बैठक में बॉम्बे हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता को सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत करने की सिफारिश की है। न्यायमूर्ति दत्ता का पैरेंट हाई कोर्ट कलकत्ता उच्च न्यायालय है।

वर्तमान में, शीर्ष अदालत में 29 न्यायाधीश हैं। 57 वर्षीय न्यायमूर्ति दत्ता को अप्रैल 2020 में बॉम्बे हाई कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया था। न्यायमूर्ति दत्ता ने 22 जून, 2006 को कलकत्ता हाई कोर्ट के स्थायी न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत होने से पहले संवैधानिक और नागरिक मामलों में मुख्य रूप से शीर्ष अदालत और उच्च न्यायालय में लॉ की प्रैक्टिस की।

मलबा आने से चार घंटे तक बाधित रहा बदरीनाथ हाईवे

टिहरी ,27 सितंबर 2022। ऋषिकेश-बदरीनाथ राजमार्ग पर मुल्यागांव के समीप लगातार पहाड़ी से भारी बोल्डर गिरने से यातायात अवरुद्ध हो गया। करीब चार घंटे की मशक्कत के बाद एनएच ने हाईवे पर आये मलबे और पत्थरों को हटाकर यातायात बहाल करवाया। मंगलवार सुबह ऋषिकेश बदरीनाथ हाईवे पर मुल्यागांव के समीप पहाड़ी से आये मलबे के कारण बदीनाथ हाईवे चार घंटे तक बाधित रहा। बीते दिनों हुई भारी बारिश के चलते रविवार से लगातार पहाड़ी से भारी बोल्डर और मलबा आने का सिलसिला हाईवे पर बना हुआ है।

पीएफआई के ठिकानों पर आज बड़ा एक्शन

170 सदस्यों को लिया हिरासत में, कई पीएफआई नेताओं को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, 27 सितम्बर 2022। पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के खिलाफ कार्रवाई जारी है। खबर है कि मंगलवार सुबह करीब 170 सदस्यों को हिरासत में लिया गया है। इस दौरान 7 राज्यों में पुलिस ने रेड की है। हाल ही में नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी और प्रवर्तन निदेशालय ने 13 राज्यों में छापे मारकर 100 से ज्यादा पीएफआई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया था।

बताया जा कि राज्यों की पुलिस उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात, असम, कर्नाटक, दिल्ली और महाराष्ट्र में तलाशी कर रही है। खबर है कि हिंसक प्रदर्शनों की योजना से जुड़े इनपुट मिलने के बाद छापे मारे गए थे। शीर्ष खुफिया सूत्रों ने जानकारी दी है कि सुबह 6 बजे तक 7 राज्यों में 200 ठिकानों पर रेड कर 170 से ज्यादा कैडर्स को हिरासत में ले लिया गया था।

मिली जानकारी के मुताबिक ह्द्ध, पुलिस और अन्य जांच एजेंसियां इन 8 राज्यों में रेड कर रही हैं। असम से 7 पीएफआई नेताओं को गिरफ्तार किया गया है। वहीं, कर्नाटक में 45 सदस्यों को हिरासत में लिया गया है। इन्हें स्थानीय तहसीलदार के सामने पेश किया जाएगा और न्यायिक हिरासत की मांग की जाएगी। कहा जा रहा है कि गिरफ्तार या हिरासत में लिए गए इन पीएफआई नेताओं ने या तो एनआईए को रोकने की कोशिश की और पहले विरोध प्रदर्शन किए थे या स्थानीय स्तर पर तनाव बढ़ाया था।

पुणे में राज्य की पुलिस ने कथित फंडिंग मामले में पूछताछ के लिए 6 पीएफआई समर्थकों को हिरासत में लिया है। खबर है कि यूपी के सियाना और सारूपुर में कार्रवाई की गई। साथ ही मेरठ, बुलंदशहर और सीतापुर से कई संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। इधर, राजधानी दिल्ली में शाहीन बाग और जामिया समेत कई इलाकों में छापे चल रहे हैं। रेड के दौरान करीब 12 लोगों को हिरासत में लिया गया है।

शशि थरूर और पवन कुमार बंसल ने लिया नामांकन पत्र, सोनिया से इस दिग्गज नेता ने की मुलाकात

नई दिल्ली, 27 सितम्बर 2022। कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर राजनीतिक गलियारों में खलबली मची हुई है. इस बीच खबर है कि कांग्रेस कोषाध्यक्ष पवन कुमार बंसल और वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने नामांकन पत्र लिया है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो थरूर 30 सितंबर को नामांकन पत्र दाखिल कर सकते हैं, वहीं पवन बसंल के बारे में अभी स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है. इस बीच कांग्रेस के निर्वाचन अधिकारी मदुसूदन मिस्त्री ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात की है। इस मुलाकात के बाद उन्होंने बताया, अभी तक दो लोगों ने नामांकन पत्र लिया है। अशोक गहलोत के नामांकन भरने पर उन्होंने कहा कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है।

राहुल गांधी का तंज,पीएम का नारा है 'बेटी बचाओ' और भाजपा के कर्म हैं 'बलात्कारी बचाओ'

नयी दिल्ली, 27 सितम्बर 2022। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने उत्तराखंड के बहुचर्चित अंकिता हत्याकांड के मामले में न्याय की मांग करते हुए मंगलवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नारा 'बेटी बचाओ' का है, लेकिन भारतीय जनता पार्टी के कर्म 'बलात्कारी बचाओ' वाले हैं। इन दिनों 'भारत जोड़ो यात्रा' निकाल रहे राहुल गांधी, अंकिता हत्याकांड के मामले में न्याय की मांग को लेकर केरल में निकाले गए मार्च में शामिल हुए। इसमें महिला कांग्रेस की कार्यवाहक अध्यक्ष नेटा डिसूजा और कई अन्य नेता एवं कार्यकर्ता भी शामिल हुए।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने ट्वीट किया, ''प्रधानमंत्री का नारा - बेटी बचाओ, भाजपा के कर्म - बलात्कारी बचाओ।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''यह (मोदी) भारत के पहले प्रधानमंत्री हैं जिनकी विरासत होगी- सिर्फ़ भाषण, झूठे और खोखले भाषण। इनका शासन तो अपराधियों को समर्पित है।'' राहुल गांधी ने कहा कि अब भारत चुप नहीं बैठेगा। कांग्रेस ने 'जस्टिस फॉर अंकिता' हैशटैग से सोशल मीडिया में अभियान भी चलाया। उत्तराखंड के पौड़ी जिले के यमकेश्वर में गंगा भोगपुर में वनंत्रा रिजॉर्ट में कार्यरत अंकिता की कथित रूप से रिजॉर्ट संचालक पुलकित आर्य ने अपने दो कर्मचारियों, प्रबंधक सौरभ भास्कर और सहायक प्रबंधक अंकित गुप्ता के साथ मिलकर ऋषिकेश के निकट चीला नहर में धकेलकर हत्या कर दी थी। मुख्य आरोपी पुलकित हरिद्वार के पूर्व भाजपा नेता विनोद आर्य का बेटा है जो पूर्व में दर्जाधारी राज्य मंत्री रह चुके हैं।

'आप'को बड़ा झटका,हाईकोर्ट ने एलजी के खिलाफ सभी सोशल मीडिया पोस्ट हटाने को कहा

नई दिल्ली , 27 सितम्बर 2022। दिल्ली हाईकोर्ट से आम आदमी पार्टी को बड़ा झटका मिला है। हाईकोर्ट ने उपराज्यपाल वीके सक्सेना के खिलाफ आपत्तिजनक बयानों और विवादित पोस्ट को सोशल मीडिया से हटाने आप को निर्देश दिया है। हाईकोर्ट ने अपने अंतरिम आदेश में उपराज्यपाल के खिलाफ कथित अपमानजनक सामग्री हटाने का आदेश दिया है।

आपको बता दें कि दिल्ली एलजी वीके सक्सेना ने दिल्ली उच्च न्यायालय से आप और उसके नेताओं को भविष्य में उनके और उनके परिवार के सदस्यों के संबंध में मानहानिकारक बयानबाजी के आरोप लगाने से रोकने का निर्देश देने का आग्रह किया था।

आप के नेताओं ने लगाया था भ्रष्टाचार का आरोप

एलजी द्वारा आबकारी नीति समेत कई मुद्दों पर सीबीआई जांच के आदेश देने के बाद आम आदमी पार्टी और उपराज्यपाल के बीच रस्साकसी तेज हो गई। बता दें कि आप विधायक दुर्गेश पाठक ने दिल्ली विधानसभा में उपराज्यपाल पर 1400 करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार में शामिल होने का आरोप लगाया था। पाठक का कहना था कि बतौर खादी ग्रामोद्योग आयोग अध्यक्ष रहते हुए उपराज्यपाल ने नोटबंदी के दौरान घोटाला किया था।

पासपोर्ट आवेदकों को बड़ी राहत

पासपोर्ट बनवाना अब चुटकियों का काम,पुलिस क्लियरेंस सर्टिफिकेट अब ऑनलाइन मिलेगा

नई दिल्ली, 27 सितम्बर 2022। अगर आप पासपोर्ट बनवाने जा रहे हैं और इसके वेरिफिकेशन प्रोसेस को लेकर फिक्रमंद हैं. तो फिर ये खबर आपके लिए हैं. दरअसल, अब पासपोर्ट बनवाना और भी आसान हो गया है. विदेश मंत्रालय की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, पासपोर्ट आवेदक पुलिस क्लीयरेंस सर्टिफिकेट के लिए सभी ऑनलाइन डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र पर आवेदन कर सकते हैं.

विदेश मंत्रालय का ये ऐलान निश्चित तौर पर पासपोर्ट आवेदकों के लिए राहत भरी खबर है. इस काम के लिए अब परेशान नहीं होना होगा और इसके लिए ऑनलाइन आवेदन करने की सुविधा मिल गई है. हालांकि, यह सुविधा 28 सितंबर यानी बुधवार से शुरू होगी. पुलिस क्लियरेंस सर्टिफिकेट के लिए आवेदक सभी डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं. बता दें पासपोर्ट जारी करने के प्रोसेस में पुलिस वेरिफिकेशन का काम सबसे ज्यादा समय लेने वाला होता है.

विदेश मंत्रालय, जो पासपोर्ट जारी करने के लिए नोडल मिनिस्ट्री है, ने आवेदकों को होने वाली समस्या को काफी हद तक सुलझा दिया है. पुलिस वेरिफिकेशन में स्थानीय पुलिस के जरिए सत्यापन कराया जाता है इसके बाद क्लियरेंस सर्टिफिकेट जारी किया जाता है. बीते कुछ समय में PCC की मांग में जोरदार इजाफा देखने को मिल रहा है, जिसके चलते विदेश मंत्रालय ने यह कदम उठाया है.

विदेश मंत्रालय की ओर से इस संबंध में जारी बयान में कहा कि पुलिस सत्यापन प्रमाणपत्र की मांग में काफी बढ़ोतरी होने के चलते देश में सभी ऑनलाइन डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र को पीसीसी के लिए आवेदन करने की सुविधा से जोड़ने का फैसला किया गया है, यह सुविधा 28 सितंबर से शुरू हो रही है. इससे सर्टिफिकेट के लिए पहले से अपॉइंटमेंट भी लिया जा सकेगा.

पासपोर्ट आवेदकों के लिए पुलिस क्लियरेंस सर्टिफिकेट जरूरी होता है. हालांकि, आवासीय स्थिति, रोजगार या लॉन्ग टर्म वीजा और इमिग्रेशन के लिए आवेदन करते हैं तो इसकी जरूरत होती है, जबकि टूरिस्ट वीजा पर विदेश जाने वाले लोगों को यह सर्टिफिकेट जारी नहीं किया जाता है।

केजीएमयू ने गर्भवती डॉक्टर की मौत की जांच का आदेश दिया

लखनऊ, 27 सितम्बर 2022। लखनऊ में किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) से संबद्ध क्वीन मैरी अस्पताल में एक गर्भवती डॉक्टर की मौत के बाद अस्पताल प्रशासन ने जांच का आदेश दिया है। मृत डॉक्टर के परिवार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। गर्भवती डॉक्टर को गर्भावस्था से संबंधित समस्याओं के कारण भर्ती कराया गया था।

केजीएमयू के प्रवक्ता डॉ. सुधीर सिंह ने कहा, परिवार के आरोपों की उच्चस्तरीय जांच की जाएगी। जो भी दोषी पाया जाएगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा। चौक पुलिस को दी गई शिकायत के मुताबिक, लखनऊ के बाबूगंज इलाके की रहने वाली गर्भवती डॉक्टर को 20 सितंबर को क्वीन मैरी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

मृतक के पिता सूर्य कुमार ने अपनी पुलिस शिकायत में कहा, ÷24 सितंबर को दोपहर में हमने देखा कि मेरी बेटी डॉ. स्नेहा सिंह की हालत बिगड़ती जा रही है और हम तुरंत ड्यूटी पर डॉक्टरों के पास पहुंचे, लेकिन उन्होंने ध्यान नहीं दिया। अगली सुबह बच्चे का जन्म हुआ और डॉक्टरों ने हमें बताया कि बच्चा मृत पैदा हुआ था। जब हम बच्चे के अंतिम संस्कार के बाद लौटे तो हमें बताया गया कि मां का भी निधन हो गया है।÷

उन्होंने इस घटना के लिए कथित तौर पर जिम्मेदार डॉक्टरों को नामजद किया है। इसके साथ ही मौत का कारण ड्यूटी पर तैनात डॉक्टरों की अनदेखी को बताया और आरोप लगाया कि पूरा इलाज जूनियर डॉक्टरों ने चलाया। पुलिस शिकायत के आधार पर केजीएमयू ने एक उच्चस्तरीय समिति गठित करने का फैसला किया है। डॉ. सुधीर सिंह ने कहा, समिति आरोपों की समीक्षा करेगी और पता लगाएगी कि क्या मेडिकल टीम की गलती थी या उन्होंने किसी चेतावनी के संकेतों की अनदेखी की।

सीएम योगी के मंदिर पर चल सकता है बुलडोजर,विवादों में आया ये मामला

अयोध्या, 27 सितम्बर 2022। हाल ही में उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के एक समर्थक ने मंदिर बनवाया था जिसमे योगी आदित्यनाथ की मूर्ति लगी थी और साथ ही इसमें सुबह शाम योगी आदित्यनाथ की आरती भी हो रही थी। देखते ही देखते मामला सोशल मीडिया में काफी वायरल हो गया और विवादों में भी आ गया। इस मंदिर का निर्माण अयोध्या के कल्याण भदरसा मजरे मौर्या का पुरवा में करवाया गया था। लेकिन चर्चा में आने के बाद अब बताया जा रहा है कि जल्द ही इस मंदिर पर बुलडोजर चल सकता है। मंदिर का निर्माण करवाने वाले प्रभाकर मौर्य पर उनके चाचा रामनाथ मौर्य ने आरोप लगाते हुए कहा है कि वह सरकारी जमीन को हड़पना चाहते है। इसकी जांच करवाने के लिए उन्होंने 21 सितंबर को सीएम योगी को इस मामले पर पत्र भी लिखा है।

प्रभाकर मौर्य के चाचा ने कहा कि ग्राम समाज की बंजर जमीन पर कब्जा करने और पुलिस प्रशासन को गुमराह करने के लिए इस स्थान पर सीएम योगी की मूर्ति स्थापित कर पूजा-अर्चना शुरू की गई है। सरकारी जमीन पर कब्जा करने का आरोप लगा कर रामनाथ मौर्य ने मामले की शिकायत दर्ज करवाई गई। वहीं प्रभाकर मौर्य मंदिर में ताला लटकाकर फरार हो गए। वहीं एसडीएम सोहावल ने इस मामले की जांच-पड़ताल शुरू करवा दी है। जानकारी के अनुसार, मामले की रिपोर्ट आने के बाद बड़ी कार्रवाई की जा सकती है।

सचिन आलाकमान के हुए करीबी,गफलत में गहलोत हुए दूर

खड़गे-माकन ने बनाई राजस्थान की लिखित रिपोर्ट, हाईकमान गहलोत और उनके 3 मंत्री-विधायक और पीसीसी अध्यक्ष पर करेंगी फैसला

रायपुर, 27 सितम्बर 2022। राजस्थान में गर्मी कांग्रेस की राजनीति पर आज देर रात तक कांग्रेस आलाकमान फैसला ले सकती हैं। आज मंगलवार को दोपहर बाद मल्लिकार्जुन खड़गे और अजय माकन राजस्थान में गहलोत और उनके समर्थकों की अनुशासनहीनता की लिखित रिपोर्ट सोनिया गाँधी को सौंपेंगे। अब तक सोनिया के सबसे भरोसेमंद कहलाने वाले राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत आलाकमान की नज़रों में अब विश्वसनीय नहीं रह गए हैं। गहलोत की शर्तें, सीएम पद को लेकर सचिन पायलट की मुखालिफत के अलावा अपने समर्थक मंत्री-विधायकों के बेलगाम होने का उन्हें खामियाज़ा उठाना पड़ेगा।

इसके विपरीत अब तक दूर दूर नज़र आ रहे सचिन पायलट के सब्र ने उन्हें पार्टी हाईकमान के करीब ला खड़ा किया है। संभवतः पायलट अब बेफिक्र भी लग रहे हैं। उन्हें इतना तो पता चल ही गया कि बिना कुछ किये विरोधी नुकसान में है और उनकी राजनीति अज्ञातवास सोनिया गाँधी ख़त्म करेंगी। लेकिन क्या वो सीएम बनेंगे या फिर राजस्थान के पार्टी अध्यक्ष और भावी मुख्यमंत्री होंगे यह सवाल भविष्य की गर्त पर है। राजस्थान से लेकर दिल्ली में कांग्रेस की सियासी गतिविधियों से सचिन पायलट के लिए ये संभावनाएं बन रही हैं -

पहली संभावना : सचिन पायलट मुख्यमंत्री बनेंगे

सचिन पायलट के मुख्यमंत्री बनने की संभावनाएं अब भी जिंदा हैं, क्योंकि प्रभारी अजय माकन के बयानों से यह साफ होता है कि हाईकमान रविवार को हुए पूरे घटनाक्रम से नाराज है। ऐसे में इसका अप्रत्यक्ष रूप से फायदा पायलट को मिलेगा। संभावना है कि हाईकमान इस एपिसोड के बाद भी कांग्रेस पार्टी के चेहरे के रूप में पायलट को प्रमोट करने का फैसला करे। बहुत सारे विधायक पार्टी से बगावत नहीं करना चाहेंगे। ऐसे में एक बार फिर पायलट के पक्ष में समीकरण बन सकते हैं।

दूसरी संभावना : PCC अध्यक्ष या भावी सीएम चेहरा

इस पूरे विवाद को निपटाने और कांग्रेस को नुकसान से बचाने के लिए आलाकमान यह निर्णय भी कर सकता है कि पायलट को PCC चीफ बना दिया जाए। गहलोत राजस्थान के मुख्यमंत्री रहें और कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष कोई और बने। वहीं 2023 चुनाव के लिए सचिन पायलट को फ्री हैंड दिया जाए। मगर इसकी संभावना कम लगती है, क्योंकि लगता नहीं पायलट इसके लिए राजी होंगे। इसके अलावा एक समस्या ये भी है कि अगर उनके नेतृत्व में पार्टी हार जाती है तो ये उनके लिए नुकसानदायक होगा।

तीसरी संभावना : राजस्थान या दिल्ली की राजनीति करें

राजस्थान में विकट स्थिति को देखते हुए हाईकमान सचिन पायलट को दिल्ली बुला सकता है। संभावना है कि वहां उन्हें संगठन में अहम जगह दी जाए और फिर वे दिल्ली की ही राजनीति करें। मगर इसकी संभावना काफी कम लगती है, क्योंकि पायलट राजस्थान में ही अपना राजनीतिक भविष्य बनाना चाहते हैं।

चौथी संभावना : BJP जॉइन करें या अलग पार्टी बनाएं

यह भी कहा जा रहा है कि पायलट BJP जॉइन कर सकते हैं। यह कहा जा रहा है कि पायलट या तो अपने साथ कुछ और विधायकों को जोड़कर BJP के साथ मिलकर सरकार बना सकते हैं या फिर अपनी अलग पार्टी बना सकते हैं। मगर ये दोनों ही संभावनाएं काफी कम हैं।

संपादकीय

पुरानी पेंशन का चारा

पुरानी पेंशन योजना की समाप्ति का फैसला नव-उदारवादी नीतियों के कारण हुआ, जिन्हें देश ने लगभग आम सहमति के साथ स्वीकार कर लिया था। उन नीतियों के जारी रहते उनके एक स्वाभाविक को पलटना एक विसंगति ही माना जाएगा।

राज्यों में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले अब विभिन्न विपक्षी दलों की तरफ से सरकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना वापस लाने के वादे की झड़ी लग गई है। संभवतः इस वादे के पीछे यह धारणा है कि चुनाव नतीजों को प्रभावित करने में सरकारी कर्मचारी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। फिर यह भी माना जाता है कि अगर एक कर्मचारी खुश होगा, तो उससे जुड़े कई परिजनों का वोट संबंधित पार्टी को मिल सकता है। लेकिन इसी वर्ष उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के विधानसभा चुनावों में यह वादा समाजवादी पार्टी और कांग्रेस को जीत दिलाने में नाकाम रहा। फिर भी राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकारों ने पुरानी पेंशन योजना बहाल कर दी है और अब गुजरात में ऐसा ही वादा कांग्रेस और आम आदमी पार्टी दोनों ने किया है। लेकिन वहां भी इसके प्रभावी होने की संभावनाएं कम ही हैं। इसलिए कि तमाम मतदाताओं के बीच सरकार कर्मचारियों की संख्या न्यून होती है, बल्कि खुद सरकारी विभागों में अब लगभग एक चौथाई अस्थायी कर्मचारी हैं, जिन्हें कोई सामाजिक सुरक्षा नहीं मिलती। वैसे भी बाकी समाज ऐसी सुरक्षाओं से वंचित रहे, जबकि सरकारी नौकरी पा जाने वाले कुछ खुशकिस्मत लोगों की रिटायर्ड जिंदगी निश्चिंत होकर गुजरे, इस बात का कोई तर्क नहीं हो सकता।

अपने ही बनाये इंद्रजाल में फंस गए गहलोत?

रमेश सर्राफ धमोरा
झुंझुनू राजस्थान

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को राजनीति का एक ऐसा जादूगर माना जाता है जो अपने राजनीतिक कुशलता के बल पर अंतिम समय में बिगड़ी बाजी को बना सकते हैं। अपने राजनीतिक सूझबूझ व कौशल के बल पर ही अशोक गहलोत ने राजनीति के मैदान में एक लंबी पारी खेली है। उसी की बदौलत वो शीघ्र ही कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने वाले हैं। मुख्यमंत्री, केंद्र में मंत्री, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष तो बहुत से नेता बनते रहे हैं। मगर कांग्रेस जैसी पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना अपने आप में बहुत बड़े गौरव की बात है।

कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी द्वारा अशोक गहलोत का नाम पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए चुना जाना मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के लिए भी फक्र की बात है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर अशोक गहलोत, पंडित जवाहरलाल नेहरू, श्रीमती इंदिरा गांधी, राजीव गांधी जैसे दिग्गज नेताओं की कतार में शामिल हो जाएंगे।

मगर कहते हैं ना की राजनीतिक को संभावनाओं का खेल माना जाता है। इसमें कब क्या हो जाए कोई कह नहीं सकता है। ऐसा ही वाकिया पिछले दो दिनों से राजस्थान में घट रहा है। अशोक गहलोत के कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने से पहले उनको मुख्यमंत्री का पद छोड़ना था। इस बाबत उनकी कांग्रेस आलाकमान के नेताओं से बात हो चुकी थी। उनके द्वारा निर्धारित किए गए समय पर ही कांग्रेस आलाकमान ने राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मलिकार्जुन खड़गे व कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व राजस्थान के प्रभारी अजय माकन को पर्यवेक्षक बनाकर जयपुर भेजा था। पर्यवेक्षकों को जयपुर में सभी विधायकों से व्यक्तिगत बात करके अशोक गहलोत के स्थान पर नए नेता के नाम की रायशुमारी करनी थी।

मगर कांग्रेस आलाकमान द्वारा भेजे गए दोनों पर्यवेक्षकों के जयपुर आने के बाद पूरा खेल ही बदल गया। मुख्यमंत्री आवास पर पहले से निर्धारित विधायक दल की मीटिंग में गहलोत समर्थक एक भी विधायक नहीं पहुंचा। बल्कि उन्होंने अनाधिकृत रूप से स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल के आवास पर एक समानांतर बैठक का आयोजन किया। जिसमें गहलोत समर्थकों ने एक सुर में कांग्रेस आलाकमान के पर्यवेक्षकों द्वारा आयोजित मीटिंग का बहिष्कार करने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि यदि सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनाया जाता है तो वह पार्टी से इस्तीफा दे देंगे। शांति धारीवाल के आवास पर उपस्थित करीबन 90 विधायकों ने अपने त्यागपत्र विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी के घर जाकर उनको सौंप दिये।

उधर पार्टी पर्यवेक्षक खड़गे व माकन मुख्यमंत्री आवास पर देर रात तक विधायकों के आने का इंतजार करते रहे। मगर उन्हें वहां से खाली हाथ ही लौटना पड़ा। अगले दिन उस होटल में जहां दोनों पर्यवेक्षक ठहरे हुए थे वहां गहलोत समर्थक विधायक को की तरफ से राजस्थान सरकार में वरिष्ठ मंत्री शांति धारीवाल, महेश जोशी व प्रताप सिंह खाचरियावास के रूप में एक प्रतिनिधिमंडल मिला और उनके सामने अपनी तीन मांगे रखी। जिनमें पहली सचिन पायलट या उनके समर्थक किसी भी विधायक को मुख्यमंत्री नहीं बनाया जाए। दूसरी मांग जो 102 विधायक सचिन पायलट की बगावत के समय अशोक गहलोत के साथ थे उनमें से ही किसी विधायक को मुख्यमंत्री बनाया जाए। तीसरी मांग विधायक दल की बैठक कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चयन होने के बाद 18 अक्टूबर के बाद बुलाई जाए।

जयपुर से दिल्ली रवाना होने से पूर्व राजस्थान के प्रभारी महासचिव व पर्यवेक्षक अजय माकन ने पत्रकारों को बताया कि गहलोत गुट की तरफ से जो तीन मंत्री उनसे मिलने के लिए आए थे। उन्होंने अपनी 3 सूत्री मांगों के बारे में चर्चा की तो मैंने उनको कहा कि हम पार्टी आलाकमान के निर्देश पर जयपुर आए हैं और हम दोनों नेता एक-एक कर सभी विधायकों की राय जानना चाहते हैं। उस पर तीनों नेताओं ने कहा कि हमारे समर्थक विधायक व्यक्तिगत ना मिलकर समूह में मिलेंगे। इस पर माकन ने कहा कि हम किसी की शर्तों पर रायशुमारी नहीं करेंगे। मौजूदा हालात की जो रिपोर्ट है वह पार्टी अध्यक्ष को सौंप देंगे। पत्रकारों के सवालों के जवाब में माकन ने कहा कि गहलोत समर्थक नेताओं द्वारा किया जा रहा बर्ताव प्रथम दृष्टया पार्टी अनुशासनहीनता का है।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत 2018 के बाद से ही सचिन पायलट को साइड लाइन करने में लगे हुए हैं। 2020 में तो ऐसी परिस्थितियां बना दी गई थी कि मजबूर होकर सचिन पायलट को पार्टी से बगावत तक करनी पड़ी थी। मगर बाद में आलाकमान के हस्तक्षेप के बाद स्थितियां सामान्य हो गई थी और सचिन पायलट भी पार्टी में पहले की तरह ही काम करने लगे थे। लेकिन मुख्यमंत्री गहलोत को जब भी मौका मिलता वह पायलट को नीचा दिखाने का कोई अवसर नहीं छोड़ रहे थे।

हाल ही में जब गहलोत का नाम पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के लिए सामने आया तो उनका पूरा प्रयास था कि वो पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ ही मुख्यमंत्री का काम भी करते रहें। मगर कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा एक व्यक्ति एक पद का सिद्धांत कड़ाई से लागू करने की बात पर उन्होंने अपने समर्थक किसी विधायक को मुख्यमंत्री बनाने के प्रयास शुरू कर दिए। जब उनको लगा कि कांग्रेस आलाकमान 2020 में सचिन पायलट को आगे चलकर मुख्यमंत्री बनाने का वायदा अब पूरा कर सकता है तो उन्होंने अपने समर्थकों से एक नया राजनीति खेल करवा दिया।

राजस्थान कांग्रेस में चल रहे घटनाक्रम से पूरे देश में कांग्रेस की छवि पर विपरीत असर पड़ रहा है। एक तरफ तो राहुल गांधी हजारों किलोमीटर की भारत जोड़ो पदयात्रा कर कांग्रेस का खोया जनाधार फिर से पाने के लिए लगातार पसीना बहा कर मेहनत कर रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ अशोक गहलोत जैसा बड़ा नेता जो पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने जा रहा है। उनके द्वारा ऐसी घटना को अंजाम देना सीधे आलाकमान को चुनौती देने के समान है। गहलोत समर्थक लगातार कह रहे हैं कि हम कांग्रेस आलाकमान के हर निर्देश को मानेंगे। लेकिन आलाकमान के भेजे हुए पर्यवेक्षकों से उन्होंने मिलना तक गवारा नहीं समझा।

अपने समर्थक विधायकों से पायलट का विरोध करवा रहे मुख्यमंत्री अशोक गहलोत इतना आगे बढ़ गए कि उन्होंने पायलट के साथ ही केंद्रीय नेतृत्व को भी चुनौती दे डाली। उनको ध्यान ही नहीं रहा कि उनके द्वारा की जा रही कार्यवाही का खामियाजा कांग्रेस पार्टी को पूरे देश में उठाना पड़ेगा। आगे हर कोई भी नेता पार्टी से बगावत करने लगेगा। हर कोई आलाकमान को आंख दिखाने लगेगा।

मुख्यमंत्री गहलोत जो स्वयं कुछ दिनों बाद पार्टी के आलाकमान बनने जा रहे हैं। उन्होंने ही एक ऐसी परिपाटी डाल दी है जो अध्यक्ष बनने पर आगे चलकर उनके लिए ही भारी साबित हो सकती है। बहरहाल खुद को राजनीति का जादूगर बताने वाले गहलोत के मौजूदा प्रदर्शन को देख कर तो लगता है कि राजनीति के जादूगर खुद के बनाए ही इंद्रजाल में फंस कर रह गए हैं।

मानव सभ्यता में नदियों की भूमिका एवं वर्तमान परिदृश्य

पुखराज प्राज
छत्तीसगढ़

कभी चिलचिलाती धूप में सोने के रत्न लिए चमकती, कभी धात्री जलराशि की बन जीवन को सिंचती, कभी धरा पर बारह मास कल-कल करती बहती सरिता....जाने कितना कुछ सहती सरिता? जीवन के प्राथम्य दौर से लेकर संस्कृति के गठन में जल के अविरल स्त्रोत सरिता यानी नदी का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। नदी जो भूतल पर प्रवाहित एक जलधारा है। जिसका प्राथमिक स्त्रोत संभवतः कोई झील, हिमनद, झरना या बारिश का पानी होता है। ये नदियाँ प्रायः किसी सागर अथवा झील में गिरती है या किसी बड़ी नदी की सहायिका बन जलराशि को समर्पित करती है। नदी शब्द संस्कृत के नद्यः से उद्धृत हुआ है। संस्कृत में ही इसे सरिता भी कहते हैं। नदी दो प्रकार की होती है- सदानीरा या बरसाती, जिसमें सदानीरा यानी बारह मास पानी की अवस्थिति और बरसाती यानी बारिश के तीन माह और जाड़े के माह तक जलराशि प्रवाहित होती है।नदियों का जन्म अधिकतर गलशियर अथवा झील से होता है। प्रकृति द्वारा विकसित एवं लगातार परिमार्जित मार्ग पर बहते पानी की अविरल धारा ही नदी है। बरसात उसे जन्म देती है। वह सामान्यतः ग्लेशियर, पहाड़ अथवा झरने से निकलकर समुद्र अथवा झील में समा जाती है। भारतवर्ष में लगभग 400 से अधिक प्रमुख नदियाँ हैं। उनमें से, गंगा नदी जल प्रवाह के अनुसार देश की सबसे बड़ी नदी है, जबकि सिंधु नदी लंबाई के हिसाब से सबसे बड़ी नदी है। राजस्थान में केवल 90 किमी बहने वाली अरवरी नदी को भारत की सबसे छोटी नदी कहा जाता है। नदियों का देश कहे जाने वाले भारतवर्ष में प्रमुख चार नदी या जलराशि प्रवाह प्रणालियाँ है हैं। उत्तरी भारत में सिंधु नदी अपवाह तंत्र, मध्य भारत में गंगा नदी अपवाह तंत्र, उत्तर-पूर्व भारत में ब्रह्मपुत्र नदी अपवाह तंत्र प्रणाली है। प्रायद्वीपीय भारत में नर्मदा कावेरी महानदी आदी नदियाँ विस्तृत नदी प्रणाली का निर्माण करती हैं।

ऋषियों, मनीषियों और ज्ञानियों के इस देश में नदियों का धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्त्व है। जैसे ऋग्वेद, रामायण, महाभारत, स्कंदपुराण एवं अन्य ब्राह्मण ग्रंथों में गंगा सहित विभिन्न नदियों की महिमा का वर्णन है। पौराणिक मान्यताओं में विष्णु पुराण के अनुसार गंगा की उत्पत्ति भगवान विष्णु के बाएँ पैर के अँगूठे से हुई है। गंगा नदी जिसे भारत की सबसे पवित्र नदियों में एक माना जाता है। ऐसे ही भारतवर्ष में व्याप्त नदियों की कई पौराणिक कहानियाँ जुड़ी हूई है। इसके साथ ही नदियों के आर्थिक, सांस्कृतिक एवं व्यापारिक महत्व है। खासकर, नदियाँ खेती के लिए महत्वपूर्ण तो हैं। इसके साथ-साथ उपजाऊ जलोढ़ मिट्टी का स्त्रोत होती हैं। नदियां न सिर्फ जल प्रदत्त होती है, अपितु घरेलू एवं औद्योगिक गंदे व अवशिष्ट पानी को अपने साथ बहकर ले भी जाती है। बड़ी नदियों का उपयोग जल परिवहन के रूप मे भी किया जा रहा है।

वर्तमान परिदृश्य में नदियों का अतिदोहन, नदियों पर अतिक्रमण और नदियों से बेतहाशा रेत उत्खनन का होना नदियों के लिए परेशानी का सबब है। मनुष्यों के अतिक्रमण के शिकार कई नदियाँ आज विलुप्त हो चुँकि है और कई नदियाँ दम तोड़ रही हैं। वास्तव में नदियों को बचाने के लिए कोई ठोस कदम या पहल नहीं उठाया जाना भी नदियों के लिए बड़े खतरे का संकेतक हैं। शहरों के अधिकांश कूड़े-कचरे नदियों में बहा दिये जाते हैं। वहीं नदियों के किनारे बसे गांव-कस्बों के लोग भी कचरा आदि नदियों में फेंकते हैं। गंदे पानी के प्रवाह के पूर्व स्वच्छका या उपचार के बिना नदियों में दुषित जल का प्रवाह नदियों की पारिस्थितिकी को पूरी तरह से तोड़ देता है। गंगा जैसी बड़ी नदियों में गाद जमा होना भी काफी चिंताजनक है। हालांकि गंगा को शुद्ध करने को लेकर योजना शुरू कि गई है लेकिन उसका प्रभाव दिखना अभी बाकी है। वहीं जो नदियाँ विलुप्त हो चुँकि है उनके अवशेषो में केवल लुप्त हो चुके जलप्रवाह मार्ग में जहां पानी उपलब्ध होता है। वहां वनस्पतियों के बढ़ने की प्रवृत्ति होती है। इसी तरह विखंडित जल निकाय, जलीय वनस्पतियों से ढंकी दलदली भूमि, कम उम्र की वर्तमान तलछट के नीचे दबी नदी घाटी और स्थलीय अवसाद या गड्ढों का भी पता चलता है।

बहरहाल, आदि इतिहास के प्राथम्य दौर से ही नदियों का स्थान मानवों के लिए महत्त्वपूर्ण रहा है। नदियों का जल मूल प्राकृतिक जल संसाधन है, जो कई मानव जीवन के विभिन्न प्रासंगिक उपयोग के लिये बेहद ज़रूरी है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश में लगभग साठ फीसदी जनसंख्या की जीविका के लिये कृषि पर निर्भर है। वहां सिंचाई, नौसंचालन और जलविद्युत निर्माण के लिये नदियों को संरक्षित रखना हम सबका परम कर्त्तव्य होना चाहिए। नदियों को स्वच्छ बनाने के लिये शासनाधीन कितने ही कदम उठाए जाएँ, लेकिन जब तक लोक जागरुकता नहीं होंगी। तब तक नदियाँ कभी भी पूरी तरह से स्वच्छ नहीं हो पाएँगी। अगर ऐसे ही हम अपनी अंध लोलुप्ता के चलते भौतिक संपदा की अंधी दौड़ में मुफ़्त में मिले इस बहुमूल्य खजाने का अंधाधुंध दोहन करते रहेंगे तो धीरे-धीरे हमारी नदियाँ विलुप्त हो जाएँगी। इसके पश्चात् पृथ्वी पर जीवित सभी प्राणियों को अपने जीवन का निर्वाह करना आकाशीय पुष्प खिलाने के समान की स्थिति है।

न जीत का चर्चा हो

पुष्पा स्वाती
मुम्बई

न जीत का चर्चा हो, न मात की हो बात।
जो दर्द छुपाया है, उस बात की हो बात।
ज़ख्मों को छुपाकर, न यूं नासूर बनाओ,
ख़ामोशअब रहो न, कुछ निज़ात की हो बात।
दुनियांका जिकर हो, न ज़माने की हो फ़िकर
दिल में जो घुटन है, उस हालात की हो बात।
कुछ जिक्र कीजिए उन, ख़्वाबों ख़यालों का,
करते है जो पशेमां, उन जज़्बात की हो बात
कब का गुज़र गया है, तूफां तो देखिये,
आंखों में जो दबी है, बरसात की हो बात।

दूजे घर की अमानत

प्रियंका अग्निहोत्री गीत
वाराणसी उत्तरप्रदेश

नाज़ों में पली, सबकी थी लाडली
पापा की परी माँ की जूही की कली
होके जब वो बड़ी घर के बाहर चली
सौ निगाहें दिखीं उसके तन पे मिलीं
थोड़ी हैरान वो कुछ परेशान वो
कुछ पल, मर्दों की ज़ात उसके मन को खली
कुछ सोचती होगी ख़ुद से पूछती होगी
क्या गुनाह था उसका जन्म जो औरत का ली
कितनी ऐसी ख़बर देख-सुन और पढ़ कर
रूह दहशत में है मन में है खलबली
इन मर्दों के लिए, न कोई समय न पाबंदी
न कोई सीख न उपदेश सारे प्रवचन, सारी सीख
बस औरतों को मिली मुझे ग़ुस्सा है माँओं पर
उन्हें सोचना होगा दूजे घर की अमानत
ही को न सिखाओ
थोड़ा सा तो पाठ, पढ़ाओ
अपने लाडलों को भी

माँ

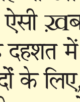

ओमप्रकाश बिन्जवे राजसागर
भोपाल मध्यप्रदेश

समय की तेज धारा में खो दिया,
वो सौगात वो दौलत याद आती हैं।
अकसर तन्हाँ तन्हाँ रातों में मुझको
माँ तेरी प्यारी सूरत याद आती हैं
घर देरी से आने पर वो डाँटना तेरा
पापा की मार से फिर बचा लेना मुझे
अकसर बच्चों को डाँटता हूँ तब तब
तेरी वो सारी नसीहत याद आती हैं।
हम भी कितने अमीर थे उन दिनों
अपने जहाज थे चाहे कागज के सही
पापा से छिपा कर दिये थे चार पैसे
मिट्टी की गुल्लक वो दौलत याद आती हैं।
सर्दी की उन कहर भरी रातों में
अपनी रजाई भी मुझको उडाना
तेरे आँचल में कितने महफूज थे
माँ अब तेरी अहमियत याद आती हैं।

स्वर कोकिला लता मंगेशकर आज भी संगीत प्रेमियों के दिलों में जिंदा है

लाल बिहारी लाल
लाल बाग
नई दिल्ली

स्वर कोकिला लता का जन्म एक ब्राह्मण परिवार में मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में सबसे बड़ी बेटी के रूप में पंडित दीनानाथ मंगेशकर के घर हुआ था। उनके पिता रंगमंच के कलाकार और गायक थे। इनके परिवार से भाई हृदयनाथ मंगेशकर और बहनों- उषा मंगेशकर ,मीना मंगेशकर और आशा भोंसले सभी ने संगीत को ही अपनी आजीविका का साधन बनाया।

लता का जन्म तो इंदौर में हुआ था लेकिन उनकी परवरिश महाराष्ट्र में हुई । इसलिए इन्हें मराठी का ज्ञान भी था। ये बचपन से ही गाना गाना चाहती थी परन्तु इनके पिता फिल्मों में गाने के पक्षधर नही थे। फिर भी इन्होंने अपना पहला गाना मराठी फ़िल्म कीर्ती हसाल के लिये गाया। लता तेरह साल की थी तभी उनके पिता की मृत्यु हो गई। घर की आर्थिक स्थिति ठीक नही थी। लता को पैसों की बहुत किल्लत झेलनी पड़ी और काफी संघर्ष करना पड़ा। उन्हें अभिनय बहुत पसंद नहीं था लेकिन पिता की असामयिक मृत्यु की कारण से पैसों के लिये उन्हें कुछ हिन्दी और मराठी फिल्मों में काम करना पड़ा। अभिनेत्री के रूप में उनकी पहली फिल्म पाहिली मंगलागौर (1942) रही, जिसमें उन्होंने स्नेह प्रभा प्रधान की छोटी बहन की भूमिका निभाई थी। बाद में उन्होंने कई फ़िल्मों में अभिनय किया जिनमें, माझे बाल, चिमुकला संसार (1943)) , गजभाऊ , बड़ी माँ , जीवन यात्रा , माँद , छत्रपति शिवाजी (1952) शामिल थी। इन दस सालों में अभिनय के बाद भी गायिकी के मन में दबी आवाज अंकुरित होती रही और सन् 1947 में वसंत जोगलेकर ने अपनी फ़िल्म आपकी सेवा में लता को गाने का

मौका दिया। इस फ़िल्म के गानों से लता की खूब चर्चा हुई। इसके बाद लता ने मज़बूर फ़िल्म के गानों ÷अंग्रेजी छोरा चला गया÷ और ÷दिल मेरा तोड़ा हाय मुझे कहीं का न छोड़ा तेरे प्यार ने÷ जैसे गानों से अपनी स्थिती सुदृढ की। हालाँकि इसके बावजूद लता को उस खास हिट की अभी भी तलाश थी। 1949 में बनी फ़िल्म ÷महल÷ के गीत ÷आयेगा आनेवाला÷ से काफी शोहरत मिली। इस गीत को उस समय की सबसे खूबसूरत और चर्चित अभिनेत्री मधुबाला पर फ़िल्माया गया था। यह फ़िल्म अत्यंत सफल रही थी और लता तथा मधुवाला दोनों के लिये बहुत शुभ साबित हुई। इसके बाद लता ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। लता जी 30 भाषाओं में. 30000 से अधिक. फिल्मी और गैर फिल्मी गीत गा चुकी है। सन 1974 में दुनिया में सबसे अधिक गीत गाने का गिनीज़ बुक रिकॉर्ड भी इनके नाम है। उन्हे महाराष्ट्र सहित कई राज्य सरकारे एवं केन्द्र सरकार भी सम्मानित कर चुकी है। इनके गाये हुए गीतो का भारत के साथ-साथ पूरी दुनिया दीवाना है। ऐसी महान हस्ती विड़ले ही चमन की शोभा बढ़ाने आती है। इन्होंने अंतिम सांस 6 फरवरी 2022 को ली फिर भी संगीत प्रेमियों के दिलों में आज भी जिंदा है।

पुरस्कार इनके जिंदा रहते हुए इनके नाम पर दी जाती थी । इन्हें 6 बार फिल्म फेयर पुरस्कार (1958, 1962, 1965, 1969, 1993 और 1994), तीन बार राष्ट्रीय पुरस्कार (1972, 1975 और 1990), 1969 में पद्म भूषण,1989 में दादा साहब फाल्के पुरस्कार, 1999 - पद्म विभूषण तथा 2001 में भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया। इनके जयंती पर इस बार अयोध्या में लता मंगेशकर चौक का वर्चुअल अनावरण माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी इनके जन्म दिन पर 28 सितंबर को करेंगे। इस चौक संवारा जा रहा है और एक बहुत बड़ा वीणा भी लगायी जा रही है जो दर्शकों के आकर्षण का केन्द्र बनते जा रहा है।

नफरत है अंधा-मूर्ख बनाने का केमिकल

सोचें, ब्रिटेन में बसे हिंदुओं पर! कहते हैं और मैं भी मानता रहा हूं कि एनआरआई हिंदू पढ़े-लिखे-बुद्धिमान और पुरुषार्थी हैं। समझदार व सभ्य इंसान हैं। वे हम सनातनियों की शान हैं। इसलिए जब ब्रिटेन में कंजरवेटिव पार्टी ने ऋषि सुनक को प्रधानमंत्री बनाने पर विचार किया तो मुझे वह सनातनी धर्म की काबलियत, हिंदू क्षमता, हिंदू गौरव की बानगी लगी। यह सत्य है कि ब्रिटेन, अमेरिका और कनाडा जैसे कई देशों में भारतीय मूल के लोग अपनी काबलियत, बुद्धि, खुले-उदार दिमाग से वहां महापंडित बने हैं। कई लोग उन देशों की सत्ता में हैं। मंत्री और अफसर हैं। मतलब सनातनी हिंदू मेधा के सच्चे प्रतिनिधि, कौम व सभ्यता के गौरव।

लेकिन आठ साल के मोदी राज की छाया उन देशों में भी जा पहुंची। नफरत से पैदा हुए देशी लंगूर और टीवी चैनलों व सोशल मीडिया के भगवाई रंग-रूप के जादू ने इन एनआरआई हिंदुओं की बुद्धि का भी हरण कर लिया। उन्हें गंवार, मूर्ख और बुद्धिहीन बना डाला।

तभी मेड इन इंडिया के नए नफरती केमिकल का कमाल देखिए जो ब्रिटेन के लिस्टर शहर के हिंदुओं ने दुबई में हो रहे क्रिकेट मैच को देखा तो उनका 'हनुमानत्व' ऐसा जागा कि सड़कों पर जय श्रीराम के नारा लगाने लगे। जैसे तिरंगा यात्रा आदि के मोदी-शाह के आह्वान में भारत में होता है और मुस्लिम बस्ती में जा कर पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगते हैं तो हिंदू बहुल लिस्टर के हिंदू, मुस्लिम इलाके में जय राम के नारों से अपना 'हनुमानत्व' दिखाने लगे। मुसलमान भी घर से बाहर निकल पड़े और उनका जवाबी नारा और अल्ला हू अकबर से प्रतिवाद!

तो नोट करने वाली पहली बात, जो दिमाग को अंधा और मूर्ख बनाने का भारत केमिकल ब्रिटेन के हिंदुओं की खोपड़ी में जा पैठा। यह अनहोनी और सत्यानाशी बात है। इससे अब विकसित, सभ्य, लोकतांत्रिक देशों में हिंदुओं के लंगूर रूप पर वॉच होगी। हिंदू और हिंदू की राजनीतिक सोच की बदनामी फैलेगी। हम और आप अनुमान नहीं लगा सकते हैं कि ब्रिटेन के गोरे बहुल सभ्य समाज में लिस्टर की सड़क पर जय श्रीराम के नारों और उसकी क्रिया-प्रतिक्रिया का कैसा प्रभाव हुआ होगा या आगे बनेगा। ऋषि सुनक से लेकर वहां के तमाम हिंदू मंत्री और नेता सभी की राजनीति पर ग्रहण लग गया है। यही स्थिति कनाडा और अमेरिका के एनआरआई हिंदुओं की बनती हुई है।

तो नफरत के हिंदू केमिकल का परिणाम ठेठ ब्रितानी हिंदुओं के दिमाग में भी। इसका परिणाम? हिंदू बुरी तरह पीटे। उस समाज में जलालत तो पाकिस्तानियों, मुसलमानों के लिए मौका। यह एक गहरी बात है। इसे उस राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ को खास तौर पर जानना चाहिए, जिसके प्रमुख मोहन भागवत डींग मारते हैं कि उनका संगठन तीन दिन में स्वंयसेवकों की सेना खड़ी कर देगा। सोचें, ऐसी डींग से भविष्य में क्या होगा? कथित सेना वैसी ही भागी और पीटी हुई होंगी, जैसे लिस्टर में अपनी बहुलता के इलाके में भी हिंदू पीटे हैं। हां, इतने पीटे कि भारत के उच्चायुक्त को वहां बयान देना पड़ा। और विश्व हिंदू परिषद ब्रितानी प्रधानमंत्री से अपील करते हुए है।

बुनियादी सवाल है कि नफरत का भारत राष्ट्र धर्म भला ब्रितानी एनआरआई हिंदुओं की बुद्धि को भी कैसे भ्रष्ट कर गया? उन्हें कैसे अंधा और लंगूर बना गया?

अपनी दलील है कि मोदी ने इतिहास की ग्रंथि पर भक्ति और अंधविश्वास का जो अमृत हिंदुओं को चखाया है तो वह पूरी हिंदू सभ्यता को करप्ट व अंधविश्वासी बनाते हुए है। ब्रिटेन, कनाडा, अमेरिका के हिंदू भला कैसे प्रभाव से बचे रहते? संभव ही नहीं जो विदेश में स्वदेश के जादूगर नरेंद्र मोदी और उनके रंग में रंगे भारत राष्ट का नफरत का संकल्प उनके दिमाग में न पैठे। वे सड़क पर नहीं उतरें। लिस्टर के हिंदुओं में गुजराती खासे हैं। इसलिए उनका भी यह कर्तव्य पथ है जो वे ब्रिटेन में अमित शाह के पानीपत की तीसरी लड़ाई का डेमो कर दिखाएं।

तभी लिस्टर में जो हुआ वह भविष्य के भारत का डेमो है। आप नहीं मानते। मत मानिए। वक्त का इंतजार कीजिए।

-हरिशंकर व्यास-

मेरी बिटिया

वीना आडवाणी तन्वी
नागपुर,महाराष्ट्र

मुस्कुराहट तेरी मुझे है भाती
तेरी मुस्कुराहट पर वारी जाती
एक मुस्कान के लिए तेरी मैं
भिन्न-भिन्न तरीके से रास रचाती।।
नन्हे हाथों की छुअन गुदगुदाती
चुम्बन ले तेरा सीने से मैं लगाती
दुआओं से झोली तेरी भर जाती
तुझे पाकर ही मैं सम्पूर्ण कहलाती।।
तेरे नन्हें क़दमों की आहट भाती
पायलिया का शोर रस बरसाती
मेरी बिटिया रानी तू खेल सताती
गिरे जो तू तेरी चोट मुझे रूलाती।।
तुझे पा खुद को भाग्यशाली बताती
मां बन हर अनुभव का आनंद उठाती
बिटिया मेरी जब तू तुतला मां बुलाती
ममता भरी मोहब्बत तुझ पर लुटाती

माता आने वाली है

चन्द्रकांत खुंटे क्रांति
जाँजगीर-चांपा छत्तीसगढ़

सुबह-सुबह गृहस्वामी ने कहा!
निज गृह माता आने वाली है
जो-जो सोची हो तैयारी कर लो
अपार खुशियाँ लाने वाली है।
उन्ही के असीम अनुकंपा से
दुनिया में मेरा जन्म हुआ है
लालन-पालन संग भरण-पोषण
जिनके कारण जीवन धन्य हुआ है।
उन्ही से पद-प्रतिष्ठा मान-सम्मान
शिक्षा-दीक्षा में भी आशीर्वाद है।
हम सबकी चेहरे की मुस्कान
धन-संपत्ति और जमीन-जायदाद है।
भार्या सुनते ही प्रफुल्लित हो गयी
कुछ पल के लिए ख्वाबों में खो गयी।
साज श्रृंगार कर स्वागत की तैयारी
हो रही
नूतन-नूतन वस्त्रों की खरीददारी हो रही।
प्रभात बेला में आरती थाल सज रही
सोलह श्रृंगार में धरणी खूब जच रही।
हाथों में अस्त्र लिए द्वार माता आ गयी
जिसे देख आँखें लाल चेहरा
तमतमा गयी।
साक्षात माँ के लिए घृणा का भाव है
परोक्ष के लिए व्रत पकवान लगाव है।।

कैसे भरूँ

गरिमा राकेश गौत्तम गर्विता
कोटा राजस्थान

रात चाँदनी है तो क्या करूँ,
जीवन में चाँदनी कैसे भरूँ।
सृष्टि फूलों से भरी तो क्या करूँ,
जीवन में महक कैसे भरूँ।
सितारे गगन में अनगिनत हैं तो क्या
करूँ।
जीवन में अपने सितारे कैसे भरूँ।
दुनिया बड़ी रंगीन हैं तो क्या करूँ
तेरे प्रेम का रंग मैं कैसे भरूँ।
जीवन एक फूल है, प्रेम उसकी सुगंध
आपका हाथ सर पर, फिर काहे का गम।

दुर्गा मात हमारी है

प्रीति चौधरी मनोरमा
बुलंदशहर
उत्तरप्रदेश

अंबे माँ है अपनी जननी,
करती शेर सवारी है।
हम हैं माता तेरे बालक,
दुर्गा मात हमारी है।
आकर हमको दे दो दर्शन,
अब यह मन है घबराता।
तेरी महिमा गाकर मैया,
मन सुख से यह भर जाता।।
सबको जीवन देने वाली,
तन-मन तुझपर वारी है।
हम हैं माता तेरे बालक,
दुर्गा मात हमारी है।।
जीवन की नीरव हैं राहें,
दीपक बनकर तुम जलतीं।
ऊषा बनकर आतीं निशिदिन,
रजनी बनकर हो ढलतीं।।
तुमने ही जीवन की नौका,
भव से पार उतारी है।
हम हैं माता बालक तेरे,
दुर्गा मात हमारी है।।
गाते गीत सुहाने मिलकर,
तुम विपदा हरने वाली।
कर देतीं तुम पूनम जैसी,
रातें जब आतीं काली।।
सुन लो हे ममता की मूरत ,
मन तेरा आभारी है।
हम हैं माता बालक तेरे,
दुर्गा मात हमारी है।।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

जेसीबी लगाकर पुलिस अधिकारियों ने दो मंदिरों को किया ध्वस्त

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,27 सितम्बर 2022(घटती-घटना)। मैनपाट के बरिमा स्थित पुलिस प्रशिक्षण केंद्र में भारत माता व छत्तीसगढ़ महतारी के मंदिर का निर्माण किया गया था। यह क्षेत्र के लोगों के लिए भी आस्था का केंद्र बना हुआ था। मंगलवार की दोपहर जेसीबी लगाकर पुलिस अधिकारियों द्वारा दोनों मंदिरों को ध्वस्त कर दिया गया। इसका वीडियो जब सोशल मीडिया पर वायरल होने लगा तो स्थानीय लोगों को जानकारी हुई। इसके बाद सभी एकजुट होकर पुलिस प्रशिक्षण केंद्र पहुंचे और नारेबाजी कर विरोध जताया। उन्होंने एक लिखित शिकायत पर आईजी के नाम सौंपकर ऐसा कृत्य करने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है। गौरतलब है कि 2 वर्ष पूर्व सरगुजा के तत्कालीन आईजी रतनलाल डांगी द्वारा पुलिस ट्रेनिंग सेंटर मैनपाट में भारत माता के मंदिर का उद्घाटन किया गया था। वहीं छत्तीसगढ़ शासन द्वारा हर संस्था में छत्तीसगढ़ महतारी की मूर्ति या फोटो लगाए जाने के निर्देश के बाद यहां छत्तीसगढ़ महतारी की मूर्ति भी स्थापित की गई थी। मंगलवार की दोपहर करीब 12.30 बजे यहां पदस्थ पुलिस अधिकारियों द्वारा दोनों मंदिर को जेसीबी लगाकर ध्वस्त कर दिया गया। इसकी जानकारी लगते ही स्थानीय नागरिकों व हिंदू संगठन के लोगों ने विरोध शुरु कर दिया। उन्होंने पुलिस ट्रेनिंग सेंटर के बाहर सड़क पर बैठकर नारेबाजी की और मंदिरों को तोडने़ वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। इधर पुलिस अधिकारियों द्वारा यह बात कही जा रही है कि वे दूसरी जगह मंदिर बनवाएंगे। स्थानीय नागरिकों ने एक शिकायत पत्र आईजी के नाम सौंपकर दोषी पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में उन्होंने बताया है कि तत्कालीन आईजी रतनलाल डांगी द्वारा उद्घाटन किए गए भारत माता व छत्तीसगढ़ महतारी के मंदिर को पुलिस ट्रेनिंग सेंटर के पुलिस अधीक्षक राजकुमार मिंज, उप पुलिस अधीक्षक रेमिजुइस तिग्गा व निरीक्षक सुरेश कुमार भगत द्वारा जेसीबी लगाकर तुड़वा दिया गया। पीटीएस मैनपाट मंदिरों को तोड़े जाने से वे खुद को अपमानित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने बताया है कि एक तरफ छत्तीसगढ़ शासन द्वारा जहां सभी शासकीय कार्यालयों में भारत माता व छत्तीसगढ़ महतारी की फोटो लगाने आदेशित किया गया है, वहीं दूसरी तरफ इन पुलिस अधिकारियों द्वारा दोनों माताओं के मंदिरों को ध्वस्त किया गया। उन्होंने मामले में पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

मैनपाट पीटीएस में मंदिर तोड़े जाने पर भाजपा ने की कार्यवाही की मांग

मैनपाट पुलिस ट्रेनिंग स्कूल में स्थित भारत माता एवं छत्तीसगढ़ महतारी के लोकप्रिय मंदिर को पीपीएस अधिकारियों द्वारा तोड़े जाने के विरोध में भाजपा प्रतिनिधि मंडल ने पुलिस महानिरीक्षक को ज्ञापन सौंपकर कार्यवाही की मांग की।
भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने आई जी सरगुजा से चर्चा करते हुए इस घटना पर चिंता व्यक्त किया तथा दोषी पुलिस अधिकारियों पर कठोर कार्यवाही की मांग की। भाजपा प्रवता ने कहा कि इस घटना से देशवासियों तथा देशभक्तों को गहरी पीड़ा पहुंची है, पीटीएस के दोषी अधिकारी एवं कर्मचारियों पर देशद्रोह की धारा के तहत कार्यवाही की जानी चाहिए।
इस अवसर पर भाजपा वरिष्ठ नेता अनिल सिंह मेजर, प्रदेश प्रवक्ता अनुराग सिंह देव, पूर्व ओबीसी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सोनी, नगर निगम नेता प्रतिपक्ष प्रबोध मिंज, भाजपा कार्यसमिति सदस्य भारत सिंह सिसोदिया, भाजपा जिला महामंत्री अभिमन्यु गुप्ता एवं देवनाथ सिंह पैकरा, संतोष दास, रूपेश दुबे एवं सर्वेश तिवारी प्रतिनिधि मंडल में शामिल रहे।

खदान के लिए पेड़ों की बेतहाशा कटाई,एक दिन में काट डाले हजारों पेड़

पुलिस वन और अन्य विभाग के अधिकारी कर्मचारी है शामिल

संवाददाता-
उदयपुर,27 सितम्बर 2022(घटती-घटना)। जंगल में पेड़ों की बेतहाशा कटाई मंगलवार की सुबह लगभग 6 बजे से जारी है। प्रशासनिक अधिकारियों की तथा सैकड़ों पुलिस बल की मौजूदगी में सैकड़ों साल पुराने पेड़ों को कोल खदान के नाम से काटा जा रहा है। सरगुजा जिले के उदयपुर वन परिक्षेत्र में पेंड्रामार घाटबर्रा जंगल जाने वाले हर रास्ते पर पुलिस बल तैनात है किसी को अंदर जाने नहीं दिया जा रहा है। पेट्रोल से चलने वाली इलेक्ट्रिक आरा मशीन से पेड़ों की कटाई बदस्तूर जारी है।
जहा कल तक हरे भरे विशालकाय पेड़ व जंगल नजर आ रहे थे वह अब ठूंठ में तब्दील हो रहे हैं और जंगल वीरान नजर आ रहे है।
कल तक किसी को कानों कान खबर तक नहीं थी घाटबर्रा पेंड्रामार के जंगल में कटाई होगी अन्य दिनों की तरह पूरा दिन सामान्य तरीके से बिता रात होते ही जंगल पुलिस बल की मौजूदगी में पूरी छावनी में तब्दील हो गया।
पेंड्रामार जंगल जाने वाले हर उस रास्ते पर दर्जनों की संख्या में पुलिस बल लगा दिया गया ताकि लोग अंदर ना जा सके। हरिहरपुर, फतेहपुर, घाटबर्रा, परसा, साल्ही आदि ग्रामों में पुलिस बल तैनात कर दिया गया।
कलेक्टर, एस पी तथा जिले के अन्य वरिष्ठ अधिकारी खदान से लेकर स्थानीय विश्राम गृह तक पेड़ों को कटवाने सक्रिय नजर आए। हसदेव अरण्य बचाओ संघर्ष समिति के लोगों को तो हिरासत में लिया ही गया खदान का विरोध करने वाले कई लोगों को हिरासत में लेकर थानों में बैठाया गया। जिन लोगों को हिरासत में लिया गया उनमें उमेश्वर आर्मो सरपंच पतरिया डांड,जगरनाथ बड़ा ग्राम पुटा जयनंदन सिंह सरपंच ग्राम घाटबर्रा राम सिंह मरकाम, श्रीपाल सिंह सरपंच बासन, ठाकुर राम, कांति बाई, श्यामलाल, आनंद कुसरो, दिल हरण, श्यामपति, हरिप्रसाद मान कुंवर शामिल है ।

विवाद पर पति ने पत्नी को बेदम पीटा,मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,27 सितम्बर 2022(घटती-घटना)। विवाद पर पति ने पत्नी की लाठी डंडे से बेदम पिटाई कर दी थी। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार अनारकली पति देवकुमार गोड़ उम्र 30 वर्ष प्रतापपुर थाना क्षेत्र के ग्राम कोड़ाकुपारा की रहने वाली थी। 19 सितंबर को पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ था। पति ने लाठी डंडे से बेदम पिटाई कर दी थी। इससे महिला गंभीर रूप से जख्मी हो गई थी। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

श्रद्धा एवं भक्ति के साथ प्रारंभ की गई मां समलेश्वरी की पूजा अर्चना

-संवाददाता-
प्रतापपुर ,27 सितम्बर 2022(घटती-घटना)। नगर में माता के भक्तों द्वारा मां दुर्गा की मंदिरों एवं दुर्गा पंडालों में कलश स्थापना के साथ शारदीय नवरात्र की पूजा श्रद्धा एवं भक्ति के साथ प्रारंभ की गई मां समलेश्वरी मंदिर ट्रस्ट द्वारा नगर के इतिहास देवी मंदिरों में नवयुवक दुर्गा पूजा समिति बस स्टैंड द्वारा दुर्गा पंडाल में विद्युत सब स्टेशन के पास दुर्गा मंदिर एवं गौरी मंदिर कोरमा में नवरात्रि के अवसर पर विशेष पूजा अर्चना की जा रही है। नगर के ऐतिहासिक शक्ति स्थल मा समलेश्वरी मंदिर में पंडित सीताराम दुबे एवं अन्य विद्वान ब्राह्मणों द्वारा नवरात्रि के अवसर पर दुर्गा पाठ एवं माता की विशेष पूजा की जाती है मां समलेश्वरी मंदिर ट्रस्ट द्वारा मां समलेश्वरी मंदिर मां महामाया मंदिर मां महाकाली मंदिर मां हिंगलाज मंदिर एवं माता शीतला मंदिर में नवरात्रि के अवसर पर विशेष पूजा अर्चना कराई जाती है मां समलेश्वरी मंदिर के मनोकामना दीप भवन में इस वर्ष सरसों तेल तिल तेल एवं घृत से ज्योत प्रज्वलित किए जाने की व्यवस्था की गई है इस वर्ष श्रद्धालु भक्तों द्वारा 200 मनोकामना जो ज्योत प्रज्वलित कराए गए हैं। मां दुर्गा पूजा समिति बस स्टैंड द्वारा नगर के बस स्टैंड परिसर में दुर्गा पंडाल में मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित कर प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी मां दुर्गा की पूजा की जा रही है समिति द्वारा नवरात्रि के नव दिन नियमित दुर्गा पाठ हवन एवं भंडारा जाता है भंडारा में 9 दिन मित्र नवीन अलग-अलग मां दुर्गा की सेवा में भक्तों द्वारा लगाया जाता है रात्रि में मां दुर्गा पंडाल में भजन जागरण बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं भव्य गरबा का आयोजन किया जाता है नगर एवं आसपास के माता के शक्ति स्थलों में भक्तों द्वारा किए जा रहे हैं मांतृशक्ति की उपासना मंदिरों एवं पंडालों में बज रहे माता की सुमधुर भजनों एवं जयकारों से पूरा नगर माता के श्रद्धा एवं भक्ति के अवर्णनीय भक्ति रस में सराबोर है श्रद्धालु भक्तों का मंदिरों दुर्गा पंडालों में दर्शन एवं पूजा अर्चना के लिए कतारें लगी हुई है ।

चोरी की घटना को अंजाम देने वाला आरोपी युवक को पुलिस ने किया गिरफ्तार

-उपेश सिन्हा-
कुसमी ,27 सितम्बर 2022(घटती-घटना)। नगर पंचायत क्षेत्र में चोरी की घटना को अंजाम देने वाला 19 वर्ष का छोटू उर्फ साकिर अंसारी को पुलिस ने किया गिरफ्तार साथ हि चोरी हुई समान को पुलिस ने आरोपी चोर से बरामद भी किया,दरसल कुसमी में हो रही चोरी की घटना से पुलिस भी हैरान थी और बलरामपुर जिले के एसपी मोहित गर्ग एवं एसडीओपी रितेश चौधरी ने चोरी की घटनाओं को लेकर पुलिस के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया था।फिर एसडीओपी के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी सुनिल केरकेट्टा,उपनिरीक्षक कोमल तिग्गा, स.उ.नि.प्रकाश तिर्की,प्रधान आरक्षक दीपक बड़ा ओमप्रकाश पैकरा आरक्षक संजय साहू पुलिस टीम का गठन कर आरोपी की तलाश शुरू की गई और फिर पुलिस टीम को आरोपी को पकड़ने में कामयाबी भी मिल , आरोपी युवक पहले भी चोरी की घटना को अंजाम दे चुका है जमानत पर रिहा था और इस बार फिर से तहसील कार्यालय के समीप बने शासकीय क्वाटरों में 23 सितम्बर की रात चोरी की घटना को अंजाम आरोपी ने दे दिया था चोरी में लैपटॉप दो एलईडी टीवी सहित अन्य समान मिलाकर कुल 71000 रुपये की चोरी किया था, जिसे आरोपी से पुलिस ने बरामद कर लिया है,वही पुलिस ने मार्च माह में बुधन राम शिक्षक के घर से 1लाख 20 हजार के साथ मोबाईल की चोरी की घटना के बारे में भी पुछताछ किया तो आरोपी ने पुलिस के सामने यह बताया कि उसने ही चोरी की घटना को अंजाम दिया था लेकिन सारे पैसे उसने आय्यासी में अम्बिकापुर होते हुये कलकत्ता के सोनाकाछि चला गया जहाँ पर उसने सारे पैसे खर्च कर दिया है।और जब पैसा खत्म हुआ तो फिर से वह कुसमी आकर चोरी की घटना को अंजाम दिया ,पुलिस ने चोरी के घटना के आरोपी साकिर अंसारी उर्फ छोटु को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया ।

पैर बंधे बुजुर्ग महिला का शव तालाब में मिला

-उपेश सिन्हा-
कुसमी ,27 सितम्बर 2022(घटती-घटना)। सामरीपाठ थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम टाटीझरिया गांव के तलाब में एक बुजुर्ग अज्ञात महिला का शव जिसके पैर रस्सी से और शरीर पर करीब 15 किलो के पत्थर बंधे मिले गांव की एक महिला ने तालाब में सबसे पहले देखा फिर गांव के लोगो ने सामरी पाठ पुलिस को घटना की जानकारी दी , पुलिस घटना की खबर पाकर घटना स्थल पहुँचकर जांच में जुट गई है, मृतिका की पहचान के लिये पुलिस आसपास के लोगो से पूछताछ किया गया लेकिन शव की पहचान नही हो सकी है,शव करीब एक हफ्ता पुराना लग रहा है शव में पत्थर और शव के पैर रस्सी से बंधे होने की वजह से प्रथम द्रष्ट्या हत्या की आशंका जताई जा रही है पुलिस शव का पंचनामा तैयार कर विवेचना में जुट गई है साथ ही पुलिस शव की पहचान के लिये सोशल मीडिया के साथ साथ आसपास के क्षेत्रों में लोगो से पूछताछ कर रही है।वही घटना की खबर से आसपास के क्षेत्र में सनसनी फैल गई है ।

मेहंदी लगाओ प्रतियोगिता में बालिकाओं व महिलाओं ने लिया भाग

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,27 सितम्बर 2022(घटती-घटना)। शहर के मणिपुर, दर्रीपारा में अनोखी सोच संस्था द्वारा मां दुर्गा की मूर्ति की स्थापना के बाद, दुर्गोत्सव को बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। संस्था के सदस्यों द्वारा प्रतिदिन विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का अयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में दुर्गा प्रांगण में मेहंदी लगाओ प्रतियोगिता का अयोजन किया गया। जिसमें नगर की बालिकाएं व महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। जूनियर वर्ग में शामिल प्रतिभागियों की संख्या 40 से ऊपर रही एवं सीनियर वर्ग में 60 से ऊपर प्रतिभागियों ने इस अयोजन में हिस्सा लिया। कार्यक्रम में निर्णायक की भूमिका संध्या सिंह, पूनम शुक्ला एवं स्वेता सिंह ने निभाई और सभी प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया। संस्था के अध्यक्षा सूर्य प्रकाश साहू ने बताया कि प्रति वर्ष दुर्गोत्सव में इस तरह की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं, जिससे बच्चों के रचनात्मक विकास के साथ-साथ उनमें छिपी प्रतिभाओं को भी निखारा जाता है। कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था के सचिव पंकज चौधरी, कोषाध्यक्ष अभय साहू एवं समस्त अनोखी सोच संस्था के सदस्यों का योगदान रहा।

क्षेत्र भ्रमण के दौरान जनपद अध्यक्ष ने किया खिलाड़ियों को खेल सामग्री का वितरण

-संवाददाता-
प्रतापपुर ,27 सितम्बर 2022(घटती-घटना)। प्रतापपुर विकासखंड के युवा जनपद अध्यक्ष जगत लाल आयाम ने अपने जनपद सदस्य क्षेत्र में भ्रमण कर लोगों के समस्याओं से रूबरू हुआ और छत्तीसगढ़ शासन द्वारा चलाए जा रहे जनहित कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ली जनपद अध्यक्ष जगत लाल आयाम ने कहा कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल गड़बो नवा छत्तीसगढ़ के तर्ज पर छत्तीसगढ़ में चहुंमुखी विकास कर रहे हैं ग्रामीणों को इसका लाभ मिल रहा है कि नहीं इसी का जायजा लिया जा रहा है सरकार ने निर्णय किया है कि 1 नवंबर से धान खरीदी प्रारंभ की जाएगी ग्रामीण क्षेत्रों में राजीव युवा मितान क्लबों का गठन कर ग्रामीण क्षेत्रों में खेलों को और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने का काम कर रहा है ग्रामीण युवाओं से आह्वान है कि इस योजना का ज्यादा से ज्यादा लाभ लें भ्रमण के दौरान उन्होंने ग्राम की बडवार के युवाओं को अपने सौजन्य से फुटबाल व अन्य सामग्रियों का वितरण कर युवाओं को खेल के प्रति रुचि लेने का आह्वान किया इस दौरान गांव के महबूब आलम मोहम्मद जाबीर पिंटू शकील छोटू अरबाज अजमल साजिद मुस्ताक रंगलाल शमशाद जिया उल हक आजाद मोनू ग्रामीण उपस्थित थे

पार्षद के भाई पर चाकू से हमला,अपराध दर्ज

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,27 सितम्बर 2022(घटती-घटना)। शराब पीने के लिए पैसा नहीं दिया तो नाराज युवक ने पार्षद के भाई पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। इससे पीड़ित गंभीर रूप से जख्मी हो गया। पीड़ित ने इसकी रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराया है। पुलिस आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार शहर के चांदनी चौक मायापुर निवासी ओमप्रकाश बारी 25 सितंबर की रात को घर में था। रात करीब 11.30 बजे मोहल्ले के ही राहुल सिंह ओमपकाश से शराब पीने के लिए पैसे की मांग कर रहा था। मना करने पर गाली गलौज करत हुए ओमप्रकाश पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया और फरार हो गया। थोड़ी देर बार राहुल सिंह ने पीड़ित के भाई पार्षद सतीश बारी के मोबाइल पर फोन कर जान से मारने की धमकी देने की बात सामने आई है। ओमप्रकाश बारी ने घटना की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराया है। पुलिस ने आरोपी राहुल सिंह के खिलाफ धारा 294, 324, 327, 506 व 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

डेंगू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत् अन्तर्विभागीय समीक्षा बैठक सम्पन्न

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,27 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)। कलेक्टर श्री कुंदन कुमार के निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी श्री पी.एस. सिसोदिया के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग के द्वारा राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत् डेंगू नियंत्रण एवं रोकथाम हेतु अन्तर्विभागीय समन्वय समिति की बैठक मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में सोमवार को आयोजित की गई। राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के जिला नोडल अधिकारी डीएमओ श्री राजेश गुप्ता ने बताया की डेंगू वायरस से होने वाली बीमारी है, जिसके नियंत्रण एवं रोकथाम हेतु स्वास्थ्य विभाग के साथ अन्य विभागों की सहभागिता अति आवश्यक है। डेंगू रोग एडिस एजिप्टी नामक मच्छर के द्वारा फैलता है। यह मच्छर दिन के समय काटती है तथा रूके हुये साफ पानी में अण्डे देती है। इससे बचाव हेतु अपने घर के आस-पास गड्ढे व कूलर, गमले, फ्रिज ट्रे, टायर एवं अनुपयोगी बर्तनों में पानी जमा ना होने दें। निस्तारी योग्य पानी में लार्वीसाइड का उपयोग करें। डेंगू के प्रारम्भिक जांच हेतु जिले के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में आर डी टेस्ट किट द्वारा निशुल्क जांच की जाती है तथा डेंगू प्रकरण की पुष्टि हेतु शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध जिला चिकित्सालय अम्बिकापुर में एलाईजा जांच की सुविधा भी उपलब्ध है।

पहला मैच रहा एकतरफा तो दूसरे मैच में जोरदार की टक्कर

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,27 सितम्बर 2022(घटती-घटना)। शहर के गांधी स्टेडियम में खेले जा रहे फुटबॉल लीग प्रतियोगिता के अंतर्गत मंगलवार का प्रथम मैच रॉक स्टार कर्रा व नाइस फुटबॉल क्लब बलसेड़ी के मध्य खेला गया। जिसमें बलसेड़ी की टीम ने एकतरफा मुकाबले में कर्रा की टीम ने 6-0 से हराया। मैच के प्रथम हाफ में बलसेड़ी की टीम ने 3 गोल किया। मैच के दूसरे हाफ में भी बलसेड़ी की टीम ने बेहतरीन तालमेल के साथ खेलते हुए 3 गोल किए। इस तरह एकतरफा मुकाबले में 6-0 से बलसेड़ी की विजयी हुई। दूसरा मैच न्यू फ्रेन्ड्स क्लब कंचनपुर व जीएल चर्च गोधनपुर के मध्य खेला गया। प्रथम हाफ में दोनों टीमों ने बेहतर तालमेल के साथ खेलते रहे लेकिन गोल करने में सफल नहीं रहे। मैच के दूसरे हाफ में गोधनपुर की टीम ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए अपने टीम के लिए 1 गोल कर बढ़त बना लिया, लेकिन थोड़ी देर बाद ही कंचनपुर की टीम ने बेहतरीन गोल कर टीम को 1-1 गोल की बराबरी पर ला दिया। इस प्रकार मैच बराबरी पर समाप्त हुए। मैच के निर्णायक रवि तिर्की, दिनेश तिर्की, मनोज यादव, विद्या तथा मंगल थे। बुधवार को प्रथम मैच 2.30 बजे ट्राइवल टाइगर फुटबॉल क्लब अंबिकापुर व फुटबॉल क्लब हरिहरपुर के मध्य तथा दूसरा मैच फुटबॉल क्लब बतौली व ब्रदर्स फुटबॉल क्लब रिखी के मध्य खेला जाएगा।

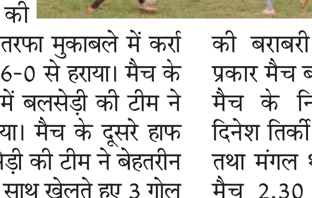

ब्रह्माकुमारीज संस्था द्वारा चैतन्य देवियों का शुभारम्भ

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,27 सितम्बर 2022(घटती-घटना)। शिव शक्ति का आध्यात्मिक, अलौकिक रहस्य को दर्शाते हुये शारदीय नवरात्रि के पुनीत पावन अवसर पर गत वर्षो क भांति इस वर्ष भी प्रजापित ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विष्व विद्यालय द्वारा चोपड़ापारा में जीवंत चैतन्य देवियों का भव्य एवं मनोरम झांकी का आयोजन किया गया। झांकी के प्रथम दिवस अध्यक्ष प्रेस क्लब अम्बिकापुर श्री त्रिलोक कपूर कुशवाहा जी, पूर्व पार्षद एवं कॉन्ट्रेक्टर श्री प्रकाष राय जी, रिटायर्ड इंजीनियर श्री सुरेन्द्र दुबे जी, शासकीय हाई स्कूल बोझा प्रिंसिपल श्री संतोष भारती जी, मेडिकल स्पेषलिस्ट डॉ मंजू शर्मा जी, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी श्रीमती सोमप्रभा भारती जी एवं सरगुजा संभाग की सेवाकेन्द्र संचालिका बी. के. विद्या दीदी एवं ब्रह्माकुमारी भाई- बहनों ने द्वीप प्रज्जवलित कर शुभारम्भ किया।
ध्वनि एवं प्रकाष से सुसज्जित व मधुर संगीत के साथ चैतन्य देवियों की झाँकी हर किसी को अपनी ओर आकर्षित कर रही है। झांकी में सर्वप्रथम ब्रह्माकुमारी निराली छटा लिये सूर्य से निकलती है। तत्पष्चात् क्रमषः दुर्गा, लक्ष्मी, गायत्री, काली, सरस्वती, वैष्णवी एवं उमा सुरम्य पहाडियों से उदित होती है। अध्यक्ष प्रेस क्लब अम्बिकापुर श्री त्रिलोक कपूर कशवाहा जी ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा लगाये गये चैतन्य देवियों की सराहना करते हुये कहा कि ये झांकी काफी वर्षो से लगाया जाता है जिसे देखने के लिये भारी संख्या में लोग आते है तथा ये जीवंत चैतन्य देवियों की झांकी समाज कल्याण के लिये बहुत ही अच्छा संदेश देती है।
इस पावन अवसर पर सरगुजा संभाग की सेवाकेन्द्र संचालिक ब्रह्माकुमारी विद्या दीदी षहर वासियों को नवरात्रि की शुभकामनायें देते हुये कहा कि नवरात्रि में देवियों की पूजा होती है जिनको शिवशक्ति के रूप में पूजा जाता है। जब पूरे संसार में अज्ञानता की कालिमा छा जाती है और मानव काम, क्रोध, लोभ, मोह और अंहकार रूपी विकारों के वषीभूत हो जाते है तथा जाने-अनजाने में गलत कार्य करते है, तो सारे संसार में तमोप्रधानता की स्थिति आ जाती है। तब परमात्मा षिव धरा पर अवतरित होकर स्वयं माताओं एवं बहनों के सिर पर ज्ञान का कलश रखकर इस नारकीय सृष्टि को स्वर्ग बनाते है। यही मातायें- बहनें अपने अंदर की दिव्यता और षक्तियों को जागृत कर तथा देवियों के रूप में हर मनुष्य आत्माओं में सरस्वती बनकर ज्ञान का प्रचार करती है, ज्ञान के द्वारा लोगों के जीवन को आनन्दमय बनाती है, गायत्री बनकर लोगों के मन को हर्षाती है, दुर्गा बनकर लोगों के दुर्गुणों को दूर करती है, वैष्णव बनकर विकारों रूपी विषयों को मिटाती है, लक्ष्मी बनकर ज्ञान धन बरसाती है, उसी का प्रतीक नवरात्रि का पर्व मनाते है।

CMYK

रिजर्व बैंक की मौद्रिक समीक्षा बैठक बुधवार से,रेपो दर में हो सकती है एक और वृद्धि

मुंबई, 27 सितम्बर 2022। उच्च मुद्रास्फीति पर लगाम लगाने के लिए रेपो दर में 0.50 प्रतिशत की एक और वृद्धि की संभावना के बीच भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिन की बैठक बुधवार से शुरू होगी। अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेड रिजर्व समेत अन्य प्रमुख केंद्रीय बैंकों द्वारा ब्याज दरों में वृद्धि के अनुरूप आरबीआई भी रेपो दर में वृद्धि कर सकता है। एमपीसी की सिफारिशों के आधार पर आरबीआई ने जून और अगस्त में रेपो दर में 0.50 प्रतिशत की वृद्धि की थी। इससे पहले मई में केंद्रीय बैंक ने अचानक हुई अपनी बैठक में ब्याज दर को 0.40 प्रतिशत बढ़ा दिया था। रिजर्व बैंक गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता वाली एमपीसी की बैठक 28 से 30 सितंबर को होगी।

दरों पर निर्णय शुक्रवार यानी 30 सितंबर को घोषित किया जाएगा। विषेशज्ञों के अनुसार, केंद्रीय बैंक एक बार फिर प्रमुख नीतिगत दर रेपो को 0.50 प्रतिशत बढ़ाकर तीन साल के उच्चतम स्तर 5.9 प्रतिशत पर कर सकता है। यह वर्तमान में 5.4 प्रतिशत है। आरबीआई ने रेपो दर में मई से लेकर अबतक 1.40 प्रतिशत की वृद्धि की है। बैंक ऑफ बड़ौदा ने एक रिपोर्ट में कहा है कि पिछले सप्ताह फेडरल रिजर्व द्वारा दरों में वृद्धि के बाद विदेशी मुद्रा बाजार में हालिया घटनाक्रमों को देखते हुए इस बार मौद्रिक नीति पर अधिक बारीकी से नजर रखी जाएगी। रिपोर्ट में अनुमान जताया गया है कि आरबीआई आगामी एमपीसी की बैठक में रेपो दर में एक बार फिर 0.50 प्रतिशत की वृद्धि कर सकता है।

गौरतलब है कि सरकार ने आरबीआई को दो प्रतिशत के घट-बढ़ के साथ खुदरा मुद्रास्फीति को चार प्रतिशत पर रखने का लक्ष्य दिया है। एंड्रोमेडा लोन्स के कार्यकारी चेयरमैन वी स्वामीनाथन ने कहा कि अन्य अर्थव्यवस्थाओं में दरों में वृद्धि को देखते हुए आरबीआई के पास दरों में बढ़ोतरी के अलावा कोई विकल्प नहीं है। संपत्ति सलाहकार कंपनी एनारॉक ग्रुप के चेयरमैन अनुज पुरी ने कहा कि दुनिया भर में मुद्रास्फीति के दबाव के साथ कई देशों ने हाल में लगातार ब्याज दरों में बढ़ोतरी की है।

2025 तक 20 अरब डॉलर के आंकड़ें को पार कर सकता डेटा सेंटर में कुल निवेश

नयी दिल्ली, 27 सितम्बर 2022। भारत के डेटा सेंटर (डीसी) बाजार 2025 तक 20 अरब डॉलर के आंकड़ें को पार कर सकता है। संपत्ति सलाहकार सीबीआरई की रिपोर्ट से यह जानकारी मिली है। रिपोर्ट के मुताबिक, निवेशकों की स्थिर आय वाली संपत्ति की अधिक तलाश के चलते बाजार बढ़ेगा। सीबीआरई के अनुसार, देश के डेटा सेंटर बाजार में पिछले पांच साल में 14 अरबडॉलर का निवेश हुआ है। सीबीआरई की मंगलवार को जारी 'भारत में डेटा केंद्र- अधिक डेटा के दौर में रियल एस्टेट को सशक्त बनाना' रिपोर्ट में कहा गया है कि बढ़ते डिजिटलीकरण और नीतिगत प्रोत्साहन के चलते भारत में डेटा केंद्रों

की मांग में वृद्धि हुई है। इसमें कहा गया है कि कोविड-19 महामारी से प्रौद्योगिकी की स्वीकार्यता तेजी से बढ़ी है। महामारी के बाद से डेटा का इस्तेमाल काफी तेजी से बढ़ा है। रिपोर्ट के मुताबिक, हाल ही में सरकार की डीसी को 'बुनियादी ढांचे का दर्जा' देने की घोषणा से बाह्य वाणिज्यिक ऋण मार्ग के माध्यम से हितधारकों के लिए वैश्विक पूंजी तक पहुंच आसान होने की उम्मीद है। 2025 के अंत तक डेटा सेंटर में कुल निवेश 20 अरब डॉलर को पार कर जाने की उम्मीद है। इसका तात्पर्य यह है कि 2025 तक छह अरब डॉलर के और निवेश की उम्मीद है।

ईडी की मनदीप इंडस्ट्रीज के खिलाफ बड़ी कार्रवाई,16 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क की

नई दिल्ली ,27 सितंबर 2022। गुजरात के राजकोट में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनदीप इंटस्ट्रीज के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े एक मामले में 16 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति कुर्क की है।

मनदीप इंडस्ट्रीज गुजरात के राजकोट में आशीष बी. तलाविया, किशोरभाई हरिभाई वैष्णानी, रामजीभाई एच. गजेरा, कल्पेश पी. तलाविया और भावेश तलाविया की पार्टनरशिप कंपनी है।

अधिकारी ने कहा कि कुर्की में कंपनी से जुड़े प्लांट और मशीनरी, फैक्टरी लैंड और बिल्डिंग, रेजिडेंशियल फ्लैट और प्लॉट शामिल हैं। ईडी ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई), मुंबई द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू की। पीएमएलए के तहत जांच के दौरान पता चला कि मनदीप इंडस्ट्रीज ने यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को लोन चुकाने में धोखाधड़ी की, जिससे बैंक को 44.64 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

ईडी की जांच की अनुसार, यह कंपनी यूनियन बैंक ऑफ इंडिया से लोन लेकर कई लाभ उठा रही थी। पैसों को कंपनी के पार्टनर्स के निजी खातों में भी भेजा गया। डायवर्टेड फंड का एक हिस्सा अचल संपत्तियों की खरीद के लिए भी इस्तेमाल किया गया।

उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में सेंसेक्स 38 अंक टूटा,17,007.40 अंक पर हुआ बंद

मुंबई, 27 सितम्बर 2022। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में घरेलू शेयर बाजार में मानक सूचकांक बीएसई-सेंसेक्स और एनएसई-निफ्टी दोनों में मामूली गिरावट रही। धातु, बैंक और वित्तीय शेयरों में नुकसान से सेंसेक्स करीब 38 अंक टूटकर बंद हुआ। कारोबारियों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों के बाजार से पैसा निकालने की वजह से निवेशक सतर्क बने हुए हैं। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 37.70 अंक यानी 0.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ 57,107.52 अंक पर बंद हुआ।

इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 8.90 अंक यानी 0.05 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 17,007.40 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में टाटा स्टील सबसे ज्यादा 2.25 प्रतिशत नुकसान में रहा। इसके अलावा, टाइटन, भारतीय स्टेट बैंक, कोटक बैंक, टेक महिंद्रा, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक तथा एचडएफसी लि. नुकसान में रहे। दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों में पावरग्रिड, इंडसइंड बैंक, डॉ. रेड्डीज, एचसीएल टेक और नेस्ले इंडिया शामिल हैं। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 18 नुकसान में जबकि 12 लाभ में रहे।

एशिया के अन्य बाजारों में हांगकांग का हैंगसेंग, जापान का निक्की और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी लाभ में रहे। यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में मिला-जुला रुख रहा। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.78 प्रतिशत चढ़कर 85.56 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक पूंजी बाजार में शुद्ध बिकवाल रहे। उन्होंने सोमवार को 5,101.30 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे।

स्वदेशी एवीगैस 100 एलएल की शुरुआत,विदेशी मुद्रा की होगी बचत

नयी दिल्ली ,27 सितंबर 2022। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस व आवास और शहरी कार्य मंत्री हरदीप पुरी ने एवीगैस 100 एलएल को शुरू किए जाने के अवसर पर कहा कि हम एक उल्लेखनीय रूपांतरण के दौर से गुजर रहे हैं जो लगभग क्रांतिकारी है। हम जैव ईंधन सम्मिश्रण, हरित हाइड्रोजन और इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देकर आयातित ईंधन पर निर्भरता कम कर रहे हैं। एवीगैस 100 एलएल पिस्टन इंजन विमान और मानव रहित वाहन के लिए विशेष विमानन ईंधन है। वर्तमान में देश इस उत्पाद को यूरोपीय देशों से आयात कर रहा है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान में कहा कि एवीगैस 100 एलएल की शुरुआत को लेकर इस कार्यक्रम का आयोजन इंडियन ऑयल ने हिंडन एयरफोर्स स्टेशन पर किया। इसमें नागरिक उड्डयन व सड़क परिवहन और राजमार्ग राज्य मंत्री जनरल (डॉ.) वी.के. सिंह (सेवानिवृत्त) समेत

भारतीय वायु सेना के वरिष्ठ अधिकारियों, मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों और उड़ान प्रशिक्षण अकादमियों के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। श्री पुरी ने कहा कि भविष्य में पायलट प्रशिक्षण के लिए प्रशिक्षु विमानों में हवाईअड्डों पर यात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी, विमानों व उड़ान प्रशिक्षण अकादमियों (एफटीओ) की संख्या में बढ़ोतरी के साथ एक विकसित विमानन उद्योग की जरूरतों को पूरा करने के लिए स्वदेशी एवीगैस 100 एलएल को शुरू किया जाना महत्वपूर्ण है। जैसा कि भविष्य में भारत में हवाई परिवहन की मांग कई गुना बढने की उम्मीद है, इसे देखते हुए प्रशिक्षित पायलटों की भी भारी मांग होने वाली है।

कोविड-19 जैसा उभर रहा है एक और नया खतरा,चमगादड़ों में पाया गया खोस्ता-2 वायरस जानिए कितना खतरनाक?

पिछले ढ़ाई साल से अधिक समय से दुनियाभर में कोरोना संक्रमण का खतरा लगातार जारी है। तमाम प्रकार की वैक्सीन और बचाव के उपायों के बाद भी अब तक विशेषज्ञ इस नतीजे पर नहीं पहुंच सके हैं कि आखिर यह महामारी कब तक खत्म होगी ? कोविड-19 के खतरे के बीच हालिया रिपोर्ट में शोधकर्ताओं ने इसी के जैसे एक और घातक संक्रमण को लेकर अलर्ट किया है। शोधकर्ताओं ने रूसी चमगादड़ों में खोस्ता-2 नामक एक नए वायरस की पहचान की है, इसकी प्रकृति सार्स-सीओवी-2 वायरस से मिलती जुलती देखी जा रही है। प्रारंभिक शोध के आधार पर वैज्ञानिकों ने पाया है कि यह भी आसानी से मानव कोशिकाओं में प्रवेश करके संक्रमण के जोखिम को बढ़ा सकता है।

जर्नल प्लोस पैथाजन्स की एक रिपोर्ट के अनुसार खोस्ता-2 का दूसरा नाम सरबेको-वायरस है। यह वायरस कोविड-19 के टीकों की प्रतिरक्षा से बचकर संक्रमण का कारण बन सकता है।

प्रमुख वैज्ञानिक माइकल लेटको के नेतृत्व में अन्य वैज्ञानिकों की टीम ने 2020 में रूस के चमगादड़ों से सार्स-सीओवी-2 वायरस के ही समान कोरोनावायरस के एक समूह की पहचान की है। इसमें खोस्ता-1 और खोस्ता-1, दो नए प्रकार के पैथाजन्स पाए गए हैं। खोस्ता-1 को लेकर दावा किया जा रहा है कि यह मानव कोशिकाओं में आसानी से प्रवेश नहीं कर सकता, लेकिन खोस्ता-2 न सिर्फ प्रवेश कर सकता है, साथ ही गंभीर संक्रमण का कारण भी बन सकता है।

कोरोना वायरस से मिलती है खोस्ता-2 की प्रकृति

अध्ययनकर्ताओं की टीम ने पाया कि खोस्ता-2 और कोरोना वायरस की प्रकृति लगभग एक जैसी ही है। खोस्ता-2 भी उसी ACE2 रेस्पिरेटर्स को लक्षित करता है जिसका उपयोग कोरोनावायरस मानव कोशिकाओं में प्रवेश करने के लिए करता रहा है। इसके अलावा, जब वैज्ञानिकों ने खोस्ता-2 पर कोविड-19 के टीकों के प्रभाव को जानने को कोशिश की तो इसमें पाया गया कि यह इसे बेअसर कर सकता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह एक संभावित खतरा हो सकता है, जिसके बारे में अध्ययन किया जा रहा है।

वैक्सीन रेजिस्टेंस है खोस्ता-2

शोध के प्रमुख वैज्ञानिक माइकल लेटको कहते हैं, अब तक के अध्ययनों के परिणाम के आधार पर वैसे तो हम किसी को डराना नहीं चाहते हैं, पर फिलहाल यह पाया गया है कि खोस्ता-2, वैक्सीन रेजिस्टेंस है। यानी कि कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए किया गया टीकाकरण इससे सुरक्षा देने के लिए नाकाफी है।

हालांकि यहां ध्यान देने वाली बात यह भी है कि प्रकृति में पहले से ऐसे अनेकों वायरस घूम रहे हैं जिनमें ये गुण हैं, वे मानव रिसेप्टर्स से जुड़ सकते हैं और वर्तमान वैक्सीन्स उन्हें निष्प्रभावी नहीं कर पा रहे हैं। हम इस वायरस को समझने के शुरुआती चरणों में हैं, आगे इसके बारे में और विस्तार से जानने के लिए अध्ययन किए जा रहे हैं।

खोस्ता-2 वायरस के बारे जानिए

शोधकर्ताओं द्वारा साझा की गई जानकारियों के अनुसार कोरोनावायरस के साथ-साथ इसी परिवार का एक और सदस्य खोस्ता-2 भी देखा गया है। इसके कई माध्यमों से पशुओं से इंसानों में पहुंचने के स्रोत हो सकते हैं, इसे समझने के लिए अध्ययन जारी है। यह कोविड-19 वैक्सीन प्रतिरोधी है, जिसका मतलब है कि उपलब्ध कोविड-19 के टीके खोस्ता-2 वायरस से सुरक्षा प्रदान नहीं कर सकते हैं। इसकी प्रकृति और संक्रामकता काफी हद तक सार्स-सीओवी-2 वायरस से मिलती जुलती है, खास बात यह भी है कि दोनों ही वायरस के स्रोत चमगादड़ ही हैं।

इन बातों को भी जानिए

- खोस्ता-1 और खोस्ता-2 वायरस, साल 2020 के अंत में रूसी चमगादड़ों में खोजे गए थे।
- शोधकर्ताओं का कहना है कि वैसे तो दोनों ही वायरस शुरू में इंसानों के लिए खतरनाक नहीं लग रहे हैं।
- खोस्ता-1 से मनुष्यों के लिए कम जोखिम है, लेकिन खोस्ता-2 की प्रकृति थोड़ी परेशान करने वाली है।
- वैज्ञानिकों ने आशंका जताई है कि खोस्ता-2 का सार्स-सीओवी-2 जैसे वायरस के साथ पुनर्संयोजन का जोखिम भी हो सकता है।

इन सूखे मेवों को भिगोकर खाने से मिलता है अधिक लाभ,क्या आप करते हैं इनका सेवन?

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को आहार में सूखे मेवों को शामिल करने पर विशेष जोर देते हैं। सूखे मेवे कई प्रकार के विटामिन्स और खनिजों का उत्कृष्ट स्रोत माने जाते हैं, जो शरीर को बीमारियों से बचाने और फिट-ऊर्जावान रखने में सहायक हो सकते हैं। अध्ययनों में पाया गया है कि अखरोट और मूंगफली जैसे नट्स में कई ऐसे यौगिक भी होते हैं, जो हृदय की कई गंभीर बीमारियों के जोखिम से आपको सुरक्षित रखने में सहायक हैं।

पर क्या आप जानते हैं कि कुछ मेवों को भिगोकर खाने से अधिक लाभ प्राप्त किया जा सकता है? विशेषकर इन मेवों को रात में भिगोकर सुबह खाली पेट खाने से शरीर को कई प्रकार के लाभ हो सकते हैं।

अध्ययनकर्ताओं ने पाया कि कुछ मेवों को भिगोकर खाने से उनकी पौष्टिकता बढ़ जाती है। किशमिश और बादाम आदि को भिगोकर खाना ज्यादा लाभकारी माना जाता है। विशेषकर बच्चों को भीगे हुए बादाम जरूर खिलाने की सलाह दी जाती है, यह उनकी बौद्धिक क्षमता को बढ़ाने और विकास के लिए काफी मददगार पाया गया है। आइए जानते हैं कि किन मेवों को भिगोकर खाना ज्यादा लाभकारी माना जाता है और इससे शरीर को किस प्रकार के लाभ मिल सकते हैं?

नट्स को भिगोकर सेवन के लाभ

अध्ययन में शोधकर्ताओं ने पाया कि नट्स को भिगोकर खाने से उसकी पौष्टिकता को बढ़ाने में मदद मिल सकती है। नट्स के सीड कवर में फाइटेट और ऑक्सालेट होते हैं, जो पोषक तत्वों के अवशोषण, विशेष रूप से विटामिन-बी को ठीक से अवशोषित होने से रोक सकते हैं। भिगोने से इन फाइटेट्स के प्रभाव को कम करने में मदद मिलती है और नट्स को पचाने में भी आसानी होती है। नट्स को भिगोने से इसमें मौजूद प्रोटीन भी आसानी से पच जाता है। आइए जानते हैं कि किन मेवों को भिगोकर खाना ज्यादा लाभकारी माना जाता है।

अंजीर का भिगोकर करें सेवन

अंजीर अपनी कम कैलोरी और उच्च फाइबर वाली पोषकता के लिए काफी लाभकारी माने जाते रहे हैं। रात भर पानी में भिगोकर सुबह खाली पेट इनका सेवन करना त्वचा, बालों, रक्तचाप और पाचन के लिए विशेष लाभदायक माना जाता है। अंजीर में महत्वपूर्ण मात्रा में विटामिन बी 6 होता है, ऐसे में गर्भावस्था के दौरान इसका सेवन करना आपको मॉर्निंग सिकनेस से बचाने और भ्रूण की सेहत को बेहतर बनाए रखने में मदद कर सकता है। अंजीर में ओमेगा-3 फैटी एसिड भी प्रचुर मात्रा में होता है, जो भ्रूण के स्वस्थ विकास के लिए महत्वपूर्ण है।

भीगे हुए बादाम के लाभ

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, ऐसे कई कारण हैं जिसकी वजह से लोगों को कच्चे बादाम के बजाय भीगे हुए बादाम खाने की सलाह दी जाती है। भीगे बादाम को चबाने और पचाने में आसानी होती है और बादाम को रातभर भिगाने के बाद से इसमें से लाइपेस रिलीज होता है जो पाचन की प्रक्रिया में सहायता करता है। यह एंजाइम मेटाबॉलिज्म को ठीक रखने के साथ वजन को कम करने में भी आपके लिए सहायक है। भीगे बादाम को बौद्धिक विकास को बढ़ावा देने में भी काफी लाभकारी माना जाता है।

भीगे हुए किशमिश का सेवन

किशमिश को भी स्वास्थ्य विशेषज्ञ भिगोकर खाने की सलाह देते हैं। रातभर पानी में भिगाने के बाद सुबह किशमिश का सेवन कब्ज को दूर करने, मल त्याग को सुचारू रखने और शरीर से अपशिष्ट उत्पादों और विषाक्त पदार्थों को बाहर करने में मदद करता है। किशमिश को इंफ्लामेशन, एसिड रिफ्लक्स और पेट फूलने जैसी समस्याओं में भी फायदेमंद पाया गया। भीगे हुए किशमिश के साथ इसका पानी पीना भी लाभकारी माना जाता है।

शरीर की आतंरिक और बाहरी,दोनों फिटनेस के लिए चक्रासन योग है कारगर

शारीरिक फिटनेस को बेहतर बनाए रखने के लिए स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को नियमित रूप से योगाभ्यास करने की सलाह देते हैं। योगासनों की आदत बनाकर मानसिक और शारीरिक दोनों तरह की सेहत को बेहतर बनाए रखने में मदद मिल सकती है। योग विशेषज्ञ बताते हैं, दिनचर्या में चक्रासन योग को शामिल करना बेहतर विकल्प हो सकता है, उर्ध्व धनुरासन के नाम से भी जाने जाने वाले इस योग के अभ्यास की आदत से शरीर के लचीलेपन को बढ़ाने और हृदय-फेफड़े जैसे अंगों के कार्य में सुधार करने में मदद मिल सकती है। वैसे तो उस योग के अभ्यास की आदत अपेक्षाकृत कठिन मानी जाती है, हालांकि यह संपूर्ण शरीर के लिए विशेष लाभकारी आसन हो सकती है।

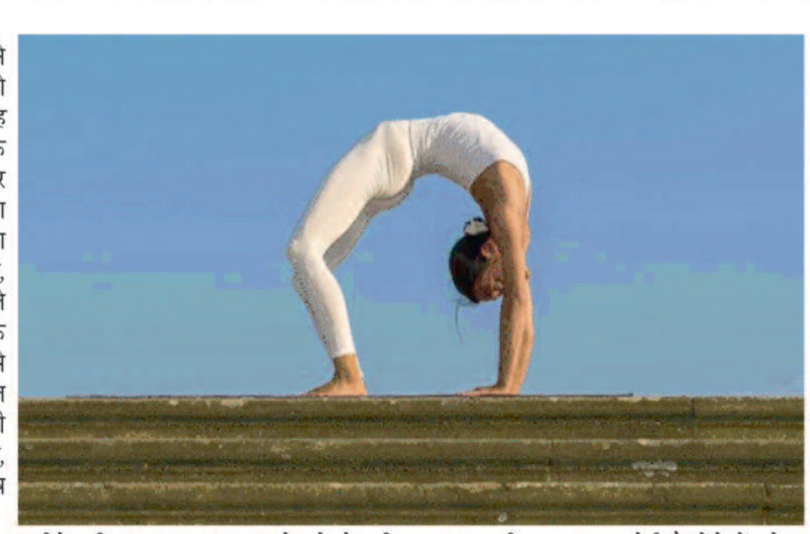

योग विशषज्ञ बताते हैं, चक्रासन योग आतंरिक और बाहरी दोनों तरह से शारीरिक फिटनेस को बेहतर बनाए रखने में मदद कर सकती है। अंगों की सेहत को बढ़ाने के साथ बाहरी रूप से कई प्रकार के दर्द और मांसपेशियों की ताकत में सुधार करने में भी इस योग के नियमित अभ्यास के लाभ हो सकते हैं। आइए जानते हैं कि चक्रासन योग का अभ्यास कैसे किया जाता है और इससे किस प्रकार के लाभ हो सकते हैं?

चक्रासन योग कैसे किया जाता है?

चक्रासन योग को करने के लिए शरीर को पीछे की तरफ इस प्रकार से मोड़ने की आवश्यकता होती है जिससे कि पूरा शरीर एक चक्र के आकार का हो जाए। इस योग को करने के लिए पीठ के बल लेटें। अपने घुटनों को मोड़ें, उंगलियों को अपने कंधों के सामने रखते हुए अपने हाथों को अपने कंधों के ठीक ऊपर फर्श पर रखें। पैरों और हाथों को सीधा रखते हुए पीठ, कमर और छाती को ऊपर की ओर उठाएं। सिर को एकदम आराम से छोड़ दें और लंबी सांस लें। इस अवस्था में कुछ समय के लिए बने रहें और फिर पूर्ववत स्थिति में आ जाएं। ध्यान रहे इस योग में उच्चस्तरीय अभ्यास की आवश्यकता होती है, ऐसे में इसे किसी प्रशिक्षक की निगरानी में ही करें।

चक्रासन योग करने से क्या लाभ होता है?

चक्रासन योग शारीरिक और मानसिक दोनों प्रकार की सेहत को बेहतर बनाने के साथ शरीर के आंतरिक और वाह्य स्वास्थ्य के लिए काफी लाभकारी माना जाता है।

इस योग के अभ्यास से फेफड़ों का विस्तार होता है जिससे शरीर को ऑक्सीजन आसानी से प्राप्त करने में मदद मिल सकती है।

विशेष रूप से अस्थमा जैसे सांस के रोगियों के लिए इस योग के अभ्यास से लाभ मिल सकता है

तनाव और चिंता को कम करके मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में यह अभ्यास मदद करता है।

आंखों की रोशनी तेज करने में इस अभ्यास से लाभ मिल सकती है।

यह आसन रीढ़ की हड्डी की लचीला और मजबूत बनाता है।

शरीर में रक्त परिसंचरण में सुधार करने में इस योग के लाभ हैं।

शारीरिक सहनशक्ति और ताकत को बढ़ाने में भी इस योग से लाभ मिलता है।

चक्रासन योग की सावधानियां

रीढ़ की हड्डी या पीठ दर्द वाले लोगों को इस योग को न करने की सलाह दी जाती है। इसके अलावा चक्रासन योग आपकी कलाइयों पर भी काफी दबाव डालता है, इसलिए अगर आपकी कलाई कमजोर है तो भी आपको यह योगासन नहीं करना चाहिए। गर्भवती महिलाओं इस आसन को करने से बचना चाहिए। इस योग के लिए विशेष प्रशिक्षण का आवश्यकता होती है ऐसे में किसी विशेषज्ञ से इस बारे में जानकारी लेने और उनकी निगरानी में ही इसके अभ्यास को करने की सलाह दी जाती है।

सारथियों से बिगड़ता सामंजस्य विधायक नंबर 1 की डूबा सकता है लुटिया ?

» विधायक नंबर 1 का भरोसा सिर्फ अब अपने एक सारथी पर और उस सारथी की वजह से बाकी सारथियों से बढ़ रही विधायक की दूरी

» क्या दूसरे विधानसभा के निज सहायक विधायक न. 1 को दिलाएंगे जीत ?

» विधायक नंबर 1 को जीत मिलेगी स्थानीय व जमीनी कार्यकर्ताओं से या फिर कमाऊ पुत्र निज सहायक से

» निज सहायक हैं केवल अपना ही काम कराने में माहिर

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 27 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।
अविभाजित कोरिया जिले के तीनों विधानसभा में यदि सबसे अच्छा मैनेजमेंट किसी का माना जाता था तो वह विधायक नंबर एक का मैनेजमेंट था लेकिन अब उनका भी मैनेजमेंट गड़बड़ाता दिख रहा है उसकी वजह सिर्फ है अपने सारथियों से बढ़ती दूरी और एक सारथी को अत्यधिक महत्व देना, उस सारथी को महत्व देने की वजह से बाकी सारथियों में बढ़ गई है दूरी, जो आगामी चुनाव में पहुंचा सकता है विधायक नम्बर 1 को नुकसान, जहां विधायक नंबर 1 अपने आप को बहुत सम्हाल कर चल रहे थे अब ना जाने उनके अंदर ऐसा क्या परिवर्तन आया कि वह अंतिम दौर में फिसलते नजर आ रहे हैं अंतिम समय पर संभलना होता है ना कि फिसलना। विधायक नंबर 1 के एक निज सहायक इस समय अपने विधायक के दम पर सिर्फ कमाने में जुटे हुए हैं इस समय उन्हें सिर्फ अपने काम ही दिख रहे हैं बाकियों के काम पर उनकी दिलचस्पी कुछ कम हो चली है अपने अंदाज में दूसरों के काम को टालने में माहिर हो गए हैं, यह हम नहीं कह रहे हैं यह विधायक के ही वह सारथी कह रहे हैं जो उनके साथ जमीनी स्तर से जुड़े हुए हैं और उन्हें चुनाव जिताने में उनकी मदद करते हैं, नीज सहायक तो चुनाव जिताने में मदद नहीं कर सकते भले ही चुनाव जिताने के लिए वह फाइनेंस कर सकते हैं पर चुनाव तो नीचे स्तर के कार्यकर्ता व अच्छे सारथी ही जीता सकते हैं, अब विधानसभा नंबर एक में भी बहुत सारी चीजें बिगड़ती दिख रही हैं विकास पुरुष अब अपने टीम को छोड़कर विकास के दम पर चुनाव जीतने को लेकर आश्वस्त दिख रहे हैं पर शायद वह भूल गए की चुनाव तो अपने अच्छे कार्यकर्ताओं व अपने अच्छे सहयोगियों की मदद से ही जीता जाता है, विकास तो चाहिए ही पर उस विकास की उपलब्धि बताने वाला भी चाहिए जो इनके कार्यकर्ता होते हैं जो इनके प्रचारक होते हैं जो इनके शुभचिंतक होते हैं और विधानसभा क्रमांक 1 में इसका लोप होता नजर आ रहा है।

निज सचिव की वजह से तव्वजो नहीं मिल पा रहा

कुछ विधायक क्रमांक 1 के ही खास लोगों का कहना है कि अब विधायक के निज सचिव की वजह से उन्हें वह तव्वजो नहीं मिल पा रहा है जो उन्हें मिलना चाहिए न ही कार्यकर्ताओं का कोई काम ही हो पा रहा है जबकि कार्यकर्ता लगातार क्षेत्र में विधायक की जीत के लिए मेहनत कर रहें हैं। छोटे छोटे काम के लिए निज सचिव से कहने पर भी उन कामों पर ध्यान नहीं दिया जाता और लगातार कार्यकर्ता उपेक्षित महसूस कर रहें हैं। अब विधायक नम्बर 1 आखिर क्यों इसबात पर ध्यान नहीं दे रहें हैं कार्यकर्ताओं की बातों पर क्यों उनका ध्यान नहीं जा रहा है यह तो विधायक ही जाने लेकिन असंतोष बढ़ रहा है ऐसी खबरें सामने आ रहीं हैं। विधायक क्रमांक 1 को समय रहते इस विषय पर सज्ञान जरूर लेना चाहिए क्योंकि ऐसा न हो कि असंतोष ज्यादा बढ़ जाये और नुकसान हो जाये।

सबकुछ बेहतर करने के बाद भी चुनाव में उन्हें केवल नुकसान ना उठाना पड़ जाए

विधानसभा क्रमांक 1 में विधायक ने मेहनत तो काफी की है और उन्होंने विधानसभा में विकासकार्यों की ढेरों सौगात दी है फिर भी कहीं ऐसा न हो कि सबकुछ बेहतर करने के बाद भी चुनाव में उन्हें केवल नुकसान इसलिए उठाना पड़ जाए क्योंकि कार्यकर्ता नाराज रहें। विधानसभा क्रमांक 1 में विधायक को अपने कार्यकर्ताओं से खुद उनकी समस्याओं व उनके जरूरी कामों के सम्बंध में जानकारी लेनी चाहिए और इसबात का पता लगाना चाहिए कि असंतोष आखिर किस बात का है और निज सचिव के क्रियाकलापों को लेकर क्यों बातें बाहर आ रहीं हैं। विधायक समय रहते इसपर यदि मंथन नहीं करते हैं तो भविष्य में उन्हें दिक्कत होनी तय नजर आ रही है इसलिए उन्हें समय रहते शिकायतों पर निर्णय जरूर लेना चाहिए।

लगातार बढ़ रही है निज सचिव विधायक की संपत्ति

विधानसभा क्रमांक 1 के विधायक के निज सचिव की संपत्ति में लगातार इजाफा हो रहा है ऐसा भी आरोप विधायक के ही करीबी लोगों का कहना है और ऐसा कहने वाले वही हैं जो फिलहाल निज सचिव की कार्यप्रणालियों से नाराज हैं। वैसे विधायक के निज सचिव पर लग रहे आरोप कितने सही हैं यह तो नहीं बताया जा सकता लेकिन यह जरूर है कि जिस तरह से अंदरखाने निज सचिव को लेकर विधायक के ही समर्थक नाराज चल रहे हैं उससे भविष्य में विधायक जी को नुकसान होना तय माना जा रहा है।

क्या बैकुंठपुर सिटिंग एमएलए का टिकट कटना तय

» टिकट मिलने की आस में अनिल कर रहे जनसंपर्क ?

» जनता के बीच अनिल जायसवाल स्वयं को अगला विधानसभा कांग्रेस प्रत्याशी कह कर रहे प्रचारित।

» लगातार जनसंपर्क से सिटिंग विधायक और उनके समर्थकों के लिए बन सकता है परेशानी का सबब।

» अनिल जायसवाल का टिकट को लेकर रायपुर दौरा, टिकट मिलने की संभावना को लेकर विधानसभा दौरे में पूरी तरह व्यस्त।

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 27 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।
अविभाजित कोरिया के बैकुंठपुर विधानसभा की सिटिंग एमएलए की टिकट कटने के आसार देखे जा रहे हैं जिसे लेकर टिकट पाने की चाह रखने वाले अपने दावेदारी पेश करते हुए दौरे में जुटे हुए हैं जहां टिकट पाने के लिए रायपुर का लगातार दौरा हो रहा है तो वहीं स्थानीय विधानसभा में भी जोर शोर से जनसंपर्क जारी है जिसे लेकर सीटिंग विधायक भी असमंजस में है कि क्या वाकई में उन्हें इस बार मौका नहीं मिलेगा? बैकुंठपुर से क्या अलग प्रत्याशी घोषित किया जाएगा? पर सवाल यह भी है कि यदि सिटिंग एमएलए का टिकट कटता है तो क्या कांग्रेस पार्टी पूर्व जनपद उपाध्यक्ष अनिल जायसवाल पर दाव खेलेगी या फिर कई अन्य दावेदार भी कांग्रेस में है उस पर जाना पसंद करेगी।
बैकुंठपुर विधानसभा के कद्दावर नेता अनिल जायसवाल जो जनपद सदस्य व जनपद उपाध्यक्ष तक रह चुके हैं और क्षेत्र में उनकी एक अच्छी पहचान है, पहचान के मोहताज नहीं है बस पहचान में इनकी पहचान कुछ अलग अलग है, जो किसी से छुपी नहीं है इस समय यह सारे कमियों को दरकिनार कर विधानसभा 2023 के प्रत्याशी अपने आप घोषित कराने के प्रयास में जुटे हुए हैं पर अपने आप को प्रत्याशी घोषित कर पाना उनके लिए आसान नहीं है, क्योंकि सबसे पहले सिटिंग एमएलए का टिकट काटना ही बहुत बड़ा रोड़ा है, इसके बाद दूसरा रोड़ा यह भी है कि कई ऐसे प्रत्याशी हैं जिनकी छवि अच्छी व उनका जनाधार है उन सब के नामों को पीछे कर क्या अनिल जायसवाल प्रत्याशी पद की दौड़ में सबसे आगे हो पाएंगे? क्योंकि विगत जिला पंचायत चुनाव में पार्टी प्रत्याशी होने के बावजूद बेहद कम मत हासिल कर चौथे स्थान पर रहना अनिल जायसवाल की पुख्ता दावेदारी पर संकट उत्पन्न कर सकता है। अब पार्टी आलाकमान किस आधार पर बैकुंठपुर विधानसभा के लिए प्रत्याशी तय करेगी यह देखने वाली बात होगी।

बैकुण्ठपुर विधानसभा की सिटिंग एमएलए की टिकट कटने के कितने आसार ?

अविभाजित कोरिया के बैकुंठपुर विधानसभा की सिटिंग एमएलए की टिकट कटने के आसार देखे जा रहे हैं ऐसा हम नहीं अपितु कोरिया जिले मे कांग्रेस पार्टी में बड़ा कद रखने वाले नेता प्रचारित कर रहे हैं और टिकट की चाह रखने वाले अपने दावेदारी पेश करते हुए दौरे में जुटे हुए हैं। ऐसा सामान्यतः पहली बार देखने को मिल रहा है, जहां चुनाव के अभी लगभग एक वर्ष बाकी हैं और सत्ता पक्ष के ही विधायक के उम्मीदवार बदलने की बात हो रही है। अब यह पार्टी आलाकमान के आश्वासन से हो रहा है या दावेदारी पेश करने के लिए समय पूर्व फील्डिंग सजाई जा रही है, यह दीगर बात है। पूर्व जनपद उपाध्यक्ष अनिल जायसवाल द्वारा टिकट पाने के लिए रायपुर का लगातार दौरा हो रहा है, तो वहीं स्थानीय विधानसभा में भी जोर शोर से जनसंपर्क जारी है, जहां वह स्वयं को अगले विधानसभा चुनाव में बतौर कांग्रेसी उम्मीदवार प्रस्तुत कर रहे हैं। इसे लेकर पार्टी कार्यकर्ता, जिले के नेता और आम जनता भी असमंजस में है कि क्या वाकई में उन्हें इस बार मौका मिलेगा? ऐसा इसलिए भी कि चुनाव में अभी लंबा समय बाकी है और इस प्रकार समय पूर्व ही प्रत्याशी बदलने की बात कहीं ना कहीं सत्ता और निर्वाचित जनप्रतिनिधि की कमजोरी को उजागर करती है।

बैकुंठपुर विधानसभा में मच सकता है घमासान,कई कांग्रेसी दावेदार अपनी अपनी तैयारियों में जुटे

आगामी विधानसभा चुनाव पूर्व बैकुंठपुर विधानसभा में कई दावेदारों के सामने आने से कांग्रेस पार्टी में घमासान मच सकता है। जहां एक ओर कांग्रेस का सत्ता और शासन है, और कांग्रेस पार्टी की निर्वाचित विधायिका, जिन्होंने प्रदेश के सबसे लोकप्रिय और कद्दावर मंत्री भैयालाल राजवाड़े को हराकर इस सीट को अपनी झोली में हासिल किया था, उनका टिकट काटना इतना आसान नहीं है। वहीं पूर्व जनपद उपाध्यक्ष अनिल जायसवाल द्वारा चुनाव के डेढ़ वर्ष पूर्व ही स्वयं को कांग्रेसी उम्मीदवार घोषित कर प्रचारित प्रसारित करना और लगातार जन संपर्क करना विस्मय का विषय है। कहीं ना कहीं दो बार के पूर्व कांग्रेस के प्रत्याशी एवं वर्तमान में जिला पंचायत उपाध्यक्ष वेदांती तिवारी जिन्होंने अपना पिछला जिला पंचायत का चुनाव एकतरफा बहुमत और बढ़त हासिल कर जीता था, वे भी इस रेस में अपने व्यापक जनाधार को लेकर आगे चल रहे हैं। दो विधानसभा चुनावो में बेहद कम मत से पीछे रहने वाले वेदांती तिवारी ने अपना पिछला जिला पंचायत का चुनाव बतौर निर्दलीय प्रत्याशी रहते हुए प्रचंड बहुमत से जीता था एवं अन्य पार्टी प्रत्याशियों की जमानत जप्त हो गई थी। बाद इसके भाजपा के सदस्यों के बहुमत होने के बावजूद उन्होंने जिला पंचायत उपाध्यक्ष पद पर कब्जा किया था। माना यह जा रहा है कि यदि किसी कारणवश सिटिंग विधायक का टिकट कटता है, तो टिकट कै सबसे प्रबल दावेदार वर्तमान जिला पंचायत उपाध्यक्ष वेदांती तिवारी होंगे।

आशुतोष कुजुर होंगे एनएसयूआई के जिलाध्यक्ष

कोरिया जिले से आशुतोष करेंगे एनएसयूआई का प्रतिनिधित्व, मिली बड़ी जिम्मेदारी को बखूबी निभाने का लिया संकल्प

-संवाददाता-
बैकुण्ठपुर 27 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।
भारतीय राष्टीय छात्र संगठन छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडे द्वारा संगठनात्मक नियुक्ति आदेश 26 सितंबर को जारी किया। जिसमें 6 जिलों के जिला अध्यक्ष की नियुक्ति की गई है। कोरिया जिले में जिला अध्यक्ष का दायित्व युवा आशुतोष कुजुर को दिया गया। इस पद के लिए जिले में कई युवा दावेदार थे परंतु अपनी जुझारू प्रवृत्ति, पार्टी और संगठन के प्रति समर्पण भाव, साथ ही स्थानीय विधायिका से करीबी का लाभ आशुतोष कुजूर को मिला। एनएसयूआई जिलाध्यक्ष के नाम की घोषणा होते ही सोशल मीडिया पर जहां एक ओर बधाई देने वालों का तांता लगा, वहीं इस पद पर अपनी नजरें गड़ाए बैठे जिले के कुछ युवा मायूस नजर आए और संकेतों में सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए भड़ास निकाली।

जिम्मेदारी बड़ी है,पूरी कोशिश रहेगी कि पद के साथ न्याय कर सकूं

जिला अध्यक्ष के नाम की घोषणा होने के बाद आशु कुजुर ने कहा कि इस पद के बाद अपनी नई टीम बनाएंगे जो संगठन के लिए बेहतर काम करेंगे। विशेष आदिवासी और बहुत ही सामान्य गरीब परिवार से आने वाले आशु कुजूर कांग्रेस पार्टी में पहले एनएसयूआई मोर्चा के जिला संयोजक, विधानसभा अध्यक्ष और आईटीसेल के रूप में कार्य किया। फिर अब एनएसयूआई जिला अध्यक्ष के पद का दायित्व प्राप्त हुआ है। कम उम्र मे शिक्षक पिता के चले जाने के बाद मां की छत्रछाया में पले बढ़े आशु कुजूर पिता की नौकरी को छोड़ राजनीति में रुचि होने के कारण सदैव से कांग्रेस पार्टी के निष्ठावान कार्यकर्ता के रूप में कार्य किया। परिवार की जिम्मेवारी के साथ साथ छात्र एवं आम लोगों, आदिवासियो के हक की हमेशा बात रखने वाले, नवयुवक युवाओं के साथ हमेशा खड़ा रहे। परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के बावजूद भी राजनीति में विशेष रूचि रही है। आशु कुजूर ने बताया कि लोगों की जितनी मदद कर सकता हूं, हमेशा कोशिश करता रहा हूं। ट्राइबल क्षेत्र होने के साथ अपने लोगों की हर मदद पंचायत स्तर से लेकर विधानसभा स्तर तक हर कोशिश करता रहा हूं और करता रहूंगा। लोगों की मदद के लिए हमेशा आगे रहते है राजनीती में बिना भेदभाव स्वच्छ राजनीती करने पर भरोसा करते है यही वजह है की विधायक के भरोसे मंद सारथी है हमेशा इनकी कोशिश रहती है कि ट्राइबल क्षेत्र होने के साथ अपने लोगों की हर मदद पंचायत स्तर से लेकर विधानसभा स्तर तक कर सके।

केंद्रीय भूमिजल विभाग द्वारा भू-जल प्रबंधन विषय पर दिया जाएगा तीन दिवसीय प्रशिक्षण

-संवाददाता-
बैकुण्ठपुर 27 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।
केंद्रीय जलषक्ति विभाग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप जिला पंचायत के मंथन कक्ष में मंगलवार से तीन दिवसीय विशेष प्रषिक्षण आयोजित किया जा रहा है। इस प्रषिक्षण में कृषि विभाग, जल संसाधन विभाग तथा ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग से जुड़े अधिकारी कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। इस प्रशिक्षण के संबंध में जानकारी देते हुए जिला पंचायत के मुख्यकार्यपालन अधिकारी कुणाल दुदावत ने बताया कि केंद्रीय जल षक्ति विभाग के अधीन कार्यरत भूमिजल बोर्ड के माध्यम से यह प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। भूमिगत जल बोर्ड की उत्तर मध्य छत्तीसगढ़ क्षेत्र के क्षेत्रीय निदेषक डा प्रवीर कुमार यादव की टीम संबंधित अधिकारियों को भूजल प्रबंधन पर विशेष प्रशिक्षण प्रदान करेगी। जिला पंचायत सीइओ ने बताया कि उक्त प्रशिक्षण में शामिल होने के लिए कार्यपालन अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग, कार्यपालन अभियंता जल संसाधन विभाग तथा उप संचालक कृषि को पत्र जारी कर दिया गया है। इसके अलावा जल प्रबंधन पर प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए महात्मा गांधी नरेगा की सभी एजेंसी सहित वनमंडल बैकुण्ठपुर तथा वनमंडल मनेन्द्रगढ़ के भी अधिकारियों को प्रशिक्षण सूची में शामिल किया गया है। यह प्रशिक्षण जिला पंचायत के मंथन कक्ष में प्रात साढ़े दस बजे से आरंभ होगा। जिला पंचायत सीइओ द्वारा सभी प्रशिक्षणार्थियों को नियत समय पर प्रशिक्षण हेतु उपस्थिति के निर्देष दिए गए हैं।

आँगनबाड़ी कर्मियों के अधिवेशन में निर्णायक संघर्ष करने का किया ऐलान

-संवाददाता-
बैकुण्ठपुर 27 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।
अखिल भारतीय आंगनबाड़ी कर्मचारी महासंघ नई दिल्ली एवं भारतीय मजबर संघ से संबद्ध आंगनवाडी कार्यकर्ता सहायिका संघ छत्तीसगढ़ का एक दिवसीय त्रैवार्षिक प्रादेशिक अधिवेशन कोरिया जिला के बैकुन्ठपुर में संपन्न हुआ, जिसमे प्रदेश भर के सभी संभागों से आई प्रमुख प्रतिनीधी बहनों ने राज्य सरकार पर वादा खिलाफी का आरोप लगाते हुये कहा की चुनाव पूर्व आँगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को न्युनतम वेतन देने के संकल्प की घोषणा करने वाली वर्तमान राज्य सरकार आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओ से किये गये वादे को भुल गई है जिससे अब आंगनबाड़ी कर्मचारियों के समझ निर्णायक आन्दोलन करने के अलावा और कोई रास्ता नही बचा, अधिवेशन में पारित प्रस्ताव में सरकार को चेतावनी देते हुए कहा गया की न्यूनतम देने के वायदे को तत्काल पूरा करे अन्यथा प्रदेश भर मे जंगी आंदोलन छेड़ दिया जाएगा।

अधिवेशन की कार्यवाही का प्रेस विज्ञप्ति को जारी करते हुए भारतीय मजदूर संघ के जिला महामंत्री अशोक कुमार दुबे ने बताया की अधिवेशन का उद्घाटन भा0 मजदूर संघ के प्रदेश अध्यक्षा शोभा सिंह देव ने किया और कहा कि प्रदेश में आंगनबाड़ी बहनो का व्यापक पैमाने पर शोषण हो रहा हैं। समय पर न वेतन का भुगतान हो पा रहा है और न ही अन्य मदो की राशी ही दी जाती है उपर से कार्य का इतना बोझ सरकार के डाल रखा है कि बहनों की स्थिती दिन-प्रति दीन दिहाड़ी मजदूरो से भी बतर हो गई है। अधिवेशन में संगठन सत्र व आंदोलन सब मे व्यापक विचार-विमर्श हो कर जहां संगठन विस्तार की योजना बनी, वही आंदोलन की रणनीती को भी अंतीम रूप दीया गया, अधिवेशन के समापन सभा में मजदूर नेता राधेश्याम जायसवाल ने आंगनवाड़ी बहनो के के आंदोलनों का जीक करते हुए कहा की बहने सतत संघर्ष करते हुए अभी इस मुकाम पर पहुंची है किन्तु अभी भी लंबे संघर्ष की आवश्यकता है ताकी उन्हें सरकारी कर्मचारी का दर्जा भी लने सहित अन्य मांगे पूरी हो सके और इसके लिए अखिल भारतीय आंगनवाड़ी कर्मचारी सहासंघ का नेतृत्व ही सबसे सफ्ल है, क्योंकी इस संगठन का कार्य देशभर के सभी राजयो में हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ प्रदेश में कतीपय छुट भैये संगठनों की चर्चा करते हुए कहा की इनका उद्देश्य केवल बहनों के मध्य चंदा एक त्रीत कर उसे डकारने का काम रह गया है। अधिवेशन में चुनाव सत्र भी हुआ जिसमे आगामी तीन वर्षो के लीए नई कार्य समिति का गठन किया गया, जिसमे भिलाई की गुरमीत कौर को प्रदेश अध्यक्ष सुरजपुर सुमणमती केराम को कार्यकारी अध्यक्ष तथा कोरिया जिले की संतोषी राजवाड़े को प्रदेश महामंत्री का दायीत्व दीया गया, अधिवेशन में चुने गए अन्य पदाधिकारो में उपाध्यक्ष सोनीया मराठी, कबीरधाम फुलेश्वरी साहु, बालोद मीना सोनी, कोरना रेणु गुप्ता, शमी बलरामपुर का नाम शामील है। इसी तरह संयुक्त महामंत्री का दायील अंजली पटेल कोरबा को दिया गया है। जबकी प्रदेश मंत्री, पद पर श्रीमती टेकेश्वरी कुँवर, रामगढ़ माधुरी एव बालोद रमा सिंह बैकुन्ठपुर धनमेत सिंह, कुशराम सुरजपुर तथा कोषाध्यान की जिम्मेवारी चंदा राजवाडे तथा कार्यालय मंत्री बबीता साहु दुर्ग को बनाया गया है। कार्यसमीती सदस्य, कुलासो एक्का, श्यामा यादव, मीथलेश विश्वकर्मा, हेमीन भगत, करम खलको, तथा हेमलता कंवर का निर्वाचन सम्पन हुआ।

छत्तीसगढ़ शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन के कटघोरा,पाली एवं पोड़ी ब्लॉक कार्यकारिणी का हुआ गठन

-संवाददाता-
कोरबा, 27 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।
छत्तीसगढ़ शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन की आवश्यक बैठक एसोसिएशन के प्रांताध्यक्ष डॉ. गिरीश केशकर की अध्यक्षता में एवं जिलाध्यक्ष हरिराम पटेल, जिला उपाध्यक्ष देवेंद्र वर्मा, जिला सचिव रूप नारायण पटेल, जिला कोषाध्यक्ष मोहन लाल, जिला पदाधिकारी स्वाति तिवारी की उपस्थिति में सांस्कृतिक भवन कटघोरा में सम्पन्न हुई जिसमें पोड़ी, पाली एवं कटघोरा ब्लॉक की कार्यकारिणी का गठन किया गया। कार्यकारिणी गठन के बाद सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों का सम्मान किया गया। पोड़ी ब्लॉक की कार्यकारिणी में ब्लॉक अध्यक्ष के रूप में संजय कंवर, विजेंद्र पाटले, संध्या एक्का कार्यकारी ब्लॉक अध्यक्ष, गजेंद्र भास्कर,ईश्वरी तिवारी, रीमा श्रीवास्तव, रामसिंह राज उपाध्यक्ष, आशिफ खान एवं शारदा सिंह महामंत्री, अशोक कुमार साहू सचिव, अमरनाथ कुम्हार कोषाध्यक्ष, पंचराम कैवर्त उप कोषाध्यक्ष, विकास जायसवाल, जीवराखन मनहरण, अभिलाषा अवस्थी, मेरी मारग्रेट संयुक्त सचिव, उषा नागदेव, शशिकांता कुजूर, संजू चौरसिया, कलेश्वर भारद्वाज सह सचिव, नरसिंह डड़सेना, प्रदीप श्याम, अजय कुमार सिंह प्रवक्ता, विनोद बघेल, होरीलाल काठले, कमल साहू मीडिया प्रभारी, कीर्ति कुमार कोराम, भुवनेश्वर गढ़ेवाल, निशांत सिंह जीवराखन जायसवाल, उमेश्वरी राज, रीता सिंह, साधना राजवाड़े, संध्या साहू संगठन सचिव, अरुण पाल ओगरे, देवेंद्र वैष्णव, सावित्री पुलस्त, जागृति साहू सांस्कृतिक सचिव, अनिता लकड़ा, राशिदा बानो, सुरेंद्र पाल सिंह, कौशल चंद्रा, प्रीतमलाल कुर्रे, गुहाराम रात्रे एवं बीरेंद्र कुमार श्रीवास कार्यकारी सदस्य बनाए गए। इसी प्रकार कटघोरा ब्लॉक कार्यकारिणी में अशोक कुमार खुराना ब्लॉक अध्यक्ष, बलराम भारद्वाज, कौशल्या खुराना कार्यकारी ब्लॉक अध्यक्ष, अजय पोर्ते, रविशंकर बघेल, रामकुमारी सिदार, उर्वशी साहू उपाध्यक्ष, राकेश चौहान, सरिता लाठिया महामंत्री, रविशंकर कुर्रे सचिव, लक्ष्मीशरण कोशले कोषाध्यक्ष, संजय कुमार रात्रे उप कोषाध्यक्ष, रविन्द्र ओगरे, आशीष रात्रे, प्रिया दुबे, सुमन यादव संयुक्त सचिव, टेकराम जनार्दन, जयशंकर दास, प्रभा साव, विजया लक्ष्मी महंत सह सचिव, राजेश जांगड़े, रूपेश चौहान, आनंद राम कंवर, प्रवक्ता, गोरे लाल यादव, शरद काठले, को शामिल किया गया।

विधायक मद से निषाद केंवट समाज को मिली 20 लाख रू के सामुदायिक भवन की सौगात

-संवाददाता-
कोरबा, 27 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।
कोरबा के निषाद केवट समाज को राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल के विधायक मद से 20 लाख रुपये की लागत से बनने जा रहे सर्वसुविधायुक्त सामुदायिक भवन की सौगात प्राप्त हुई है। राजस्व मंत्री अग्रवाल ने बतौर मुख्य अतिथि उक्त सामुदायिक भवन के निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया, इसके साथ ही राईटर पेंटर वेलफेयर एसोसिएशन कोरबा के नवनिर्मित सामुदायिक भवन का लोकार्पण भी राजस्व मंत्री श्री अग्रवाल के हाथों सम्पन्न हुआ।नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री श्री जयसिंह अग्रवाल के विधायक मद से वार्ड क्र. 25 अंतर्गत बुधवारी स्थित निषाद भवन के समीप सामुदायिक भवन का निर्माण 20 लाख रुपये की लागत से कराया जाना हैं। राजस्व मंत्री श्री अग्रवाल ने मुख्य अतिथि के रूप में उक्त सामुदायिक भवन निर्माण कार्य की आधारशिला रखी, उन्होने पूजा अर्चना की, शिलान्यास पट्टिका का अनावरण किया तथा निर्माण कार्य का शुभारंभ कराया, कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर राजकिशोर प्रसाद के द्वारा की गई।

जनभावनाओं के अनुरूप कार्य, हमारी प्राथमिकता ङ्क इस अवसर पर राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री श्री जयसिंह अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि जनता की भावनाओं के अनुरूप विकास कार्यो को गति व दिशा दी जाए, उनकी मांग व आवश्यकता के अनुसार ही विकास कार्य हों, सदैव यह मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। उन्होने कहा कि कोरबा के सभी समाजों के लिए भवनों का निर्माण कराए जाने का संकल्प पूरा हो चुका है, अब तो भवनों के विस्तार के कार्य जारी हैं, यदि कोरबा के किसी भी समाज का भवन बनना अभी शेष होगा, तो इसकी जानकारी दें, निश्चित रूप से उनका सामाजिक भवन बनकर रहेगा। उन्होंने कहा कि कोरबा के सभी समाज के लोगों का भरपूर आशीर्वाद एवं सहयोग मुझे सदैव मिला है, मुझे विश्वास है कि यह आशीर्वाद आगे भी मिलता रहेगा। कार्यक्रम मे मेयर इन काउंसिल के सदस्यगण, पार्षद व एल्डरमैन गण उपस्थित थे।

नियम विरुद्ध पत्थर उत्खनन मामले में कौन करेगा कार्यवाही?

» एमसीबी कलेक्टर कार्यालय से महज कुछ दूरी पर नियम विरुद्ध तरीके से जारी है पत्थर खनन व अवैध क्रेशर का संचालन।

» पर्यावरण संरक्षण मंडल के अधिकारियों ने उत्पादन बंद करने व बिजली काटने के निर्देश का नहीं हुआ पालन।

» विधायक के साथ घुम नेताजी बी दबंगई से चला रहे क्रेशर क्या इसी वजह से नहीं हो रही कार्यवाही?

» नेता जी बिना विस्फोटक लाइसेंस के खदान में विस्फोटक पदार्थ से विस्फोट कर रहे है।

» क्या अवैध ब्लास्टिंग की आवाज जिला प्रशासन के कानों तक नहीं पहुंच पा रही?

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर 27 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।

कहते हैं कि जब सत्ता हाथ में होती है तो उनका कोई क्या बिगाड़ सकता है, यह बात इन दिनों मनेंद्रगढ़ विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत आने वाले क्रेशर संचालक व मनेंद्रगढ़ नगरपालिका के उपाध्यक्ष पर फिट बैठती है, पर इससे सत्तापक्ष की छवि भी धूमिल होती है। प्रशासनिक अमला भी मानों सत्ता में आसीन लोग की बात ही सुनती है, चाहे वह क्यों न नियम विरूद्ध हो किन्तू प्रशासन की यही दरियादिली आम लोगों के साथ भी हो तो सवाल नहीं होंगे। मनेंद्रगढ़ नगरपालिका के उपाध्यक्ष की रंगदारी सत्ता में उनके पहुंचने के बाद चरम पर है, कांग्रेस सत्तारूढ़ पार्टी के सदस्य होने के नाते शासन प्रशासन को अपनी कठपुतली समझने वाले नेताजी के सामने जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, खनिज विभाग, छत्तीसगढ़ विद्युत विभाग, सभी शासकीय महत्वपूर्ण विभागों के अधिकारियों ने क्या इनके सामने घुटने टेके हुए हैं? सूत्रों की माने तो नेताजी गिट्टी क्रेशर के संचालक हैं, जिनके कई क्रेशर और खदान हस्तिनापुर में स्थित हैं, वही नए कलेक्टर कार्यालय से महज 800 मीटर दूर नेताजी अपनी गिट्टी खदान में बड़े धड़ल्ले से प्रतिदिन 100 से 120 अवैध ब्लास्टिंग कर रहे हैं पर सवाल है कि इन्हें हैवी ब्लास्टिंग की अनुमति किसने दी? नापा उपाध्यक्ष पर शिकायतकर्ता ने गंभीर आरोप लगाते हुए अविभाजित कोरिया कलेक्टर सहित कई जिम्मेदा अधिकारीयों को शिकायत की थी। वहीं नवीन जिला एमसीबी के कलेक्टर को भी इस मामले की शिकायत हो रखी है पर सवाल यह है कि कार्यवाही होगी? जबकि पूर्व की कार्यवाही का ही पालन अब तक नहीं हो सका है। शिकायत व मामला मिडिया में आने के बाद कलेक्टर कार्यालय, पर्यावरण संरक्षण मंडल व खनिज विभाग में क्रेशर संचालक के साथ क्षेत्रीय विधायक घूम रहे है, सवाल है की क्या इस वजह से नहीं हो रही कार्यवाही?

इन के ऊपर आरोप है की पिछले तीन दशक से मनेंद्रगढ़ क्षेत्र में क्रेशर व्यवसाय का कार्य करते आ रहे है पर नियम को तो यह पैर के नीचे रखते है, यही वहज है की अवैध क्रेशर संचालन करते-करते जब पैसा उनके और उनके परिवार के पास बढा तो इन्होंने इस इलाके की कई खदानें अपने और अपने परिवार के नाम पर हस्तिनापुर में लोगों से हथिया लीये, इस तरह से इनका व्यापार बड़ा फिर दबदबा बढ़ा अपने अवैध गतिविधियो को संरक्षण देने के गरज से वे शनै-शनै कांग्रेस पार्टी के विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होने लगे, सदैव विवादों से करीबी नाता रखने वाले तिवारी जी को राजनीति में आगे करने के लिए उनका पूरा परिवार भी उनका सपोर्ट करता रहा क्योंकि उनको भी अपने अवैध कार्यों को ढंकने के लिए एक संरक्षक की आवश्यकता थी। तिवारी जी को संगठन के विभिन्न पद भी मिले लेकिन अपनी तीखी वाणी के कारण और हटाए भी गए, वे लगातार सक्रिय रहे अंततः किस्मत चमकी और वे नगरपालिका उपाध्यक्ष बन बैठे उपाध्यक्ष बनने के बाद इनके पैर जमीन में नहीं है। उपाध्यक्ष बनने के बाद इनके अवैध उत्खनन और क्रेशर संचालन वाले व्यापार में चार चांद लग गए ये इनका परिवार के सदस्य इन दिनों हस्तिनापुर इलाके की धरती को खोदाई व अवैध ब्लास्टिंग कर वहां के लोगों का जीना दुश्वार कर दिये है। नेताजी और उनके परिवार की दबंगई से स्थानीय ग्रामीण नारकीय जीवन जीने के लिए मजबूर हैं जिसकी शिकायत पुनः गौरव गुप्ता ने कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक एमसीबी एवं नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल भोपाल से की है।

निर्धारित मापदंडों के विपरीत झूठी और भ्रामक जानकारी देकर अवैध तरीके से संचालित कर रहे क्रेशर व खदानें

शिकायतकर्ता गौरव गुप्ता ने आरोप लगाते हुए शिकायत की है नेशनल हाईवे 78 से महज 40 मीटर दूर तिवारी जी की पत्थर खदान संचालित हो रही है, शिकायतकर्ता का कहना है कि वहीं खनिज विभाग के जानकारी अनुसार उनकी पत्नी उनके भाई के नाम पर पत्थर खदान वह क्रसर संचालित है। राजस्व एवं खनिज विभाग के अधिकारियों से मिलकर शासन के निर्धारित मापदंडों के विपरीत झूठी और भ्रामक जानकारी देकर सभी खदानें प्राप्त की गई हैं यदि इन सभी खदानों की बारीकी से जांच की जाए तो यह स्पष्ट हो जाएगा कि खदानें पत्थर उत्खनन योग्य है या नहीं? एक पत्थर खदान के महज कुछ मीटर दूर प्राथमिक शाला भी संचालित है जिसमें छोटे-छोटे बच्चे प्रतिदिन पढ़ने आते हैं वहीं दूसरी खदान नेशनल हाईवे से लगभग 40 मीटर दूर है वहां भी बड़ी संख्या में लोग रहते हैं आये दिन ब्लास्टिंग के दौरान बड़े-बड़े पत्थर उनके छतों पर गिरते है जिससे वह चोटिल भी हो रहे हैं। जिसकी शिकायत स्थानीय स्तर पर भी हुई है। किंतु अभी तक विभाग कार्यवाही नहीं कर सका है। सभी ग्राम पंचायतों में सभी नगरी निकाय के ठेकेदारों को सरकार और उपाध्यक्ष होने का दबदबा बता कर महंगे दामों पर गिट्टी बेचने का काम तिवारी जी द्वारा किया जा रहा है जिन पंचायतों के पदाधिकारी दूसरे स्थानों से गिट्टी लेते हैं, उनके भुगतान आदि की शिकायत इनके द्वारा करके उन्हें परेशान किया जाता है।

पूर्व अधिकारियों ने भी अपने कार्यकाल के बातों का किया साझा

जिला कार्यालय में पदस्थ पूर्व के अधिकारीयों ने नाम न बताने की शर्त पर मौखिक जानकारी देते हुये बताया कि हम शिकायत के आधार पर जब भी कार्यवाही करने जाते थे तो वहां के जनप्रतिनिधि हमें उन पर कार्यवाही नहीं करने देते और धमकाया जाता था कि यदि आप काम सही ढंग से नहीं करेंगे तो आपका स्थानंतरण करा दिया जाएगा यदि जानना है तो पहले के आधिकारीयों से जाकर पूछ लो।

छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल ने पत्र लिख तत्काल खदान व क्रेशर को सील कर बिजली काटने का दिया था निर्देश

ज्ञात हो कि पूर्व में विद्युत विभाग के

अधिकारियों को भी पर्यावरण संरक्षण मंडल अंबिकापुर के अधिकारी ने पत्र जारी कर तिवारी के क्रेशर की बिजली काटने का आदेश जारी किया था किन्तू विद्युत विभाग के जिम्मेदार अधिकारी अभी तक उक्त क्रेशर का बिजली नहीं काट पाये। नाम प्रकाशित न करने की शर्त पर अधिकारी ने बताया कि हमारी टीम प्लांट में बिजली काटने के लिए गई थी लेकिन एक जिम्मेदार जनप्रतिनिधि का फोन आ गया जिसके कारण हम बिजली विच्छेदन का कार्य नहीं कर पाए, बताया जाता है कि आज भी बिना पेपर के अवैध तरीके से उत्खनन और क्रसिंग का कार्य धड़ल्ले से चल रहा है। पूरे इलाके में तिवारी और उनका पूरा परिवार दबदबे के साथ गिट्टी का परिवहन कर रहे है।

क्या ब्लास्टिंग की आवाज प्रशासन के कानों तक नहीं पहुचती?

बड़ा सवाल यहां उत्पन्न होता है कि इतनी बड़ी मात्रा में ब्लास्टिंग में उपयोग होने वाले अमोनियम नाइट्रेट, ईडी कैप्सूल बत्ती सहित अन्य अतिसंवेदनशील सामग्री इन्हे कहां से प्राप्त होती हैं, इनके पास कोई मैगजीन नहीं है यह मनेंद्रगढ़ शहर में रहते हैं, यदि विस्फोटक सामाग्री शहर में रखते हैं तो शहर भी सुरक्षित नहीं है। इतनी मात्रा में नेताजी के पास विस्फोटक सामग्री का होना जिससे वह लगातार ब्लास्टिंग को अंजाम दे रहे क्या इसकी आवाज प्रशासन के कानों में नहीं जा रही है? पुलिस प्रशासन भी इन अवैध गतिविधियों के सवालों में आ रही है और इनकी सुरक्षा व्यवस्था की पोल खुल रही है।

खनिज विभाग द्वारा अभिवहन पास जारी नहीं करने के बावजूद कार्य में नहीं कोई व्यवधान

पर्यावरण संरक्षण मंडल की आपत्ति के बाद खनिज विभाग इन्हें अभिवहन पास देने से मना कर दिया था, पर अभिवहन पास नहीं मिलने से इन्हें कोई फर्क नहीं पड़ा यह बिना अभिवहन पास के दिन रात गिट्टी का उत्खनन और परिवहन धड़ल्ले से कर रहे है। आसपास के क्षेत्र में चल रहे निर्माण कार्यों में पूरी गिट्टी इन्हीं के क्रसर से सप्लाई हो रहा है जिससे करोड़ो रुपए की रॉयल्टी चोरी की जा रही है, जिससे राजस्व को हानि पहुंच रही है।

विधायक के साथ कार्यालय के चक्कर काटना कही पेपर दुरूस्त करने की तैयारी तो नहीं?

जहां पर सम्बन्धित विभाग को तत्काल कार्यवाही कर राजस्व के हानि और परेशान लोगो को राहत देना था वहां पर प्रशासन किसके दबाव में कुछ कर पाने में असमर्थ है पर मजे की बात तो यह है कि इनकी शिकायत सार्वजनिक व मिडिया में आने के बाद कार्यवाही से बचने के लिए क्रशर संचालक की दौड़ कार्यालयों व जनप्रतिनिधियों के निवासों में तेज हो गयी है। क्या इसी तेजी के वजह से कार्यवाही में विलंब हो रहा है और अवैध संचालन को वैध करने करने के लिये समय दिया जा रह है। आम जनता की शिकायत पर जब विभागीय अधिकारी तिवारी जी के क्रेशर पर कार्यवाही की जाने की बात की तो क्षेत्र के विधायक एकाएक सक्रिय हो गये है और लगातार क्रशर संचालक को संरक्षण देने का कार्य कर रहे है। सूत्रों के अनुसार पिछले कई दिनों से विधायक कलेक्टर कार्यालय,खनिज, एसपी कार्यालय, पर्यावरण संरक्षण मंडल अंबिकापुर, रायपुर छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, कबीर नगर कार्यालय स्वयं विधायक जी पहुंचकर अपने और भी आवश्यक कार्यो को छोड़कर कार्यालयों में घंटो बैठ कर तिवारी जी का पेपर दुरूस्त करने व्यस्त नजर आ रहे है।

क्या विधायक को विधानसभा जिताने का दे रखा है प्रलोभन

विधानसभा दो के विधायक आज भी नपा उपाध्यक्ष के सहारे मनेंद्रगढ़ शहर और झगड़ाखांड से अधिक से अधिक मत दिलवाने की आस लगाए बैठे हैं, विधायक जी को इस बात पर गौर करना चाहिए कि पिछली बार भी उन्हें किसी के समर्थन से वोट नहीं मिला था। लोग 15 साल स लगातार भाजपा को वोट देकर ऊब चुके थे, लोग बदलाव चाहते थे, यही वजह थी कि पूरे प्रदेश में एक बदलाव की बयार चली और पूरे प्रदेश की जनता ने कांग्रेस पार्टी को बहुमत से जिता दिया, बदलाव की बयार इस कदर चली की कई लंगड़े घोड़े भी पहाड़ लांघ गए। पर पिछले बार की अपेक्षा इस बार जनता ने विधायक जी को मौका देकर देखा और अजमा लिया है, तिवारी जी के नपा उपाध्यक्ष बनने के बाद उनके व्यवहार में काफी बदलाव देखा गया है, लगातार विवादों से उनका गहरा नाता रहा है, हर मामले में त्वरित तीखी टिप्पणी और दखलंदाजी से कार्यकर्ता भारी रूष्ट चल रहे हैं, इस बार इनके पास कोई मजबूत कार्यकर्ता नहीं दिख रहा है, ऐसी दशा में झगड़ाखांड और मनेंद्रगढ़ से तिवारी जी के सहारे कैसे नैया पार होगा?

सूचना के अधिकार से मिली जानकारी के अनुसार नेता जी बिना विस्फोटक लाइसेंस के खदान में विस्फोटक पदार्थ से विस्फोट कर रहे है

सूचना के अधिकार में मिली जानकारी के अनुसार तिवारी जी बिना विस्फोटक लाइसेंस के लगातार अपने खदान में विस्फोटक पदार्थ के साथ विस्फोट कर रहे है। क्रशर के मामले में जानकारो का कहना है कि तिवारी जी के खदान के आसपास के क्षेत्रो में ग्रेनाइट पत्थरों की सीम है जिसे बिना ब्लास्टिंग किये निकाल पाना संभव नहीं यदि कोई भी यह कहता है कि वह बिना ब्लास्टिंग पत्थर निकलता है तो प्रशासन के आंख में धूल झोंक रहा है। शायद वैध दस्तावेज नहीं लेने के पीछे तिवारी ने यही बात प्रशासन से छुपायी रखी। खदानों में 40-50 मजदूर प्रतिदिन कार्य करते हैं जो खुद ही पत्थरों में कंप्रेसर मशीन के माध्यम से ड्रिल करते हैं और खुद ही इन विस्फोटकों का इस्तेमाल कर ब्लास्टिंग करते हैं जो कार्य बड़ा जोखिम भरा है। हस्तिनापुर आदि इलाकों में प्रतिदिन लगभग सभी खदानों को मिलाकर लगभग हजारों की संख्या में ब्लास्टिंग की जाती हैं लेकिन इन अवैध ब्लास्टिंग की आवाज जिला प्रशासन के कानों तक नहीं पहुंच सकी।

मामले से जुड़े कुछ सवालः-

सवालः- क्या सत्तापक्ष के नेता होने की वजह से जिम्मेदार अधिकारी कार्यवाही करने से कतरा रहे?

सवालः- क्या सत्ताधारी पार्टी के नेता होने कि वजह से सारे नियम कानून शिथिल हो गए?

सवालः- शिकायतों के बाद भी क्रेशर संचालक पर कार्यवाही से क्यों कतरा रहे प्रशासनीक अधिकारी?

सवालः- कलेक्टर कार्यालय, पर्यावरण संरक्षण मंडल व खनिज विभाग में क्रेशर संचालक के साथ घूम रहे क्षेत्रीय विधायक कही कार्यवाही ना होने के पीछे यही वजह तो नहीं?

सवालः- तीखी टिप्पणी के लिए चर्चित, हर मामले में दखलअंदाजी व बगैर जनाधार वाले नापा उपाध्यक्ष जिता पायेंगे विधायक को अगामी चुनाव?

मृतक छात्रा के शव का पोस्टमार्टम दूसरे दिन किया गया

-ओमकार पांडेय-

सूरजपुर 27 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।

मदरसा में पढ़ने वाली छात्रा की फंदे में मिला शव की आज दूसरे दिन पोस्टमार्टम हुआ. दो सदस्यी डॉक्टरों की टीम के साथ तहसीलदार की मौजूदगी में पीएम किया गया. ज्ञात हो कि सोमवार की सुबह भवराही के मदरसा में अपनी बहन के साथ पढ़ाई कर रही 8वी की छात्रा का शव हॉस्टल के रूम के पंखे से लटकते मिला. मौके पर पहुचे परिजनों ने मदरसे के कार्यप्रणाली सहित मौलवी पर शारारिक प्रताड़ना का आरोप लगाया था. पिता ने बताया उसकी बेटी को समय अक्सर रूम में बुलाया जाते रहा वह रोते हुए जाती और रोते हुए आती थी. बेटी की मौत पर परिजन खुलकर आरोप प्रत्यारोप लगाने के बीच आज वीडियोग्राफी के साथ तहसीलदार की उपस्थिति में छात्रा का पोस्टमार्टम किया गया. उसके बाद शव को परिजनों को सपुर्द कर दिया. फिलहाल छात्रा की मौत क्यो और कैसे हुई मदरसे का रहस्य क्या है? इस पूरे मामले को लेकर आज दिन भर जिला अस्पताल में गहमागहमी देखने को मिला मौलाना के खिलाफ कार्रवाई करने को लेकर भाजपा के कार्यकर्ता पोस्टमार्टम कक्ष के पास पहुंच गए और पुलिस पर सही कार्रवाई न करने का आरोप लगाने लगे. इसी दौरान भाजपा कार्यकर्ता और पुलिसकर्मियों के बीच बहस भी हुई. इस दौरान बड़ी संख्या में बीजेपी सहित सामाजिक कार्यकर्ता पहुचे थे।

ट्रेन के नीचे सर रख किया आत्महत्या

मामला एमसीबी का

-संवाददाता-

बैकुण्ठपुर 27 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।

नवीन जिला एमसीबी से इस वक्त बड़ी खबर आ है की सुबह 6.30 बजे दुर्ग से अम्बिकापुर जा रही ट्रेन से रेलवे फाटक लोहारी के पास ग्राम महराजपुर निवासी एवं थाना पोड़ी में पदस्थ आरक्षक रामा सिंह ने इंजन के निकलने के बाद बोगी के नीचे सिर डाल कर आत्महत्या कर ली। जिससे धड़ और सिर अलग होते ही आरक्षक की मौके पर मृत्यु हो गई। आत्महत्या का कारण अज्ञात है। मौके पर नागपुर पुलिस पहुंच गई है। बताया जाता है आरक्षक अपनी स्कूटी से वहां पहुंचा था। आरक्षक रामा सिंह काफी हंसमुख स्वभाव का बताया जाता है लेकिन अचानक इस तरह आत्महत्या करने से उनके सहकर्मी काफी दुखी हैं।

क्या चिरमिरी निगम को विधायक व महापौर अपनी जागीर समझने लगे हैंःरामचरित द्विवेदी

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर 27 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।

नगर पालिक निगम चिरमिरी को अपनी जागीर समझने वाले तथा निगम मद व राजीव मितान क्लब मद को अपना खजाना समझने वाले मनेंद्रगढ़ विधायक विनय जायसवाल व नगर निगम महापौर कंचन जयसवाल ने अपनी गलतियों व नाकामियों को छिपाने के लिए चिरमिरी महोत्सव आयोजन का सहारा लिया है, जिसमें शासकीय नियमों की खुल्लम-खुल्ला अवहेलना करते हुए जमकर भ्रष्टाचार किए जाने का प्रयास किया जा रहा है, जिसमें प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से आर्थिक सहयोग देने वाले निगम चिरमिरी आयुक्त भी संलिप्त होने के चलते पूरी तरह दोषी नजर आ रहे हैं जिसके लिए आने वाले समय में संगठन आंदोलन के साथ-साथ न्यायालय की शरण में भी जा सकती है।

उपरोक्त आरोप लगाते हुए भाजपा मंडल महामंत्री रामचरित द्विवेदी ने आरोप लगाते हुये कहा है कि मनेंद्रगढ़ विधायक विनय जायसवाल व निगम चिरमिरी महापौर कंचन जयसवाल की कार्य प्रणाली भ्रष्टाचार पर ही आधारित है जिन्होंने अस्तित्व से संघर्ष कर रहे चिरमिरी के लोगों से बड़े-बड़े वादे तो समय-समय पर किए लेकिन अपने किसी भी वादे पर वह खरा नहीं उतर पाए जिसके चलते उनके गृह निवास पर लोगों का आक्रोश सड़कों से लेकर थानों तक नजर आता रहा है जिसको भापते हुए एक ही परिवार के इन लोगों द्वारा स्वयं के लोगों से प्रायोजित स्वागत कार्यक्रम करा कर झूठी वाहवाही लेने का भी प्रयास किया गया लेकिन मनेंद्रगढ़ विधानसभा के लोगों ने इन आप्रवासी जनप्रतिनिधि के काले कारनामे व कार्यप्रणाली को नजदीक से देख कर अच्छे से भलीभांति समझ चुके हैं जिसकी खबर राज्य सरकार के मुखिया को होने के कारण उन्हें नवीन गठित जिला के प्रमुख समारोह में भी वह स्थान व महत्व नहीं दिया गया जो कि दूसरे विधायक को दिया गया

रामचरित द्विवेदी ने आरोप लगाते हुए कहा है कि जिस प्रकार सोशल मीडिया में खबरें चल रही हैं उससे स्पष्ट रूप से यह प्रमाणित हो जाता है कि चिरमिरी महोत्सव मात्र एक परिवार के दो सदस्य विनय जयसवाल व कंचन जयसवाल का महोत्सव बनकर रह गया है जिसमें चिरमिरी में इनके द्वारा किए गए वादों व छल कपट को छिपाने के उद्देश्य से भारी भारी खर्च करके बाहर से गरबा व डांडिया करने के लिए शासकीय पैसों को पानी की तरह बहाया जा रहा है और जिस प्रकार इस आयोजन की भारी-भरकम तैयारियां चल रही हैं तो कोई बड़ी बात नहीं होगी कि चिरमिरी महोत्सव के नाम पर चालीस से पचास लाख तक शासकीय राशि का बंदरबांट ना किया जाए जिसके लिए निगम चिरमिरी के विभिन्न मदो के साथ-साथ राजीव मितान क्लब के नाम पर आने वाले बड़ी राशि का समायोजन शासकीय नियमों को अंगूठा दिखाते हुए किये जाने की संभावना है जबकि इन्हीं विधायक विनय जायसवाल व महापौर कंचन जयसवाल के चलते निगम के स्थाई व अस्थाई कर्मचारी कई कई माह से वेतन को तरसते हुए खाली पेट तीज त्यौहार मनाने के लिए विवश हो रहे हैं वही कोरिया नीर में काम करने वाले कर्मचारी भी पिछले 21 माह से वेतन को तरस रहे हैं जिससे यह प्रमाणित होता है कि नगर पालिक निगम चिरमिरी सही मायनों में दिवालियापन की ओर बढ़ चुका है जिसके लिए एक परिवार के ये दो लोग ही दोषी हैं जो कि निगम चिरमिरी को अपनी जागीर समझ कर नियम विरुद्ध तरीके से फिजूलखर्ची कर दिनों दिन चिरमिरी को और परेशानियों की ओर धकेल रहे हैं श्री द्विवेदी ने कहा है कि अच्छा होता कि चिरमिरी महोत्सव के स्थान पर इसमें खर्च होने वाले संभावित चालीस से पचास लाख रुपयो से निगम कर्मचारियों व ठेकेदारों का भुगतान किया जाता जिससे वो भी तीज त्यौहार आराम से मना सके।

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-2, जिला-सरगुजा (छ.ग.)

रा0प्र0क्र0-202204021700010/अ-27/2021-22

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक विजय विश्वकर्मा आ0 हरिनाथ, निवासी ग्राम सोनपुरकला, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम सोनपुरकला स्थित भूमि खसरा नंबर 696/2 कुल रकबा 0.169 हे0 भूमि का अनावेदक संजय विश्वकर्मा आ0 हरिनाथ, व अन्य 02 के मध्य 1/4 भाग में बंटवारा कराने हेतु छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 178 के तहत् आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो पेशी दिनांक 28/10/2022 तक इस न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 23/09/2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलयीन पदमुद्रा से जारी।

सील नायब तहसीलदार

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202209020700149

विषयः- ब-121 मामले की श्रेणी- राजस्व सनः- 2021-2022

अम्बिकापुर प.ह.न. 00015 (हे0) पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार-सदानंद मिश्रा , अनावेदक पक्षकार-

ईश्तहार

आवेदक सदानंद मिश्रा आ स्व प्रदुदमन मिश्रा, निवासी राज परिवहन कॉलोनी, मकान नम्बर 121, बाबूपारा, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ.ग.) के द्वारा अपने पिता स्व0 पदुदमन मिश्रा जो स्वास्थ्य भाग में वाहन चालक के पद पर पदस्थ थे, जिसकी मृत्यु सेवाकाल के दौरान दिनांक 12.05.2022 को हो जाने के कारण उत्तराधिकार प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र अपर कलेक्टर, अम्बिकापुर के न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है जो जॉच हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 14.10.2021 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 26/09/2022 को जारी किया जाता है।

सील तहसीलदार सरगुजा (अम्बिकापुर)

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा,छ0ग0

ईश्तहार

रा.प्र.क्र-.../अ-20(3)/2020-21

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती पुष्पा सोनी पत्नी राजेन्द्र सोनी, उम्र-60 वर्ष, निवासी-ब्रम्हरोड़, तहसील-अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा बताया गया कि आवेदक/विक्रेता श्रीमती पुष्पा सोनी, पत्नी राजेन्द्र सोनी उम्र-60 वर्ष, निवासी-ब्रम्हरोड़,तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा, छ0ग0 के स्वामित्व व हक की मोहल्ला-देवीगंज रोड, अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लॉट नं0 1149/6, 1150/5 रकबा 16X19.7=314 वर्गफिट भूमि स्थित है । उक्त आवेदित नजूल प्लॉट नं01149/6, 1150/5 रकबा 16X19.7=314 वर्गफिट भूमि को आवेदक/विक्रेता श्रीमती पुष्पा सोनी पत्नी राजेन्द्र सोनी, उम्र-60 वर्ष, निवासी- ब्रम्हरोड़, तहसील-अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा, छ0ग0 के द्वारा अनावेदक/क्रेता- अशोक कुमार सोनी आ0 स्वामीनाथ सोनी, उम्र-60 वर्ष, निवासी-बाजार पारा,ग्राम शंकरगढ़, जिला बलरामपुर -रामानुजगंज, छ0ग0 को विक्रय किये जाने हेतु अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करने हेतु आवेदन पत्र तथा आवेदन पत्र के समर्थन में उभय पक्ष का शपथ पत्र व मेन्टेनस की छायाप्रति प्रस्तुत किया गया है।उक्त अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करने पर जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 14/10/2022 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 27/09/2022 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील नजूल अधिकारी अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा,छ0ग0

ईश्तहार

रा.प्र.क्र-.../अ-20(3)/2020-21

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक विपुल कुमार मंदिलवार आ0 स्व0 महेश्वर प्रसाद मंदिलवार, उम्र-55 वर्ष, निवासी- राम मंदिर रोड, ब्रम्हपारा, तहसील-अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा बताया गया की आवेदक/विक्रेता विपुल कुमार मंदिलवार आ0 स्व0 महेश्वर प्रसाद मंदिलवार, उम्र-55 वर्ष निवासी राम मंदिर रोड, ब्रम्हपारा, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा, छ0ग0 के स्वामित्व व हक की मोहल्ला सत्तीपारा, अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लॉट नं0 758/1 रकबा 0.33 एकड़ भूमि स्थित है। उक्त आवेदित नजूल प्लॉट नं0758/1 रकबा 0.33 एकड़ में से रकबा 0.04 एकड़ भूमि को आवेदक/विक्रेता विपुल कुमार मंदिलवार आ0 स्व0 महेश्वर प्रसाद मंदिलवार, उम्र-55 वर्ष निवासी राम मंदिर रोड, ब्रम्हपारा, तहसील-अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा, छ0ग0 के द्वारा अनावेदक/क्रेता- नवनीत सोनी आ0 राजेन्द्र प्रसाद सोनी, उम्र-38 वर्ष, निवासी-सत्तीपारा, ब्रम्हरोड, नगर अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 को विक्रय किये जाने हेतु अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करने हेतु आवेदन पत्र तथा आवेदन पत्र के समर्थन में उभय पक्ष का शपथ पत्र व मेन्टेनस की छायापति प्रस्तुत किया गया है। उक्त अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करने पर जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 14/10/2022 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 27/09/2022 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील नजूल अधिकारी अम्बिकापुर

नेशनल गेम्स में तीसरी बार गोल्ड मेडल के लिए प्रयास करेंगी फेंसर भवानी देवी

गांधीनगर ,27 सितंबर 2022 । ओलंपियन भवानी देवी यहां गुजरात में 36वें नेशनल गेम्स में स्वर्ण पदकों की हैट्रिक पूरी करने के लिए फ्रांस से पूरी यात्रा करने के लिए तैयार हैं। 2015 में पिछले खेलों के बाद से लंबे अंतराल का जिक्र करते हुए, उन्होंने राष्ट्रीय मीडिया के साथ एक बातचीत के दौरान कहा, मैंने नेशनल गेम्स में अपना तीसरा स्वर्ण पदक जीतने के लिए कड़ी मेहनत की है।

उन्होंने आगे कहा, तीन महीने पहले जब मैंने सुना कि गुजरात ने खेलों की मेजबानी के लिए कदम रखा है तो मैं रोमांचित हो गई।

चैंपियन फेंसर ने अपने कारनामों से देश में अकेले ही खेल को लोकप्रिय बनाया है और वह अब गांधीनगर में 30 सितंबर से शुरू होने वाली प्रतियोगिता का और इंतजार नहीं कर सकती।

उन्होंने कहा, नेशनल गेम्स मेरे लिए एक बहुत ही खास प्रतियोगिता है। मैं इसका इंतजार कर रही हूं। इससे भी ज्यादा यह गुजरात में मेरा पहला कार्यक्रम होगा।

उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि पिछले सात वर्षों में भारतीय तलवारबाजी ने एक लंबा सफर तय किया है। इस बार प्रतियोगिता अलग होगी और मैं फिर से अच्छा प्रदर्शन करना चाहती हूं। फरवरी 2015 में वापस, भवानी देवी ने कोच्चि उपनगर, नेदुंबस्सेरी में महिला कृपाण फाइनल में पंजाब की कोमलप्रीत शुक्ला को हराया। इससे पहले, 2011 में रांची में, उन्होंने केरल टीम की अपनी साथी रीथा पुथुसेरी को हराकर अपना पहला स्वर्ण पदक जीता था।

वह पिछले दो नेशनल गेम्स में विजेता केरल टीमों का हिस्सा थीं, क्योंकि वह थालास्सेरी में साई केंद्र में प्रशिक्षण ले रही थीं।

हमारे फुटबॉल खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चमक सकते हैं :पूर्व खिलाड़ी अरुण मल्होत्रा

नई दिल्ली ,27 सितंबर 2022 । पूर्व अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी और अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के नवनिर्वाचित तकनीकी समिति के सदस्य अरुण मल्होत्रा का मानना है कि मौजूदा भारतीय राष्ट्रीय टीम में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चमकने की क्षमता है। ठीक उसी तरह जैसे 20 साल पहले 2002 में वियतनाम के खिलाफ एलजी कप फाइनल में उन्होंने और उनके साथियों ने किया। मल्होत्रा ने कहा, फुटबॉल में आपको शांत रहने के साथ धर्य रखना पड़ता है।हमारे खिलाड़ियों में वियतनाम को हराकर एक बार फिर इतिहास बनाने की क्षमता और प्रतिभा है।

जम्मू-कश्मीर से प्रसिद्धि पाने वाले मल्होत्रा ने कहा, आजकल, भारतीय खिलाड़ी अधिक जागरूक हैं और खेल के प्रति पेशेवर दृष्टिकोण रखते हैं। मुझे उम्मीद है कि हमारी टीम अच्छा प्रदर्शन करेगी और अगले मैच में वियतनाम के खिलाफ जीत हासिल करेगी।मल्होत्रा एलजी कप 2002 में विजेता टीम का हिस्सा थे और उन्होंने यादें साझा कीं है कि कैसे उन्होंने और उनके साथियों ने हो ची मिन्ह सिटी में मेजबान वियतनाम के खिलाफ फाइनल में समीकरण बदल दिया।

उन्होंने कहा, मैं अपने साथियों पर पुरानी यादों के साथ-साथ गर्व महसूस कर रहा हूं कि कैसे हमने एक ऐतिहासिक जीत में एक करीबी हार को बदल दिया। फाइनल में, हम पहले हाफ में वियतनाम के खिलाफ दो गोल पीछे चल रहे थे, लेकिन हमारे कोच स्टीफन कॉन्सटेंटाइन ने कुछ कहा, इसके बाद हाफ टाइम के बाद हमारा खेलने का तरीका बदल गया। मल्होत्रा ने याद करते हुए कहा, वह टूर्नामेंट अब इतिहास है। अब आपने इतिहास को बदलने के लिए दूसरे हाफ में अपनी सारी ऊर्जा और बुद्धि एक साथ लगा दी।

एफसी गोवा ने इंडियन सुपर लीग के लिए 27 सदस्यीय टीम घोषित की

पणजी,27 सितंबर 2022 ।एफसी गोवा ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) फुटबॉल टूर्नामेंट के आगामी सत्र के लिए 27 सदस्यीय टीम घोषित की जिसमें राज्य के 10 खिलाड़ी भी शामिल हैं। एफसी गोवा की टीम में छह विदेशी खिलाड़ी हैं जिसमें एक एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) सदस्य देश का है। लीग के नियमों के अनुसार टीम में कम से कम चार अंडर-23 खिलाड़ी होने चाहिए लेकिन एफसी गोवा की टीम में ऐसे नौ खिलाड़ी मौजूद हैं। टीम के कोच की भूमिका एफसी गोवा के पूर्व खिलाड़ी कार्लोस पेना निभाएंगे जबकि कप्तानी की जिम्मेदारी ब्रेंडन फर्नांडिस को सौंपी गई है।

आईएसएल के नौवें सत्र की शुरुआत सात अक्टूबर से होगी। टीम इस प्रकार है- गोलकीपर- धीरज सिंह, अर्शदीप सिंह, ऋतिक तिवारी डिफेंडर- सेनसन परेरा, अनवर अली, फेयर्स आर्नोत, लिएंडर डिकुन्हा, मार्क वैलिएंट, सेरीटन फर्नांडिस, सेवियर गामा, ऐबानभा डोहलिंग, लेस्ली रेबेलो मिडफील्डर- ब्रेंडन फर्नांडिस (कप्तान), प्रिंसटन रेबेलो, आयुष छेत्री, फ्रांगकी बुआम, माकन चोथे, रिडीम तलांग, एडु बेदिया, ग्लेन मार्टिंस, ब्रिसन फर्नांडिस, मोहम्मद नेमिल, लालरेमरुआता एचपी फारवर्ड- नूह सदाउई, देवेंद्र मुरगांवकर, इकर ग्वारोट्सेना, अल्वारो वाजक्वेज कोचिंग स्टाफ- कार्लोस पेना (मुख्य कोच) गौरमांगी सिंह (सहायक कोच), गोरका अजकोरा (सहायक कोच), जोएल डोन्स (स्ट्रैंथ एवं कंडीशनिंग कोच), एडवर्ड कैरेरा (गोलकीपिंग कोच)।

आईसीसी रैंकिंग में पांचवें स्थान पर हरमनप्रीत

स्मृति मंधाना और दीप्ति शर्मा की रैंकिंग में भी सुधार

दुबई ,27 सितंबर 2022 । इंग्लैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करने वाली भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर आईसीसी महिला वनडे खिलाड़ियों की रैंकिंग में पांचवें स्थान पर पहुंच गई। इंग्लैंड को 3 . 0 से हराने के बाद भारतीय खिलाड़ियों की रैंकिंग में काफी सुधार हुआ है। हरमनप्रीत ने दूसरे मैच में 111 गेंद में नाबाद 143 रन बनाये थे। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और दीप्ति शर्मा की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है। मंधाना एक पायदान चढकर छठे और शर्मा आठ पायदान चढकर 24वें स्थान पर पहुंच गई। पूजा वस्त्राकर चार पायदान चढकर 49वें स्थान पर है और हरलीन देयोल 46 पायदान चढकर 81वें स्थान पर है। रेणुका सिंह 35 पायदान चढकर 35वें स्थान पर पहुंच गई है। झूलन गोस्वामी पांचवीं पायदान से रिटायर हुई हैं। इंग्लैंड की डैनी वियाट दो पायदान चढकर 21वें स्थान पर है जबकि एमी जोंस चार पायदान चढकर 30वें स्थान पर है।चार्ली डीन 24 पायदान चढकर 62वें स्थान पर पहुंच गई है।

भारत में अब तक शेर है एसए

नई दिल्ली ,27 सितंबर 2022 । भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच टी20 सीरीज का आगाज 28 सितंबर से हो रहा है। सीरीज का पहला मुकाबला ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम, तिरुवनंतपुरम में खेला जाएगा। वहीं दूसरा मैच 2 अक्टूबर को गुवाहाटी में और आखिरी टी20 4 अक्टूबर को इंदौर में खेला जाएगा। टीम इंडिया ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया को टी20 सीरीज में 2-1 से हराकर सीरीज पर कब्जा जमाया है। ऐसे में रोहित शर्मा एंड कंपनी के हौसले बुलंद हैं। भारत आज तक घर में दक्षिण अफ्रीका को एक भी टी20 सीरीज नहीं हरा पाया है। ऐसे में हिटमैन के पास इस बार इतिहास रचने का मौका है

भारत में खेलीं 3 टी20 सीरीज भारतीय जमीं पर इंडिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच अब तक 3 टी20 सीरीज खेली गई हैं। इस दौरान खेले गए 9 मैचों में से भारत ने 3 और अफ्रीकी टीम ने 5 में जीत हासिल की है, वहीं 1 मुकाबला बेनतीजा भी रहा है। साल 2015-16 में अफ्रीकी टीम भारत दौरे पर आई थी, इस दौरान 2 टी20 मैचों की सीरीज खेली गई थी। भारत सीरीज का एक भी मैच नहीं जीत सका था। साल 2019-20 में प्रोटियाज ने भारत का दौरा किया था, इस दौरान 2 टी20 खेले गए थे। दोनों ही टीमों ने 1-1 मुकाबले में जीत दर्ज की थी। वहीं इसी साल जनवरी में एसए ने भारतीय जमीं पर 5 टी20 मैचों की सीरीज खेली थी। दोनों ही टीमों ने 2-2 मैच जीते थे, वहीं 1 मुकाबला बेनतीज रहा था।

भारतीय जमीं पर दोनों टीमों के बीच खेली गई टी20 सीरीज एसए का भारत दौरा पहला टी20, 2 अक्टूबर 2015- दक्षिण अफ्रीका 7 विकेट से जीता दूसरा टी20, 5 अक्टूबर 2015- दक्षिण अफ्रीका 6 विकेट से जीता ऱ्र का भारत दौरा पहला टी20, 18 सितंबर 2019- भारत 6 विकेट से जीता दूसरा टी20, 22 सितंबर 2019- दक्षिण अफ्रीका 9 विकेट से जीता एसए का भारत दौरा पहला टी20, 9 जनवरी 2022- दक्षिण अफ्रीका 7 विकेट से जीता दूसरा टी20, 12 जनवरी 2022- दक्षिण अफ्रीका 4 विकेट से जीता तीसरा टी20, 14 जनवरी 2022- भारत 48 रन से जीता चौथा टी20, 17 जनवरी 2022- भारत 82 रन से जीता पांचवां टी20, 19 जनवरी 2022- बेनतीजा टी20 सीरीज का शेड्यूल

टी20 सीरीज का शेड्यूल पहला टी20- 28 सितंबर- तिरुवनंतपुरम दूसरा टी20- 2 अक्टूबर- गुवाहाटी तीसरा टी20- 4 अक्टूबर- इंदौर

दोनों टीमें इस प्रकार हैं दक्षिण अफ्रीका- टेम्बा बावुमा (कप्तान), क्विंटन डी कॉक, रीजा हेंड्रिक्स, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज , एडेन मार्कराम, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी, एनरिक नॉर्टजे, वेन पार्नेल, ड्वेन प्रीटोरियस, कैगिसो रबाडा, रिले रोसौ, तबरेज़ शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स। भारतीय टीम- रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत, दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), शाहबाज अहमद, आर अश्विन, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, अर्शदीप सिंह, उमेश यादव, हर्षल पटेल, दीपक चाहर, जसप्रीत बुमराह।

भारत पहुंचे गेल,गुजरात जायंट्स के लिए एक्शन में दिखेंगे

कटक ,27 सितंबर 2022 । अदाणी स्पोर्ट्सलाइन के स्वामित्व वाले गुजरात जायंट्स को यूनिवर्स बॉस क्रिस गेल के आने से बड़ा बल मिला है। गेल कटक के बाराबती स्टेडियम में होने वाले लीजेंड्स लीग क्रिकेट मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे। इंटरनेशनल क्रिकेट में गेंदबाजों पर हावी रहने वाले दो विस्फोटक बल्लेबाज, गेल और वीरेंद्र सहवाग गुजरात की टीम के लिए पारी की शुरूआत करेंगे। फैंस के पास इन दो दिग्गजों को गेंदबाजों की धुनाई करते हुए देखने का शानदार मौका होगा। दुनिया के सबसे महान टी20 बल्लेबाजों में से एक गेल के नाम सबसे ज्यादा टी20 छक्के लगाने का रिकॉर्ड है। वेस्टइंडीज के इस तेजतर्रार खिलाड़ी ने 463 मैचों में 1056 छक्के लगाए हैं। भारत में पहली बार आयोजित हो रहे लीजेंड्स लीग क्रिकेट ने दुनिया भर के दिग्गज क्रिकेटरों की उपस्थिति में शानदार क्रिकेटिंग एक्शन के साथ प्रशंसकों का मनोरंजन करना जारी रखा है। सहवाग की अगुवाई वाली गुजरात जायंट्स फिलहाल चार मैचों में पांच अंकों के साथ अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है। हालांकि, उसके पास इरफान पठान की एलएनजे भीलवाड़ा किंग्स को हराकर नंबर-1 स्थान हासिल करने का मौका होगा।

सभी 8 फ्रेंचाइजी ने अबु धाबी टी10 में टीमों को दिया अंतिम रूप

अबु धाबी 27 सितंबर 2022 ।अबु धाबी टी10 के छठे सीजन की शुरुआत 23 नवंबर को जायद क्रिकेट स्टेडियम में होगी। यहां आठ फ्रेंचाइजी ने अपनी-अपनी टीमों को अंतिम रूप दे दिया है। टूर्नामेंट में दो नई फ्रेंचाइजी, जिसमें न्यूयॉर्क स्ट्राइकर्स और मॉरिसविले एसएएमपी आर्मी को शामिल किया गया है।

टूर्नामेंट का फाइनल चार दिसंबर को खेला जाएगा।डिफेंडिंग चैंपियन डेक्कन ग्लैडिएटर्स ने आंद्रे रसेल, मुजीब उर रहमान, डेविड विसे, टॉम कोहलर-कैडमोर, ल्यूक वुड, ओडियन स्मिथ, जोश लिटिल, विल स्मीड, जहीर खान, कर्टिस कैंपर, जहूर खान, आदिल मलिक, सुल्तान अहमद, जेसन रॉय और तस्कीन अहमद जैसे कुछ प्रतिभावान खिलाड़ियों के साथ करार किया है।

बांग्ला टाइगर्स, शाकिब अल हसन के साथ उनके आइकन खिलाड़ी के रूप में, एविन लुईस, कॉलिन मुनरो, हजरतुल्लाह जजई, जो क्लार्क, बेनी हॉवेल, बेन कटिंग, मोहम्मद आमिर, मथीशा पथिराना, नूरुल हसन, मृत्युंजय चौधरी, रोहन मुस्तफा, चिराग सूरी, उमैर अली, डैन क्रिश्चियन और जेक बॉल की सेवाएं हासिल कर चुके हैं।

आइकन खिलाड़ी के रूप में ड्वेन ब्रावो के साथ, दिल्ली बुल्स ने टिम डेविड, रिले रोसौव, रहमानुल्ला गुरबाज, फजलहक फारूकी, विल जैक, डोमिनिक ड्रेक्स, नजीबुल्लाह जादरान, रिचर्ड ग्लीसन, कीमो पॉल, मिशेल स्टेनली, शिराज अहमद, करनाल जाहिद, अयान खान, इमाद वसीम और जॉर्डन कॉक्स जैसे खिलाड़ियों को अपने साथ लाए हैं।

दासुन शनाका चेन्नई ब्रेव्स टीम में सुर्खियों में हैं, जिन्होंने कार्लोस ब्रैथवेट, भानुका राजपक्षे, ओबेद मैककॉय, महेश थीक्षाना, ओली स्टोन, बेन डकेट, सैम कुक, सिकंदर रजा, रॉस व्हाइटली, कोबे हर्फ्ट, कार्तिक मेयप्पन, वृत्य, अरविंद, साबिर राव, लॉरी इवांस और जेम्स फुलर को जोड़ा है।

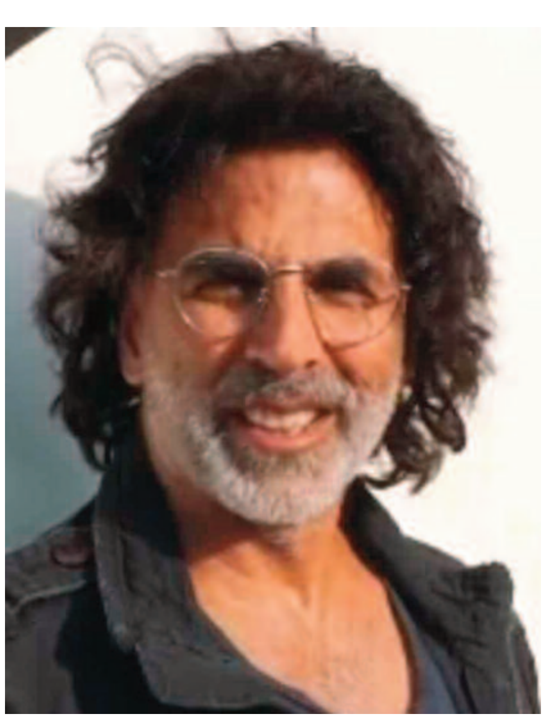

सफेद दाढ़ी,बिखरे बालों में दिखे अक्षय

बच्चन पांडे, पृथ्वीराज, रक्षाबंधन के बाद अब अक्षय कुमार जैकलीन फर्नांडीस और नुसरत भरुचा के साथ मिलकर लेकर आ रहे है राम सेतु। फिल्म का आज टीजर रिलीज किया जा चुका है। जो काफी दमदार है और काफी हद तक कहानी को भी समझने में मदद करती है। टीजर से पहले अक्षय कुमार ने फिल्म से अपना पोस्टर रिलीज किया था जिसमें वो एकदम अलग लुक में नजर आए थे। अब टीजर में उनका लुक और एक्शन शानदार लग रहा है।

इंस्टाग्राम पर 'राम सेतु' के टीजर को जारी करते हुए अक्षय कुमार ने कैप्शन में लिखा, राम सेतु की पहली झलकज्जस्ट फॉर यू। बहुत प्यार से बनाया है, उम्मीद है आपको पसंद आएगा। बताना ज़रूर।रोमांचकारी टीजर में अक्षय सफेद दाढ़ी और बिखरे हुए लंबे बालों में एक्शन मोड में नजर आ रहे हैं। टीजर उनके साथ ही बाकि कास्ट की झलक भी दिखाई गई है। फिल्ममेकर अभिषेक शर्मा के निर्देशन में बनी यह फिल्म 25 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।बता दें कि यह फिल्म अक्षय की कंपनी केप ऑफ गुड फिल्म्स के साथ-साथ अमेजन प्राइम वीडियो, अबुदंतिया एंटरटेनमेंट और लाइका प्रोडक्शंस में बनी है।'राम सेतु' एक एक्शन-एडवेंचर ड्रामा है, जो एक आर्केलॉजिस्ट आर्यन कुलश्रेष्ठ (अक्षय कुमार) की कहानी है, जो यह जांचता है कि राम सेतु एक मिथक है या वास्तविकता। फिल्म में अक्षय, नुसरत और जैकलीन के अलावा सत्यदेव कंचरण और एम. नासिर भी प्राथमिक भूमिकाओं में हैं।इस साल बॉलीवुड के खिलाड़ी अक्षय कुमार की बच्चन पांडे, रक्षाबंधन, पृथ्वीराज, कठपुतली रिलीज हुई लेकिन किसी भी फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है। ऐसे में अक्षय कुमार को अपनी फिल्म राम सेतु से काफी उम्मीद है। अक्षय कुमार 'राम सेतु' के अलावा फिल्म 'ओएमजी 2' में यामी गौतम, पंकज त्रिपाठी और अरुण गोविल के साथ नजर आएंगे। इसके अलावा टाइगर श्रॉफ के साथ 'बड़े मियां छोटे मियां', इमरान हाशमी के साथ 'सेल्फी' और फिल्म गोरखा, कैप्सूल गिल में दिखने वाले हैं।

शॉर्ट ड्रेस पहन अनुषा दांडेकर ने मचाई सनसनी

मशहूर एक्ट्रेस और वीडियो जोकी अनुषा दांडेकर हमेशा ही अपने रियलिटी शोज और निजी जिंदगी के कारण चर्चा में रही हैं. फिलहाल तो पिछले कुछ समय से अनुषा अपनी बोल्डनेस के कारण हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच रही हैं. लगभग हर दिन एक्ट्रेस का एक नया और सिजलिंग अवतार देखने को मिल जाता है. बेशक उन्होंने अपने अभिनय से कोई खास मुकाम हासिल न किया हो, लेकिन वह अपने बोल्ड और हॉट लुक्स के कारण खबरों का हिस्सा बनी रहती हैं.

अनुषा सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहने लगी हैं. इस दौरान लगातार वह फैंस के साथ अपने नए फोटोशूट की झलक शेयर कर रही हैं. कई बार अनुषा की बेबाकी देख फैंस भी हैरान रह जाते हैं. हालांकि, इस कारण इंस्टाग्राम पर उनके फॉलोअर्स की लिस्ट भी लगातार बढ़ती जा रही है. अब एक्ट्रेस ने फिर से अपने लेटेस्ट फोटोशूट की झलक दिखाई है.

इंस्टाग्राम पर शेयर की गई तस्वीरों में उन्हें ग्रीन कलर की शॉर्ट ड्रेस पहने देखा जा सकता है. अनुषा ने साथ ही अपने लुक को एक पेंडेंट से पेयर किया है. लुक को कंप्लीट करने के लिए एक्ट्रेस ने डेवी शीन मेकअप किया है और वेवी ओपन हेयर स्टाइल रखा है. इस लुक में वह कहर ढा रही हैं. फोटोज में वह अलग-अलग अदाएं दिखाती नजर आ रही हैं.

इस लुक में वह काफी सेक्सी लग रही हैं. तस्वीरों को देख नहीं कह सकता कि अनुषा 40 साल की हैं. इस लुक में अनुषा से नजरें हटाना भी मुश्किल हो गया है. अब अनुषा का ये लुक तेजी से फैंस के बीच वायरल हो रहा है. जहां एक ओर फैंस उनके इस अवतार को देख हैरान हो रहे हैं. वहीं उनके इतनी बोल्डनेस पर भी फिदा हो गए हैं.

गन्स एंड गुलाब्स में 90 के दशक का रोमांस

लाइट्स, कैमरा और एक्शन! अभिनेता राजकुमार राव और दुलकर सलमान आगामी नेटफ्लिक्स सीरीज गन्स एंड गुलाब में 90 के दशक की शैली को वापस लाते हैं। राज निदिमोरु और कृष्णा डी.के. द्वारा आगामी सीरीज का टीजर स्ट्रीमिंग दिग्गज टुडम 2022 इवेंट में अनावरण किया गया, जिसने मेजबान जाकिर खान और प्राजक्ता कोली के साथ अपनी भारतीय कंटेंट की घोषणा की।44 सेकंड के ट्रेलर की शुरूआत कैसेट प्लेयर से होती है, जिसके बैकग्राउंड में 90 के दशक का संगीत बज रहा होता है। इसमें राजकुमार, दुलकर और अभिनेता आदर्श गौरव को भी दिखाया गया है जो 90 के दशक के स्टाइल फैशन में हैं।जल्द ही, राजकुमार को यह कहते हुए सुना जाता है, दुनिया मैं दो किसम के लोग होते हैं, एक जो आप हो और एक वो जो आपके अंदर होता है। और कसम पैदा करने वाले की . उसको अंदर ही होना चाहिए।

दुनिया के मिसफिट्स से प्रेरित, गन्स एंड गुलाब एक ऐसी कहानी है जो अपराध की दुनिया में स्थापित प्यार और मासूमियत को दर्शाती है। यह सीरीज 90 के दशक के रोमांस को एक क्राइम थ्रिलर के साथ अद्वितीय रूप से मिश्रित करने के लिए तैयार है, जबकि इसे सहजता से हास्य में रखा गया है। अपनी आगामी जनी, पपी सीरीज के बारे में बात करते हुए, टीम गन्स एंड गुलाब ने कहा, इस कॉमिक क्राइम थ्रिलर को बनाने के लिए कुछ बेहतरीन अभिनेताओं और क्रू के साथ काम करना मजेदार था! और हमें यकीन है कि दर्शक इसे देखना पसंद करेंगे क्योंकि हमें इसे बनाने में मजा आया।

छत्तीसगढ़ की संस्कृति,यहां के उन्मुक्त जीवन और ऐतिहासिक महत्व को दुनिया में बताने की आवश्यकता:मुख्यमंत्री बघेल

विश्व पर्यटन दिवस पर टूरिज्म कान्क्लेव 2022 में शामिल हुए मुख्यमंत्री

रायपुर, 27 सितम्बर 2022। विश्व पर्यटन दिवस पर टूरिज्म कान्क्लेव 2022 में शामिल हुए मुख्यमंत्रीएक समय था जब छत्तीसगढ़ का नाम लेते हुए लोगों के जेहन में सिर्फ खनिज संसाधन और नक्सलियों का ख्याल आता था, लंबे समय तक छत्तीसगढ़ का पर्यटन उपेक्षित रहा और नया राज्य बनने के बाद भी पूरा ध्यान सिर्फ नक्सल समस्या पर ही था। जबकि छत्तीसगढ़ में इतना सब कुछ है कि सिर्फ प्रकृति से मिले उपहारों को ही हम व्यवस्थित कर लें तो यह स्थान पर्यटकों की पहली पसंद बन जाएगा और हमारी सरकार इसी बात पर निरंतर काम कर रही है। यह उद्बोधन मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर रायपुर में आयोजित टूरिज्म कान्क्लेव 2022 के आयोजन के दौरान कही।

विश्व पर्यटन दिवस पर टूरिज्म कान्क्लेव 2022 में शामिल हुए मुख्यमंत्रीमुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने एक बड़ी घोषणा करते हुए राजीव गांधी मितान क्लब के सदस्यों को पर्यटन संबंधी प्रशिक्षण दिलाने की बात कही है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि छत्तीसगढ़ के युवा जब पर्यटन के प्रति जागरूक होंगे तो प्रदेश के पर्यटन को और ज्यादा बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री ने अपने उद्बोधन में कहा है कि छत्तीसगढ़ एक ऐसा प्रदेश है जिसकी गैर मौजूदगी में रामायण जैसी पौराणिक कथा भी अधूरी रह जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्री राम ने अपने वनवास का अधिकतर समय छत्तीसगढ़ में ही गुजारा और यहीं पर उनकी मां कौशल्या निवास करती थीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरी दुनिया में छत्तीसगढ़ ही एक मात्र ऐसा राज्य है जहां देवताओं को भी सजा देने का प्रावधान है, लिहाजा छत्तीसगढ़ के बारे में पूरी दुनिया को बताने की जरूरत है ताकि लोग यहां की सभ्यता और संस्कृति को जानें।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा है कि छत्तीसगढ़ में पर्यटन की असीम संभावनाएं हैं। कोरोना काल होने के बाद भी उनकी सरकार ने छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों तक पहुंचने और वहां ठहरने के इंतजाम में बढ़ोत्तरी की है ताकि पर्यटकों को ज्यादा से ज्यादा सहूलियत मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा है कि छत्तीसगढ़ के समृद्ध परंपरा को दुनिया के मानचित्र में लाने की जरूरत है और इसके लिए छत्तीसगढ़ के पास सब कुछ है जिसे अपनाते हुए पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए वर्तमान सरकार निरंतर काम कर रही है। इस मौके पर राज्य के पर्यटन मंत्री श्री ताम्रध्वज साहू ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति प्रकृति से जुड़कर रहना चाहता है और छत्तीसगढ़ पर्यटन विभाग इसी दिशा में काम कर रहा है। श्री साहू ने कहा कि कोरोना संकट होने के बाद भी छत्तीसगढ़ में ट्राइबल टूरिज्म सर्किट तैयार किया गया और मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के निर्देश पर राम वन गमन परिपथ पर भी काम शुरू किया गया। संसदीय सचिव श्री चिंतामणि सिंह से मिले सुझाव को स्वीकार करते हुए पर्यटन मंत्री श्री साहू ने प्रदेश की सबसे ऊंची चोटी गौरलाटा को भी पर्यटन के लिहाज से विकसित करने के लिए ध्यान देने की बात कही है। पर्यटन मंडल के अध्यक्ष श्री अटल श्रीवास्तव ने टूरिज्म कान्क्लेव में अपनी बात रखते हुए कहा कि आज युवा वर्ग की मांग को ध्यान देने की आवश्यकता है क्योंकि ज्यादातर युवा पर्यटन को पसंद करने लगे हैं। श्री श्रीवास्तव ने कहा है कि पर्यटन मंडल द्वारा छत्तीसगढ़ में एग्रो टूरिज्म को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है ताकि लोग गांव और किसानों से भी जुड़ सकें।

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ में 58% आरक्षण मामले में 3 वरिष्ठ वकीलों का विशेषज्ञ पैनल सुप्रीम कोर्ट में रखेगा राज्य का पक्ष

रायपुर, 27 सितम्बर 2022। छत्तीसगढ़ के 58% आरक्षण मामले में पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल, मुकुल रोहतगी और अभिषेक मनु सिंघवी छत्तीसगढ़ सरकार की पैरवी सुप्रीम कोर्ट में करेंगे। राज्य सरकार ने इन तीनों दिग्गज वकीलों को विशेष पैनल में नियुक्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

सरकार अब जल्द ही उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील करेगी। बता दें कि बिलासपुर हाईकोर्ट ने 19 सितम्बर को अपने फैसले में छत्तीसगढ़ के 58% आरक्षण को असंवैधानिक बता दिया था। जिसके कारण अब अनुसूचित जनजाति का आरक्षण 32% से घटकर 20% हो गया। वहीं अनुसूचित जाति का आरक्षण 12% से बढ़कर 16% हो गया। जिसके कारण प्रदेश में जमकर बवाल मचा हुआ है।

इस मामले में सीएम भूपेश बघेल ने कहा था, "12 साल पहले भाजपा ने बगैर तैयारी के ही आरक्षण बढ़ाया था। मगर आरक्षण बढ़ाने का औचित्य कोर्ट के सामने साबित नहीं कर पाए। जिसका खामियाजा अब लोगों को भुगतना पड़ा है। इस फैसले का अध्ययन करने के बाद हम सर्वोच्च न्यायालय जाएंगे।' जिसके बाद यह जानकारी सामने आ रही है कि छत्तीसगढ़ ने सर्वोच्च न्यायालय जाने की तैयारी कर ली है।

राखी थाना इलाके में सट्टा खिलाते राजा गवली गिरफ्तार

रायपुर, 27 सितम्बर 2022। दोपहर बाद प्राप्त मुखबीर सूचना की तस्दीक करते हुए स्टोरिया, राजा गवली पिता मोहन गवली यादव उम्र करीब 42 साल निवासी बैरन बाजार, फव्वारा चौक रायपुर को घटनास्थल सतनाम चौक राखी के पास सट्टा पट्टी से जुआ खिलाते रंगे हाथ पकड़े जाने पर उसके कब्जे से नगद रुपए 5150/- के साथ 11नग सट्टा -पट्टी एवं एक नग पेन सबूत में जप्त कर धारा 4 (क) जुआ अधि0 के तहत कार्यवाही की गई, साथ ही आरोपी के विरुद्ध प्रतिबंधक कार्यवाही करते हुए धारा 151, 107 , 116(3) जा0 फो 0 तहत गिरफ्तार कर कार्यपालिक दंडाधिकारी अभनपुर के समक्ष पेश किया गया।

मां दंतेश्वरी के छत्र को रथारूढ़ कर फूल रथ की पहली परिक्रमा पूरी की गई

जगदलपुर, 27 सितंबर 2022। बस्तर दशहरा में मां दंतेश्वरी की छत्र को रथारूढ़ कर फूल रथ की पहली परिक्रमा मंगलवार की देर शाम को पूरी की गई। रियासत कालीन परम्परानुसार मां दंतेश्वरी के छत्र को दुमंजिला फूल रथ में आरूढ़ करवाया गया, जिसके उपरांत जिला पुलिस बल के जवानों द्वारा हर्ष फायर कर सलामी देने के बाद फूल रथ परिक्रमा रथ परिक्रमा मार्ग से होते हुए मां दंतेश्वरी के सिंहद्वार के सामने पंहुचने के बाद मां दंतेश्वरी के छत्र को रथ से उतारकर मंदिर में स्थापित किया गया। फूल रथ की परिक्रमा अनवरत पांच दिनों तक अर्थात 02 अक्टूबर तक जारी रहेगा।बस्तर दशहरा के दुमजिला रथ को फूलों से सुसज्जित कर श्रीजगन्नाथ मंदिर के उत्तर द्वार में लाया गया जहां से फूल रथ परिक्रमा मां दंतेश्वरी के छत्र को रथारूढ़ कर प्रारंभ की गई।

रायपुर एम्स के मेडिकल स्टाफ की बस गड्ढे में पलटी,नर्सिंग ऑफिसर की मौत,12 घायल

रायपुर, 27 सितम्बर 2022। छत्तीसगढ़ से अभी-अभी बड़ी खबर सामने आ रही है। जानकारी मिली है कि नर्सिंग स्टाफ से भरी एक बस सड़क से नीचे पानी में भरे गड्ढे में पलट गई। हादसे में एक की मौत हो गई, जबकि 12 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। बता दें कि यह घटना जगदलपुर नेशनल हाइवे के भानुपुरी थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक, रायपुर AIIMS के 15 से ज्यादा मेडिकल स्टाफ घूमने के लिए बस्तर जगदलपुर जा रहे थे। अचानक ही सुबह 8 बजे के

बीच उनकी निजी बस के ड्रायवर को झपकी आ गई और बस अनियंत्रित होकर बिजली के पोल से टकराते हये सड़क किनारे पानी के गड्ढे में जा पलटी। हादसा इतना जबरदस्त था कि बस के परखच्चे उड़ गए। वहीं एक नर्सिंग ऑफिसर की मौत हो गई, 12 अन्य घायल हो गए।

इधर घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची जगदलपुर पुलिस ने घायलों को 108 एम्बुलेंस के सहारे डीमरापाल मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। अस्पताल में घायलों का उपचार जारी है।

रिश्वत लेते सब इंजीनियर गिरफ्तार

एन्टी करप्शन ब्यूरो की कार्यवाही

बीजापुर, 27 सितंबर 2022। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में एसीबी ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई की है। यहां एक सब इंजीनियर को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। सब इंजीनियर पर आरोप है कि उसने हार्डवेयर संचालक से माल सप्लाई व बिलिंग क्लियर करने के नाम पर रिश्वत ली। एसीबी ने रिश्वतखोर सब इंजीनियर को गिरफ्तार कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार बीजापुर के नगर पंचायत भैरामगढ़ में एसीबी ने यह कार्रवाई की है। सप्लायर बालाजी हार्डवेयर के प्रोपराइटर लव कुमार रायडू ने सब इंजीनियर मुकेश कुमार साव काम के एवज में 3 लाख 70 हजार रुपए रिश्वत मांगी थी। इस मामले में लव कुमार रायडू ने एसीबी से शिकायत कर दी। इसके बाद प्लानिंग के साथ एसीबी ने रेड की। रायडू को 50 हजार रुपए देकर भेजा गया। जब सब इंजीनियर मुकेश कुमार साव ने पैसे लिए उसी समय एसीबी की टीम पहुंची और उसे रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

इस तारीख को होगा एसआई परीक्षा, ऑनलाइन फार्म भरना जरुरी

रायपुर, 27 सितम्बर 2022। 2018 में पुलिस विभाग में उप निरीक्षक,सब सूबेदार,प्लाटून कमांडर, उप निरीक्षक विशेष शाखा, उप निरीक्षक अंगुल चिन्ह, उप निरीक्षक प्रश्नाधिन दस्तावेज, उप निरीक्षक कम्प्यूटर व उप निरीक्षक पाए गए। जबकि 78117 अभ्यर्थी बाहर हो गए।

व्यापम ने 2018 से विज्ञापित उप निरीक्षक, प्लाटून कमांडर,सूबेदार समेत 8 पदों के लिए विज्ञापित पदों के लिए लिखित परीक्षा की तिथि घोषित कर दी गयी है। शारीरिक दक्षता परीक्षा में क्वालीफाई कर चुके अभ्यर्थियों को ऑनलाइन माध्यम से लिखित परीक्षा में शामिल होने हेतु आवेदन करना होगा। सभी

रेडियो के लगभग साढ़े 6 सौ पदों पर वेकेंसी निकली थी। 4 सालों तक फार्म भराने के बाद भी परीक्षा की प्रक्रिया शुरू नहीं हो पाई थी। लगभग चार सालों बाद पदों की संख्या को बढ़ाते हुए 975 कर दिया गया। और नए अभ्यर्थियों को भी फार्म भरने का मौका दिया गया। जिसके बाद जून माह से दस्तावेजों का परीक्षण व शारीरिक माप परीक्षण का आयोजन 5 जुलाई तक चला। परीक्षा हेतु 148858 आवेदकों ने फार्म भरे थे। जिसमें से 70741 अभ्यर्थी पात्र कलेक्टरों को व्यापम ने तय परीक्षा तिथि में परीक्षा आयोजन की तैयारियां करने के निर्देश दिए हैं।

अब परीक्षा की संभावित तिथि 6 नवंबर व्यापम ने घोषित कर दी है। पात्र पाए गए अभ्यर्थियों को 26 सितंबर से 16 अक्टूबर तक के vyapam. cgstate.gov. in पर फार्म भरने होंगे। जो कि पूर्णतः निशुल्क होगी। 28 अक्टूबर को प्रवेश पत्र व्यापम की वेबसाइट में जारी किये जायेंगे। परीक्षा केंद्र पांचो संभाग मुख्यालयों में बनाये गए है।

राज्य शासन ने वन सेवा के 19 अधिकारियों के किये तबादले

रायपुर, 27 सितंबर 2022। क्रमांक एफ 1-26/2022/10-1/1 के तहत संयुक्त सचिव राज्य वन जलवायु परिवर्तन विभाग देवेंद्र सिंह भारद्वाज द्वारा जारी आदेश के अनुसार राज्य वन सेवा के 19 अधिकारियों के तबादले यथानुसार किये गये हैं। जारी आदेश के अनुसार आर.एस. मरकाम को वृत्त कार्यालय कांकेर से उपवन मंडलाधिकारी, अवधेश सिंह उपवन मंडलाधिकारी कांकेर से मानपुर वनमंडल राजनांदगांव, ए.एल. खुटे यउपवन मंडलाधिकारी मानपुर से खैरागढ़ वनमंडल, देवेन्द्र गोंड़ उपवन मंडलाधिकारी खैरागढ़ से बीजापुर वनमंडल, पी.एन.आर. नायडू उपवन मंडलाधिकारी बीजापुर से भोपालपट्टनम वनमंडल बीजापुर, निविश राउट उपवन मंडलाधिकारी भोपालपट्टनम वनमंडल बीजापुर से जांजगीर चांपा वनमंडल, लक्ष्मी नारायण उपवन मंडलाधिकारी घरघोड़ा वनमंडल रायगढ़ से मनेंद्रगढ़ वनमंडल, मनोज कुमार विश्वकर्मा उपवन मंडलाधिकारी वनमंडल

मनेंद्रगढ़ से घरघोड़ा वनमंडल रायगढ़, आई.पी. गेन्ड्रे सहायक वनसंरक्षक भानुप्रतापपुर पूर्व वन मंडल से उपवनमंडलाधिकारी पूर्व भानुप्रतापपुर, अर्जुन कुमार विंध्यराज उपवनमंडलाधिकारी सरायपाली वनमंडल महासमुंद से अधीक्षक गोमर्डा अभयारण्य सारंगढ़ वनमंडल रायगढ़, अशोक कुमार तिवारी उपवन मंडलाधिकारी राजपुर वनमंडल बलरामपुर से उपवन मंडलाधिकारी बलरामपुर वनमंडल, रविशंकर लाल श्रीवास्तव संलग्नाधिकारी वनमंडल बलरामपुर से उपवनमंडलाधिकारी राजपुर वनमंडल बलरामपुर, संजय त्रिपाठी उपवनसंरक्षक कार्यालय प्रमुख वन संरक्षक छत्तीसगढ़ वनारायपुर से उपवनमंडलाधिकारी कटघोरा वनमंडल, राकेश चौबे उपवन मंडलाधिकारी नगरी वनमंडल धमतरी से उपवन मंडलाधिकारी कसडोल वनमंडल बलौदाबाजार, विनोद सिंह ठाकुर उपवन मंडलाधिकारी कसडोल वनमंडल बलौदाबाजार से उपवन मंडलाधिकारी नगरी वनमंडल धमतरी, संचित शर्मा उपवन मंडलाधिकारी जांजगीर चांपा से सहायक वनसंरक्षक कार्यालय आयोजनावृत बिलासपुर, एस.बी. पाण्डेय उपवन मंडलाधिकारी सीतापुर वनमंडल सरगुजा से उपवन मंडलाधिकारी कुनकुरी वनमंडल जशपुर, नवीन निराला उपवन मंडलाधिकारी कुनकुरी वनमंडल जशपुर से उपवन मंडलाधिकारी पेंड्रावनमंडल मरवाही, जीवन लाल सिन्हा उपवन मंडलाधिकारी दक्षीराजहरा वनमंडल बालोद से सहायक वनसंरक्षक कार्यालय आयोजना वनमंडल सरगुजा।

धरना जलसा रैली आदि में एंबुलेंस को साइड नहीं देने पर अब लगेगा 10 हजार रुपये जुर्माना

रायपुर, 27 सितंबर 2022। रायपुर सहित प्रदेश के प्रमुख शहरों में इन दिनों नवरात्रि उत्सव की धूम है। तेज आवाज बजते डीजे के साथ ही मरीज के जीवन को बचाने के लिए सड़कों पर एंबुलेंस को साइड न देकर आम लोग मरीज के जीवन से खेल रहे हैं। नवरात्रि के प्रथम दिवस ही सोमवार को शाम सात बजे के आसपास विधायक बृजमोहन अग्रवाल के आवास से लेकर टर्निंग पाइंट तक आरएनएस प्रतिनिधि ने तीन एंबुलेंस को ओवरब्रिज सहित अन्य स्थानों में लंबे जाम में फंसे हुए देखा। भक्ति के रौ में भजन पर झूमते श्रद्धालुओं को इस बात का भी अहसास नहीं था कि तीनों एंबुलेंसों में मरीज को लेकर अस्पताल जल्दी पहुंचना था। शहर की यातायात व्यवस्था की जिम्मेदारी उठाने वाले यातायात जवान एवं निरीक्षक भी विभिन्न अवसरों पर चौक चौराहों पर फंसी एंबुलेंस को क्लीयर करने में असमर्थ है ऐसी स्थिति में आए दिन एंबुलेंस जाम के दौरान लंबे समय तक फंसी रहती है जिसके कारण किसी दिन बड़ी अनहोनी से इंकार नहीं किया जा सकता।

मोटरयान अधिनियम 2019 में हुए संशोधन से धारा 194 ई के तहत होगी कार्रवाई

आए दिन तीज त्योहारों से पहले एसएसपी कार्यालय/पुलिस नियंत्रण कक्ष में यातायात के सुचारू संचालन के लिए बैठक होती है। लेकिन एंबुलेंस के मामले में आज भी रायपुर पुलिस असहाय है। गौरतलब है कि बड़े शहरों में जाम में फंसने वाली एंबुलेंस के क्लीयरेंस के लिए केंद्र सरकार ने मोटरयान अधिनियम 2019 में संशोधन किया है अब किसी रैली धरना अथवा जलसा प्रदर्शन के दौरान एंबुलेंस को साइड नहीं दी जाती है तो उक्त अवस्था संबंधित कार्यक्रम के संयोजकों को धारा 194 ई के तहत 10 हजार रुपये जुर्माना लगेगा।

एसीबी ने रिश्वतखोर सब इंजीनियर गिरफ्तार

रायपुर, 27 सितम्बर 2022। ईओडब्ल्यू/एसीबी छत्तीसगढ़ रायपुर के निदेशक आरिफ एच. शेख के निर्देशन में एवं पंकज चन्द्रा, पुलिस अधीक्षक, ईओडब्ल्यू/एसीबी के नेतृत्व एवं अमृता सोरी ध्रुव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, एसीबी के मार्गदर्शन में एसीबी यूनिट जगदलपुर की टीम ने आज कार्यवाही कर अवैध पारितोषिक की मांग करने वाले मुकेश कुमार साव, सब इंजीनियर, नगर पंचायत भैरमगढ़, जिला-बीजापुर को रंगे हाथ रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया है।

प्रार्थी ने एसीबी जगदलपुर में शिकायत की थी कि प्रार्थी को ठेके में प्राप्त कार्यों के बिल का भुगतान करने के एवज में नगर पंचायत भैरमगढ़, जिला-बीजापुर में पदस्थ सब इंजीनियर मुकेश कुमार साव द्वारा 1,30,000/- रूपये रिश्वत की मांग की जा रही थी। प्रार्थी और आरोपी के मध्य किस्तों में 1,30,000/- रूपये देने की सहमति बनी। शिकायत का सत्यापन होने पर आज दिनांक 27.09.2022 को प्रार्थी से मांगी गई रिश्वत की प्रथम किस्त रकम 50,000/- रूपये लेते मुकेश कुमार साव, सब इंजीनियर, नगर पंचायत भैरमगढ़, जिला-बीजापुर को उसके कार्यालय में रंगे हाथ पकड़ा गया है।

आरोपी के विरूद्ध धारा-7(क), 12 भ्र0नि0अधि0 1988 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर उनके विरूद्ध अग्रिम वैधानिक कार्यवाही कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

करंट से युवक और भालू की मौत,किसान पर होगी कार्रवाई

कांकेर, 27 सितम्बर 2022। जिले में एक किसान की बड़ी लापरवाही के कारण एक युवक और भालू की मौत हो गई। मक्के की फसल को सुरक्षित रखने के लिये किसान ने खेत की फेंसिंग तार में करंट छोड़ दिया था। इस घटना की सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुचकर इस मामले में पूछताछ कर रही है।

मिली जानकारी के अनुसार, कांकेर जिला मुख्यालय से 18 किलोमीटर दूर कुम्हानखार में एक किसान की बड़ी लापरवाही के कारण एक युवक और भालू की मौत हो गई। किसान ने अपने मक्के की फसल को सुरक्षित रखने खेत की फेंसिंग तार में करंट छोड़ दिया था। इसकी चपेट में आकर पहले एक युवक की मौत हुई फिर देर रात एक भालू भी उसकी चपेट में आ गया। करंट की चपेट में आया युवक दो दिनों से घर से लापता था और उसके शव से उठ रही दुर्गंध से अंदाजा लगया जा रहा है कि, वह दो दिन पहले ही करंट की चपेट में आ गया था।

पुलिस के पूछने पर किसान संदीप शोरी ने फेंसिंग तार में करंट छोड़ने की बात कबूल भी कर ली है। किसान ने बताया कि, खेत मे रोजाना भालू घुसकर नुकसान पहुचा रहा था। इसके कारण उसने खम्भे से तार जोड़कर खेत की फेंसिंग तार से जोड़ दिया था। इस घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई है और मामले में पूछताछ की जा रही है।

वन विभाग का एक और कारनामा

इतने वर्ष में आधा दर्जन हाथी के बच्चों की मौत, आंकड़े निकालने में छूट रहे पसीने करोड़ों रुपए खर्च फिर भी ये हाल

रायपुर, 27 सितम्बर 2022। वन विभाग में चल रहे भीतरघात बड़े कारनामों का उजागर हुआ है। बीते चार वर्ष में आधा दर्जन हाथी के बच्चों की मौत हो गई है। कोई बीमारी और झुंड से बिछड़ने के कारण हुई है। बाकी आंकड़े निकालने में विभाग के जिम्मेदारी अधिकारी का पसीने छूट रहे हैं।

बता दें कि प्रदेश में हाथी मानव द्वंद को रोकने से लेकर उनके संरक्षण में शासन-प्रशासन एक वर्ष में करोड़ों रुपए खर्च तो करता है। इसके बावजूद वन विभाग हाथियों के बच्चों की मौत को रोकने में असफल साबित हो रहा है।

अभी हाल ही में जशपुर वनमंडल क्षेत्र में हाथी के झुंड से एक माह का बच्चा बिछड़ने का मामला सामने आया है, लेकिन बच्चे को ढूंढने में वन विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों के पसीने छूट गए हैं। इसके लिए वन्यजीव प्रेमियों ने वनमंत्री मोहम्मद अकबर से मुलाकात कर हाथी के बच्चे को ढूंढने की मांग कर ज्ञापन सौंपा।

यहां हुआ दो हाथियों की मौत

महासमुंद जिले के चंदा हाथी दल में विचरण करते समय दो शावकों की मौत हो गई। 2018 में महासमुंद वनपरिक्षेत्र के कुकाडीह बंजर से जोबा इलाके होते हुए 22 जंगली हाथियों का झुंड विचरण करते हुए अछोला के पास महानदी तट पहुंचा। इस दौरान झुंड से एक बच्चा बिछड़ गया, जो पूरी तरह घायल हो गया था। जिसकी तीन दिन बाद मौत हो गई थी।

वन अफसरों के मुताबिक, हाथी के बच्चे के सिर में गंभीर चोट और पेट में अल्सर था। स्थिति गंभीर होने के कारण डॉक्टर भी उसे नहीं बचा सके। इसी तरह महानदी में मार्च 2019 अछोला महानदी तट पर नदी में डूबने से एक हाथी के बच्चे की मौत हो गई थी। इस दौरान नदी में डूबता देख हाथियों के झुंड ने बच्चे को कई घंटों तक निकालने की कोशिश की, लेकिन वे विफल रहे। इसके बाद हाथियों का दल वहां से चला गया। इसके अलावा, धमतरी में दलदल में फंसकर 4 वर्ष के बच्चे की मौत हो गई। इसी तरह बालोद जिले में चार महीने के हाथी के बच्चे का शव और बलरामपुर जिले में 7 महीने के बच्चे का शव मिला था।

हरपीज वायरस से तीन हाथी के बच्चे की मौत

पिछले वर्ष सूरजपुर जिले के पिंगला रेंज में एलीफेंट रेस्क्यू सेंटर में कुमकी हाथी गंगा व योगलक्ष्मी के करीब डेढ़ वर्षीय दो बच्चों की मौत 24 घंटे में हो गई थी। इसका पोस्टमार्टम में पता चला कि इसकी मौत हरपीज वायरस की चपेट में आकर हुई थी। वन्यप्राणी चिकित्सक डॉ. राकेश वर्मा ने बताया कि यह बीमारी आमतौर पर दो से 10 साल तक के हाथियों को होती है। इस वायरस के संक्रमण के कारण होने वाला रक्तस्राव हाथियों की मौत का कारण बनता है। इसका प्रमुख लक्षण हाथियों में भूख कम लगना, नाक से पानी निकलना और सूजी हुई ग्रंथियां है।

दल से बिछड़ने का ये एक कारण

पूर्व सीसीएफ व भारत सरकार के एलीफेंट प्रोजेक्ट के सदस्य केके बिसेन ने बताया कि अधिकांश हाथी के झुंड से बच्चे बीमार होने के कारण बिछड़ जाते है, या कई बार लोगों के शोरगुल से बच्चे इधर-उधर चले जाते हैं। हाथी के बच्चे को लोगों के संपर्क से दूर रखने के लिए हाथियों के लीद को बच्चे के पूरे शरीर में लेप चढ़ाकर जंगल में बाड़े में रखना चाहिए। जहां से उसका झुंड आसानी से ले जा सके।

हाथी के बच्चों को मिल्क फार्मूले से दूध पिलाया जाता है

वन्यजीव प्रेमी नितिन सिंघवी ने बताया कि हाथी के बच्चे को दूध पिलाने के लिए क्या वन विभाग के पास बोतल है? या उसे अनहाईजीनिक तरीके से पॉलिथीन में छेद करके दूध पिलाया गया। जबकि, हाथी के बच्चों को मिल्क फार्मूले से दूध पिलाया जाता है। वरिष्ठ निदेशक एवं मुख्य पशुचिकित्सक वाइल्डलाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया के डॉ. असरफ ने बताया कि कोटोनेट पाउडर, मिल्क पाउडर व प्रोटिनेस को गर्म पानी में मिलाकर दिया जाता है। इसमें भी उम्र के हिसाब से एक या दो बार दिया जाता है।

हाथी के बच्चे के बारे में मैं आपको बता नहीं सकता

वहीं डॉ. पवन कुमार चंदन, चिकित्सक, वन्यप्राणी ने कहा कि अभी हाथी के बच्चे के बारे में मैं आपको बता नहीं सकता, क्योंकि अभी सबसे बड़ी चीज हमें इलाज के साथ-साथ उसे झुंड में शामिल करना है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साईं ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)